THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

किसी वीटो के चलते भारत फैसले नहीं लेगा : जयशंकर

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत कभी भी दूसरों को अपनी पसंद पर वीटो करने की अनुमति नहीं दे सकता है। मुंबई के एक कार्यक्रम में उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा- भारत अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा, उसे बिना डरे करेगा।

जयशंकर ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर जब और गहराई से जुड़ता है, तो उसके परिणाम गहरे होते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की समृद्ध विरासत से दुनिया को बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब भारतीय अपने पर गर्व करें।

वर्ष-29 अंक : 271 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष कृ.8 2081 सोमवार, 23 दिसंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

शाह के इस्तीफे के लिए कांग्रेस कैंपेन चलाएगी

26 जनवरी तक देशभर में प्रदर्शन होंगे, संसद में अंबेडकर पर गृह मंत्री के बयान का मामला

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह की इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी अगले साल 26 जनवरी तक देशभर में कैंपेन चलाएगी। 22 और 23 दिसंबर को कांग्रेस के नेता 150 से ज्यादा शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। 24 मार्च को कलेक्ट्रेट पर मार्च निकालेंगे। 27 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी में पार्टी बड़ी रैली होगी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बताया कि संसद सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने अपने भाषण में बाबा साहब का अपमान किया है। शाह के बयान से सभी आहत हैं। अब तक अमित शाह या प्रधानमंत्री ने इसके लिए माफी मांगने की कोशिश नहीं की। कांग्रेस गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी तक इस मुद्दे को देशभर में उठाएगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी जानकारी दी थी कि लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद सीडब्ल्यूसी सदस्यों के साथ देश भर के 150 अलग-अलग शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेंगे।

भाजपा ने भी जवाबी तैयारी शुरू की :

कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए भाजपा ने भी विपक्ष को जवाब देने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने अपने एससी/एसटी मोर्चा को सभी विधानसभा सीटों पर जवाबी अभियान की योजना बनाने के लिए कहा है। यूपी भाजपा एससी/एसटी मोर्चा के अध्यक्ष राम चंद्र कन्नौजिया ने पुष्टि की कि पार्टी जमीनी स्तर पर विपक्ष को बेनकाब करने के लिए अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा, पार्टी दलित विरोधी नारों और विपक्षी दलों के तहत पिछली सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों को उजागर करेगी।

मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान

ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर पाने वाले पहले भारतीय पीएम, अब तक 20 देश कर चुके सम्मानित

कुवैत सिटी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत दौरे के दूसरे दिन सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया गया है। उन्हें ये सम्मान कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने दिया। ये सम्मान पाने वाले मोदी पहले भारतीय पीएम हैं। मोदी को किसी देश से मिलने वाला ये 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।

ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। यह कुवैत का सर्वोच्च सम्मान है। यह अवार्ड दोस्ती की निशानी के तौर पर राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी शासकों और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को दिया जाता है। इससे पहले यह पुरस्कार बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को दिया जा चुका है। इससे पहले पीएम मोदी का अमीर के महल बायन पैलेस में स्वागत किया गया था, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी शनिवार को दो दिन के कुवैत दौरे पर पहुंचे थे।

दौरे के पहले दिन भारतीय मजदूरों से मुलाकात की :

पीएम मोदी ने शनिवार को कुवैत में काम करने वाले भारतीय मजदूरों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मजदूरों से बातचीत की, उनका हालचाल पूछा और साथ में नाश्ता भी किया। इससे पहले पीएम ने कुवैत में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया था।

प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि 43 साल के बाद भारत का कोई पीएम कुवैत आया है। आपको भारत से आना है तो 4 घंटे लगते हैं, प्रधानमंत्री को 4 दशक लग गए। मोदी ने कहा कि कुवैत में लोगों को हर त्योहार मनाने की सुविधा है। लेकिन मैं आपको सेलिब्रेट करने आया हूं। पीएम मोदी से पहले 1981 में प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी ने कुवैत का दौरा किया था। 4 दशक बाद ये किसी भारतीय पीएम का पहला कुवैत दौरा है। मोदी का एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट वेलकम हुआ।

कुवैत में भारतीयों ने भारतीयता का तड़का लगाया :

मोदी ने कहा कि आपमें से कितने ही लोग पीढ़ियों से कुवैत में रह रहे हैं। बहुत सारे लोगों का जन्म ही यही हुआ है। हर साल यहां रहने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। आपने कुवैत के समाज में भारतीयता का तड़का लगाया है। आपने कुवैत के कैनवास पर भारतीय हुनर का रंग भरा है, यहां भारत के टैलेंट, टेक्नोलॉजी और ट्रेडिशन का मसाला मिक्स किया है। मैं यहां सिर्फ आपसे मिलने नहीं आया हूं बल्कि आप सभी की उपलब्धियों को सेलिब्रेट करने के लिए यहां आया हूं।

कुवैत की लीडरशिप भी भारतीयों की मेहनत की कायल :

पीएम ने कहा कि मैंने यहां काम करने वाले भारतीय मजदूरों और कर्मचारियों से मुलाकात की। ये साथी यहां कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं। इसके अलावा बाकी लोग भी दूसरे सेक्टर में पसीना बहा रहे हैं। भारतीय समुदाय के डॉक्टर्स, नर्सें कुवैत के मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए बहुत बड़ी शक्ति हैं।

भारतीय शिक्षक कुवैत की अगली पीढ़ी को मजबूत बनाने में सहयोग कर रहे हैं, इंजीनियर्स कुवैत के नेक्स्ट जेनेरेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र न्याय परिषद के अध्यक्ष बने जस्टिस मदन लोकुर

: सुप्रीम कोर्ट से साल 2018 में हुए थे रिटायर

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मदन बी लोकुर को संयुक्त राष्ट्र की आंतरिक न्याय परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने जस्टिस लोकुर को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी। पत्र में बताया गया है कि जस्टिस लोकुर का कार्यकाल 12 नवंबर, 2028 तक रहेगा। यूएन की आंतरिक न्याय परिषद में दुनियाभर के कई प्रतिष्ठित जज सदस्य हैं। ऐसे में जस्टिस लोकुर को परिषद का अध्यक्ष बनाया जाना पूरे देश के लिए गौरव की बात है।

दुनियाभर के कई प्रतिष्ठित जज परिषद के सदस्य :

यूएन महासचिव गुटेरेस ने 19 दिसंबर को जस्टिस मदन लोकुर को पत्र भेजा, जिसमें कहा गया है कि आंतरिक न्याय परिषद के सदस्य और अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हुए खुशी हो रही है। इसमें कहा गया है, परिषद के अन्य सदस्य कारमेन आर्टिगास

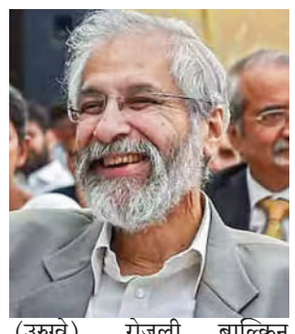

(उरुग्वे), रोजली बाल्किन (ऑस्ट्रेलिया), स्टीफन ब्रेजिना (ऑस्ट्रिया), जे पॉजेनल (संयुक्त राज्य अमेरिका) शामिल हैं।

साल 1953 में जन्मे न्यायमूर्ति मदन लोकुर को 4 जून, 2012 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 30 दिसंबर, 2018 को जस्टिस लोकुर सुप्रीम कोर्ट से बतौर जज सेवानिवृत्त हुए। साल 2019 में जस्टिस लोकुर को फिजी के सुप्रीम कोर्ट में गैर-निवासी पैनल के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वह किसी अन्य देश के सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाले पहले भारतीय न्यायाधीश थे।

एक देश, एक चुनाव 2034 से पहले संभव नहीं

ईवीएम पर 1.5 लाख करोड़ लगेंगे, दोगुनी करनी होगी सिक्योरिटी फोर्स

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में बीते 75 साल के दौरान लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से भी ज्यादा चुनाव करवाए जा चुके हैं। ये चुनाव कमोबेश स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए हैं और किसी भी, खासकर बाहरी एजेंसी को देश के निर्वाचन आयोग पर उंगली उठाने का कोई मौका नहीं दिया गया।

हालांकि इसके बावजूद ऐसे कई तथ्य हैं, जो देश में अलग-अलग चुनाव करवाने को लेकर सवाल उठाते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या देश में सभी चुनाव एकसाथ नहीं हो सकते? इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए पिछले साल सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया था।

>14

अल्लू अर्जुन के आवास पर तोड़फोड़ : हिरासत में लिए गए छह लोग

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के आवास पर उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्य होने का दावा करने वाले व्यक्तियों के एक समूह ने तोड़फोड़ की। इस मामले में छह लोग हिरासत में लिए गए हैं। एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें उस्मानिया विश्वविद्यालय के संयुक्त कार्य समिति (ओयू-जेएसी) के सदस्यों ने अर्जुन के हैदराबाद स्थित जुबली हिल्स स्थित आवास पर हमला किया है।

वीडियो में कार्यकर्ताओं को उनके आवास पर पत्थरबाजी करते हुए देखा जा सकता है। रविवार को उस्मानिया यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह ने अर्जुन के घर के बाहर हंगामा किया और टमाटर फेंके। इस घटना में घर के अंदर रखे फूलों के गमले भी टूट गए। इसके तुरंत बाद पुलिस ने घटना के सिलसिले में छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

घटना के समय अल्लू अर्जुन अपने घर पर नहीं थे। उस्मानिया विश्वविद्यालय के संयुक्त कार्य समिति के सदस्य अभिनेता के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे और रेवती के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। उन्होंने भगदड़ में घायल हुए नौ वर्षीय पीड़ित श्रीतेज को न्याय दिलाने की भी मांग की, जिसका हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इस मामले में जुबली हिल्स पुलिस ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति के छह सदस्यों ने अभिनेता अल्लू अर्जुन के आवास पर पथराव किया, तख्तियां पकड़ लीं और विरोध प्रदर्शन किया।

>14

चुनाव नियम में बदलाव पर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा

खरगे बोले- यह सरकार की सोची समझी साजिश

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में किए गए बदलाव को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करना चाहती है। चुनाव नियम में बदलाव चुनाव आयोग की ईमानदारी को खत्म करने सोची समझी साजिश है। चुनाव आयोग को जानबूझकर खत्म करके मोदी सरकार लोकतंत्र और संविधान पर हमला कर रही है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि चुनाव नियमों में संशोधन भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करने की मोदी सरकार की व्यवस्थित साजिश है। इससे पहले सरकार ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाले पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को चयन पैनल से हटा दिया था। अब सरकार उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी चुनावी जानकारी को छिपाने का सहारा ले रहे हैं। खरगे ने कहा कि जब-जब कांग्रेस ने चुनाव आयोग को मतदाताओं के नाम काटने और ईवीएम में पारदर्शिता की कमी जैसी अनियमितताओं के बारे में लिखा, तब-तब आयोग ने अपमानजनक लहजे में जवाब दिया। इसके अलावा कुछ गंभीर शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया। यह साबित करता है कि चुनाव आयोग भले ही एक अर्ध-न्यायिक निकाय है, लेकिन स्वतंत्र रूप से व्यवहार नहीं कर रहा है। मोदी सरकार का चुनाव आयोग की अखंडता को कम करने का नपा-तुला प्रयास संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला है और हम उनकी रक्षा के लिए हर कदम उठाएंगे। इससे पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि पार्टी संशोधन को कानूनी रूप से चुनौती देगी। लोकसभा सांसद और कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि चुनाव आयोग ने अब तक अपने कामकाज में अस्पष्टता और सरकार समर्थक रवैया अपनाया है।

यह है मामला

केंद्र सरकार ने सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में बदलाव किया है ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। चुनाव आयोग (ईसी) की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागजातों' या दस्तावेजों को प्रतिबंधित किया जा सके। नियम 93 के अनुसार, चुनाव से संबंधित सभी 'कागजात' सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे। इस संशोधन में 'कागजातों' के बाद 'इन नियमों में निर्दिष्ट अनुसार' जोड़ा गया है।

संशोधन के पीछे था एक अदालती मामला

कानून मंत्रालय और चुनाव आयोग के अधिकारियों ने अलग-अलग बताया कि संशोधन के पीछे एक अदालती मामला 'ट्रिगर' था। जबकि नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, परिणाम और चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है, आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान उम्मीदवारों के सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते हैं।

एंबुलेंस से गांजा तस्करी करने वाले गैंग का पर्दाफाश

मुखबिर की सूचना पर नैनीताल पुलिस की एक्शन

देहरादून, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में नशें का अवैध कारोबार करने वाले अपराधी डाल डाल हैं तो पुलिस भी पात पात हैं। इसकी वजह ये है क्योंकि उत्तराखंड के नैनीताल जनपद में यूपी से एंबुलेंस के जरिये अवैध नशे की तस्करी करने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 58 किलोग्राम गांजा और एक एंबुलेंस भी बरामद की हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साल 2025 में नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है, लेकिन फिर भी प्रदेश में अवैध नशे का कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। नैनीताल जिले की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और रामनगर कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि यूपी से एंबुलेंस के माध्यम से गांजे की बड़ी खेप लेकर दो तस्कर आ रहें हैं। इस सूचना के आधार पर टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए पाटकोट से रामनगर की तरफ आ रही एम्बुलेंस को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देख एंबुलेंस का ड्राइवर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने एंबुलेंस में सवार ड्राइवर और उसके सहयोगी को पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम चंद्रपाल सिंह और अरुण कुमार बताया, ये दोनों मुरादाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग 56 किलोग्राम गांजा और एंबुलेंस को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आरोपियों खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

असम में बाल विवाह कराने पर 416 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। असम में बाल विवाह के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के तीसरे चरण में 416 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि 21-22 दिसंबर की रात से यह कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान पुलिस ने 335 मुकदमे दर्ज किए। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। एक्स पर सीएम ने लिखा कि असम में बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई जारी है। 21-22 दिसंबर की रात को शुरू किए गए तीसरे चरण के अभियान में 416 गिरफ्तारियां की गईं और 335 मामले दर्ज किए गए। गिरफ्तार किए गए लोगों को अदालत में पेश किया जाएगा। हम इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए साहसिक कदम उठाते रहेंगे।

दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी पर लगे आरोपों को बताया झूठ

भोपाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा है कि उन्हें संदेह है कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल संसद में पास होगा। उन्होंने कहा कि जेपीसी का गठन हो चुका है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह बिल पास होगा। साथ ही उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर बीजेपी सांसदों को धक्का-मुक्की करने के आरोपों को भी खारिज कर किया। ये बातें कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह रात मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में पत्रकारों से बात करते हुए कही। बता दें कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के तहत दो बिल, जिनमें एक संविधान संशोधन की आवश्यकता है, मंगलवार को लोकसभा में पेश किए गए थे। शुक्रवार को इन बिलों को संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया। गुरुवार को संसद परिसर में बीजेपी सांसदों को धक्का-मुक्की करने के आरोप में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। दिग्विजय सिंह ने इन आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि धक्का-मुक्की बीजेपी नेताओं के बीच हुई थी। बीजेपी सांसद एक दूसरे पर गिर गए। जिस सांसद ने यह कहा कि राहुल गांधी उनके सामने खड़े थे, तो अगर वह सामने खड़े थे, तो वह कैसे धक्का दे सकते हैं?

मोहन भागवत पर चुप रहने का लगाया आरोप

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में मंदिर-मस्जिद विवादों के पुनरुत्थान पर चिंता व्यक्त की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि जो लोग हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को उठाकर नेता बनना चाहते हैं, उनके सामने सबसे बड़ा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। भागवत जी उन्हें क्यों नहीं समझाते? सिंह ने आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख केवल बयान देते हैं, लेकिन जब मुसलमानों पर अत्याचार होता है, तो वह चुप रहते हैं।

'क्या सुप्रीम कोर्ट को इसकी जांच नहीं करानी चाहिए?'

अमेरिकी अदालत के फैसले पर सुरजेवाला का सवाल

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की एक जिला अदालत ने इस्राइल के एनएसओ समूह को पेगासस मैलवेयर के जरिए व्हाट्सएप हैकिंग कर जासूसी करने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद भारत में भी ये मुद्दा उठा है। गौरतलब है कि पेगासस के जरिए दुनियाभर में 1400 लोगों की जासूसी कराए जाने का खुलासा हुआ था, इनमें 300 भारतीय भी शामिल हैं। भारत में भी पेगासस मुद्दे पर खूब हंगामा हुआ था और विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जासूसी कराने के गंभीर आरोप लगाए थे। अब अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद फिर से यह मुद्दा गर्म हो सकता है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रविवार को इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

सुरजेवाला ने सुप्रीम कोर्ट से पेगासस कांड की जांच की उठाई मांग

रणदीप सुरजेवाला ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट कर सवाल उठाए हैं। सुरजेवाला ने लिखा कि 'पेगासस जासूसी कांड मामले में आए फैसले से साबित हो गया है कि भारत में भी गैरकानूनी तरीके से 300 व्हाट्सएप नंबर्स को निशाना बनाया गया था। सुरजेवाला ने पूछा कि वो 300 नंबर्स कौन से थे? वो दो केंद्रीय मंत्री कौन थे? वो तीन विपक्षी नेता, संवैधानिक प्राधिकरण कौन थे? वे कौन से पत्रकार थे, कौन से उद्योगपति थे, जिनके नंबर्स को निशाना बनाया गया।' अन्य पोस्ट में सुरजेवाला ने पूछा कि 'क्या जानकारी ली गई और उसका कैसे इस्तेमाल किया गया और इसका क्या असर हो सकता है? क्या अब इस मामले में जिम्मेदारी अधिकारी और एनएसओ समूह के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया जाना चाहिए?' सुरजेवाला ने सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट से इसकी जांच की मांग कर डाली। सुरजेवाला ने लिखा कि 'क्या सुप्रीम कोर्ट अब पेगासस जासूसी कांड पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करेगा? और क्या अब सुप्रीम कोर्ट को भी इसकी जांच नहीं करानी चाहिए?'

अमेरिकी अदालत ने माना- जासूसी हुई

अमेरिका के कैलिफोर्निया की जिला अदालत ने साल 2019 के व्हाट्सएप हैकिंग कांड के लिए इस्राइली कंपनी एनएसओ को जिम्मेदार ठहराया है। फैसले में कहा गया कि एनएसओ ने यूजर्स की हैकिंग के लिए व्हाट्एसप सर्वर में पेगासस मैलवेयर भेजकर संघीय हैकिंग कानून को तोड़ा। व्हाट्सएप ने यह मुकदमा दायर किया था। व्हाट्सएप ने एनएसओ पर उसकी सेवा शर्तों के उल्लंघन और संघीय हैकिंग कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया था। इस मामले में दुनियाभर के 1400 लोगों को निशाना बनाया गया था।

एमपी की लुटेरी दुल्हन, सुहागरात में नशीला दूध पिलाकर कैश-सोना और मोबाइल लेकर रफूचक्कर

छतरपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में लूटपाट का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। पुलिस ने दुल्हा को चूना लगाकर गायब होने वाली लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार कर लिया है। नौगांव थाना क्षेत्र के कुलवारा मे 13 दिसंबर को इस लुटेरी दुल्हन ने पहले दुल्हा से शादी रचाई। इसके बाद दुल्हन ने 14 तारीख को सुहागरात को दुल्हे को दूध मे नशेली चीज मिलाकर उसे बेहोश कर 25 हजार कैश सहित दस तौला सोने के जेवरात और मोबाइल लेकर रफूचक्कर हो गई। इसके बाद पीड़ित दूल्हा और परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस पीड़ित दुल्हे की शिकायत पर साईबर सेल की मदद से उत्तर प्रदेश के महोबा की रहने वाली आरोपी लुटेरी दुल्हन बिट्टू रैकवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दुल्हन को थाने में ले जाकर कई घंटों तक पूछताछ की। इसके बाद उसने अपने सारे जुर्म पुलिस के सामने कबूल कर लिए। थाना इंचार्ज सतीश सिंह ने बताया कि इस मामले में साजिश रचने वाले उत्तर प्रदेश कै राठ निवासी अभय प्रताप सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी के आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। आरोपी लुटेरी दुल्हन ने इस दुल्हे के आलावा आधा दर्जन से अधिक लोगो को लुटेरी दुल्हन बनकर ठगी का शिकार बनाया था। अब लुटेरी दुल्हन पुलिस के शिकंजे में है।

महिला सम्मान निधि और संजीवनी योजना का रजिस्ट्रेशन कब शुरू होगा?

केजरीवाल ने बताई तारीख, कहा-हम आपके घर आएंगे

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि महिला सम्मान निधि के लिए कल से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। इस स्कीम के तहत दिल्ली में माताओं और बहनों को 2100 रुपये मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि संजीवनी योजना का भी रजिस्ट्रेशन कल से शुरू होगा।

लोग पूछ रहे थे कब से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए हम दो खुशखबरी ले कर आये थे। महिला सम्मान योजना के तहत माता बहनों के लिए हमने ये ऐलान किया था कि उन्हें 2100 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। जब से हमने इस योजना का ऐलान किया है तब से लोग पूछ रहे हैं कि कब से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। तो हम आज यह बताना चाहते हैं कि कल से दिल्ली मे महिला सम्मान निधि का रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। और रजिस्ट्रेशन के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है, हम आपके घर आएंगे।

वोटर आईडी का होना जरुरी

वहीं केजरीवाल ने कहा कि कल से संजीवनी योजना का भी रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। इन योजना के रेजिस्ट्रेशन के लिए वोटर आईडी का होना जरूरी है। अगर आपका वोट कट गया है तो हमें बताइयेगा। कल से मैं और मुख्यमंत्री आतिशी घर-घर जाकर इस रजिस्ट्रेशन प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे। महिला सम्मान निधि से 30 से 40 लाख महिलाओं को सहायता मिलेगी वहीं संजीवनी योजना से 10 से 15 लाख बुजुर्गों को लाभ मिलेगा। इससे पहले शनिवार को केजरीवाल ने शहर के दलित छात्रों की विदेश में मुफ्त पढ़ाई के लिए आंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, ''इस योजना के तहत दिल्ली का कोई भी दलित छात्र विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर सकेगा। अगर उन्हें ऐसे किसी विश्वविद्यालय में दाखिला मिलता है तो दिल्ली सरकार उनकी शिक्षा, यात्रा और आवास का पूरा खर्च वहन करेगी।'' केजरीवाल ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के बच्चे भी इस योजना के लिए पात्र होंगे। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि छात्रवृत्ति कैसे और कब दी जाएगी।

दिल्ली स्कूलों में बम की धमकी भाई-बहन ने दी थी

ई-मेल भेजा था, ताकि परीक्षा टल जाए; इस महीने 3 बार स्कूलों को धमकियां मिलीं

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के 3 स्कूलों में बम की धमकी वहां पढ़ने वाले दो छात्रों ने ही दी थी। दोनों भाई-बहन थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि काउंसिलिंग के दौरान छात्रों ने माना कि उन्होंने ई-मेल के जरिए 3 स्कूलों को बम की धमकी भेजी थी। वे चाहते थे कि एग्जाम टाल दिए जाएं। उन्होंने पहले की घटनाओं से धमकी भेजने का आइडिया मिला था। पुलिस को छात्रों ने बताया कि उन्होंने एग्जाम की तैयारी नहीं की थी। ऐसे में वे एग्जाम को टालना चाहते थे। पुलिस ने बताया कि दोनों छात्र थे, इसलिए काउंसिलिंग के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। 17 दिसंबर को रोहिणी और पश्चिम विहार स्थित 3 स्कूलों में बम होने की धमकी भेजी गई थी। इसमें 72 घंटों के भीतर 85 लाख रुपए भेजने की बात कही गई थी। लिखा था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो बम ब्लास्ट कर दिया जाएगा।

महाराष्ट्र सरकार में प्रमुख विभागों के साथ दूसरे नंबर पर एकनाथ शिंदे!

शहरी विकास सहित क्या-क्या मिला?

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की प्रचंड जीत के काफी दिनों बाद देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ ही एनसीपी प्रमुख अजित पवार और शिवसेना सुप्रीमो एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। इसके बाद फिर नागपुर में कैबिनेट का विस्तार किया गया। वहीं अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट में विभागों का बंटवारा भी कर दिया है। सीएम फडणवीस ने अपने पास गृह के साथ कानून विभाग रखा है। वहीं डिप्टी सीएम अजित पवार को वित्त और आबकारी (एक्साइज) विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरी ओर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के खाते में शहरी विकास, आवास, उद्योग, सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल और स्कूल शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण और भारी विभाग गया है। इसके साथ ही अब चर्चा है कि एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना ने बीजेपी के साथ मोलभाव करके महाराष्ट्र सरकार में नंबर दो पर रहने में कामयाब रही।

महत्वपूर्ण मंत्रालय पाने में सफल रहे शिंदे?

शिवसेना ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में अपने पास रहे अधिकांश विभागों को बरकरार रखने में भी सफलता प्राप्त की है और आवास जैसे महत्वपूर्ण विभाग भी उसे मिले हैं। हालांकि, उन्हें गृह मंत्रालय नहीं मिल पाया, जिसके लिए वह काफी उत्सुक थे और पिछले दो-तीन हफ्तों से बीजेपी के साथ काफी मोलभाव कर रहे थे। शिवसेना के सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय के स्थान पर शिंदे आवास और शहरी विकास जैसे अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय पाने में सफल रहे। बता दें शहरी विकास मंत्रालय शिवसेना के पास होने से शिंदे का मुंबई महानगर क्षेत्र और राज्य के अन्य शहरों में सभी शहरी स्थानीय निकायों और प्रमुख बुनियादी ढांचा और आवास एजेंसियों जैसे एमएमआरडीए, सिडको और एमएसआरडीसी पर नियंत्रण होगा। शिंदे के अलावा शिवसेना के 11 अन्य विधायकों ने शीतकालीन सत्र शुरू होने से एक दिन पहले पिछले हफ्ते नागपुर में मंत्री पद की शपथ ली थी। शिंदे ने शहरी विकास, आवास और लोक निर्माण (सार्वजनिक उद्यम) जैसे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं, जबकि उदय सामंत को उद्योग और मराठी भाषा मंत्रालय दिए गए हैं।

स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के पूर्व मैनेजर समेत 15 लोगों को जेल, सीबीआई कोर्ट ने धोखाधड़ी मामले में सुनाई सजा

अहमदाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सीबीआई कोर्ट ने अहमदाबाद के नरोदा रोड स्थित स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के पूर्व ब्रांच मैनेजर सहित 15 लोगों को 1.62 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में 15.35 लाख रुपये के जुर्माने के साथ तीन से पांच साल की कैद की सजा सुनाई है। सीबीआई ने 11 सितंबर, 2001 को आरोपियों के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज किया था। इनपर आरोप लगाया गया था कि अहमदाबाद के नरोदा रोड स्थित स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर बीजे जाला ने अन्य सभी आरोपियों के साथ एक आपराधिक साजिश रची थी। व्यक्तियों और अन्य लोगों के खिलाफ सार्वजनिक आवास वित्त के मामले में एक लोक सेवक के रूप में अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। जाली और झूठे आधार पर 1.62 करोड़ रुपये के होम लोन को मंजूरी देकर धोखा दिया। सीबीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया कि, बीजी जाला ने अहमदाबाद के तत्कालीन शाखा प्रबंधक के रूप में आपराधिक साजिश के तहत धोखाधड़ी और बेईमानी से उक्त उधारकर्ताओं की लोन पात्रता की पुष्टि नहीं की। उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके उधारकर्ताओं को होम लोन स्वीकृत किया। वहीं जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने दोषी लोगों सहित आरोपियों के खिलाफ नौ अलग-अलग आरोप पत्र दायर किए। नौ विशेष मामलों में से पांच में फैसला सुनाया जा चुका है। इनमें से नौ आरोपियों के खिलाफ आरोप हटा दिए गए, क्योंकि उनकी सजा मुकदमे के दौरान ही समाप्त हो गई थी। वहीं सुनवाई के बाद सीबीआई मामलों के विशेष जज कोर्ट नंबर 1 इलाहाबाद ने स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र अहमदाबाद के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर बेचरभाई गणेशभाई जाला और 14 निजी व्यक्तियों समेत 15 आरोपियों को सजा सुनाई है। इसमें मुकेश नटवर ब्रह्मभट्ट, अमित अजीत व्यास, राजेंद्र नटवरलाल ब्रह्मभट्ट, चेतन जगदीश भट्ट, करण विक्रम महिदा, राजेश अरविंद पटेल, महेश मुरलीधर सबनानी, चिन्मय गिरीशचंद्र त्रिवेदी, जयेश श्यामलाल असवानी, रजनीकांत छोटेलाल उपाध्याय, नीलेश सुरेशचंद्र शाह, विमल के मेहता और हेमेंद्र एल शाह के नाम शामिल हैं।

पहले बंद करें गैर-हिंदू बांग्लादेशियों का इलाज कोलकाता में अस्पताल के बाहर बीजेपी का प्रदर्शन

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गैर-हिंदू बांग्लादेशी मरीजों के इलाज को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कोलकाता के अस्पताल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों की मांग है कि अस्पताल को गैर-हिंदू बांग्लादेशियों का इलाज बंद कर देना चाहिए। इसको लेकर प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल को एक ज्ञापन सौंपा है। इसमें कहा गया है, देश पहले आता है। हमारे भाइयों और बहनों को वहां प्रताड़ित किया जा रहा है और मारा जा रहा है। इसलिए गैर-हिंदू बांग्लादेशियों को कोई इलाज मुहैया नहीं किया जाना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम अपने राष्ट्र और तिरंगे के सम्मान के लिए अपनी नैतिकता और व्यवसाय को किनारे रखें।

राष्ट्र हमेशा पहले आता है

प्रदर्शनकारी ने कहा, बांग्लादेश में हमारे अल्पसंख्यक हिंदू भाइयों और बहनों के साथ जो हो रहा है, उससे हम दुखी हैं। वहां उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। मारा जा रहा है। इसे रोका जाना चाहिए। राष्ट्र हमेशा पहले आता है। ये प्रदर्शनकारी 'सैल्यूट तिरंगा' के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी निजी अस्पतालों को भी ऐसा करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे पहले ही एक अन्य अस्पताल में ऐसा कर चुके हैं।

जेएन रे अस्पताल ने किया था फैसला

दरअसल, पिछले महीने कोलकाता के मनिकतला के जेएन रे अस्पताल ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में बांग्लादेशी मरीजों का इलाज नहीं करने का फैसला किया था। अस्पताल हम अनिश्चित काल तक किसी भी बांग्लादेशी मरीज को इलाज के लिए भर्ती नहीं करेंगे। तिरंगे के अपमान को लेकर इस अस्पताल ने यह फरमान सुनाया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदूओं का नरसंहार हो रहा है। शेख हसीना के सत्ता से चले जाने के बाद में बांग्लादेश में हिंदूओं को निर्ममता से कुचला जा रहा है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर लूटपाट और बर्बरता की जा रही है। हिंदुओं के प्रतिष्ठानों और घरों को टारगेट किया जा रहा है। बांग्लादेश में इस्कॉन के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से हिंदू समुदाय में और आक्रोश है।

लंबे समय बाद साथ आए ठाकरे बंधु, मुंबई में साथ खड़े दिखे उद्धव और राज ठाकरे, सामने आई तस्वीर

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक पारिवारिक शादी में ठाकरे बंधुओं की मुलाकात हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे मुंबई में एक शादी समारोह में एक साथ नजर आए। राज ठाकरे की बहन जयवंती ठाकरे-देशपांडे के बेटे की शादी समारोह में दोनों भाई साथ दिखे। शादी समारोह में एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे समेत उनका पूरा परिवार एक साथ नजर आया। इस मौके पर आदित्य ठाकरे, अमित ठाकरे, रश्मी ठाकरे भी मौजूद रहे। शादी का आयोजन मुंबई के दादर स्थित राजे शिवाजी विद्यालय में किया गया था। इस बार शादी में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का परिवार मौजूद रहा। शादी में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच कुछ बातचीत भी हुई। हाल ही में राज ठाकरे रश्मि ठाकरे के भतीजे की शादी में शामिल हुए थे।

महाराष्ट्र में अभी हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि 128 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली राज ठाकरे की पार्टी मनसे को एक भी सीट पर किसी भी उम्मीदवार को जीत हासिल करने में सफलता नहीं मिली। दोनों ठाकरे भाइयों के राजनीतिक अस्तित्व पर सवाल खड़ा हुए। इस पृष्ठभूमि में चर्चा शुरू हो गई है कि मुंबई नगर निगम चुनाव से पहले ठाकरे बंधुओं को एक हो जाना चाहिए।

ऐसा कहा जा रहा है कि मराठी भाषी लोग चाहते हैं कि ठाकरे बंधुओं को एक साथ आना चाहिए। विधानसभा चुनाव में मनसे और ठाकरे गुट के आमने-सामने होने के बाद अब मीडिया में दोनों ठाकरे भाइयों राज और उद्धव के एक साथ आने की चर्चा शुरू हो गई है। मनसे और ठाकरे गुट के कुछ जमीनी कार्यकर्ता भी निजी तौर पर इस बारे में बात कर रहे हैं कि दोनों को साथ आना चाहिए। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राज ठाकरे ने भी उद्धव ठाकरे की कड़ी आलोचना की थी। बहरहाल यह सवाल बार-बार उठ रहा है कि अगर मराठी मुद्दे पर ठाकरे बंधु एक साथ आते हैं तो क्या इससे आगामी बीएमसी चुनाव में दोनों को फायदा होगा?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

मन की शांति से बढ़कर..
इस दुनियाँ में कोई दौलत नहीं!

सरकारी डॉक्टरों को निजी प्रैक्टिस न करने की चेतावनी

अपने कर्तव्यों की उपेक्षा न करें : स्वास्थ्य मंत्री

निजामाबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजनरसिम्हा ने जिला अस्पतालों में सरकारी डॉक्टरों द्वारा अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने तथा निजी प्रैक्टिस करने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। रविवार को यहां जिला मुख्यालय पर 38.75 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित एमसीएच और क्रिटिकल केयर इकाइयों का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए राजनरसिम्हा ने कहा कि सरकारी डॉक्टरों की ओर से प्रतिबद्धता की कमी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जब सरकारी सेवा में कार्यरत डॉक्टर अपने कर्तव्यों के अलावा निजी प्रैक्टिस करना चुनते हैं, तो उनके मरीज उपेक्षित हो जाते हैं, जिससे समय पर चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में अक्सर गंभीर चुनौतियां पैदा होती हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर

डॉक्टर अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करते हैं और निजी क्लीनिकों और निजी प्रैक्टिस तक ही सीमित रहते हैं तो सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने सरकारी डॉक्टरों द्वारा निर्धारित सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करने में विफलता पर नाराजगी व्यक्त की। स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे सरकारी अस्पतालों में आने वाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करके निजामाबाद जिले को चिकित्सा सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठाएं।

उन्होंने कहा कि निजामाबाद जिले की चिकित्सा सेवाओं के मामले में बहुत अच्छी प्रतिष्ठा थी और अब भी यदि सभी डॉक्टर और कर्मचारी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करें तो वे इसकी पुरानी प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि उप-केन्द्रों, जिला अस्पतालों तथा सरकारी सामान्य अस्पतालों को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी तथा डॉक्टरों और कर्मचारियों के रिक्त पदों को शीघ्र ही भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार संबंधित क्षेत्रों के लोगों की आवश्यकताओं, दूरी के बोझ तथा अन्य कारकों के आधार पर राज्य में किसी भी संख्या में स्वास्थ्य उप-केन्द्र तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने के लिए तैयार है। इससे पहले उन्होंने रेंजाल मंडल केंद्र में 1.56 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का उद्घाटन किया।

पीवी नरसिम्हा राव बुद्धिजीवी, दूरदर्शी राजनेता थे : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण व धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव से बेहतर कोई दूसरा बुद्धिजीवी, दूरदर्शी और राजनेता नहीं है। पीवी नरसिम्हा राव की 20वीं जयंती (23 दिसंबर) के अवसर पर, मंत्री कोंडा सुरेखा ने देश के लिए उनकी सेवाओं को याद किया। तेलंगाना के बेटे पीवी नरसिम्हा राव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करना हम सभी के लिए गर्व की बात है। मंत्री सुरेखा ने याद किया कि रक्षा, विदेश और गृह मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में पीवी नरसिम्हा राव द्वारा लागू की गई नीतियों और सुधारों ने देश को बदल दिया। पीवी को भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में प्रतिष्ठित किया गया, जिन्होंने देश को वित्तीय संकट से बाहर निकाला, भारत को वैश्विक बाजार से जोड़ा। मंत्री सुरेखा ने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव की आकांक्षाओं के अनुरूप, कांग्रेस पार्टी ने हमेशा जन कल्याण की मांग करते हुए शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव के शब्द कि राष्ट्र राजनीतिक व्यवस्था से बड़ा है, हमेशा लागू होता है।

कांग्रेस नेताओं ने भगदड़ की घटना में अल्लू अर्जुन के खिलाफ आलोचना जारी रखी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेताओं ने लगातार दूसरे दिन फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन की आलोचना जारी रखी। उन्होंने संध्या थिएटर में हुई घटना के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया और अपनी आलोचना को और तेज कर दिया। सिनेमेटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अभिनेता मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से तत्काल और बिना शर्त माफी मांगने को कहा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अल्लू अर्जुन द्वारा मुख्यमंत्री के बारे में गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी करना अनुचित है। कोमाटिरेड्डी ने कहा, मुख्यमंत्री ने किसी को निशाना नहीं बनाया और न ही किसी व्यक्ति के बारे में व्यक्तिगत रूप से कुछ कहा। उन्होंने विधानसभा में संध्या थिएटर की घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना उचित नहीं था। भुवनगिरी के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने अल्लू अर्जुन की आलोचना करते हुए कहा कि अभिनेता को जनता से कोई लगाव नहीं है, उन्हें सिर्फ अपनी फिल्म की कमाई से मतलब है। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है कि अभिनेता ने जिस फिल्म को बनाने में तीन साल लगाए हैं, उसकी सराहना न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दिन थिएटर के बाहर भगदड़ की घटना के बावजूद अभिनेता ने कथित तौर पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से काम किया और पीड़ितों के परिवारों के प्रति कोई चिंता या संवेदना व्यक्त करने में विफल रहे। एक सार्वजनिक व्यक्ति के रूप में, जिम्मेदारी की भावना को बनाए रखना आवश्यक है जो दूसरों पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। कांग्रेस सांसद ने कहा, यह विडंबना है कि अल्लू अर्जुन ने इस घटना के मद्देनजर मुख्यमंत्री की आलोचना की है। कांग्रेस एमएलसी बालमुरी वेंकट ने अल्लू अर्जुन से संध्या थिएटर जैसी दुखद घटनाओं के दौरान सहानुभूति दिखाने का आग्रह किया है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह इस बात का प्रतिबिंब नहीं है कि तेलुगु समुदाय के व्यक्ति अपनी ताकत कैसे प्रदर्शित करते हैं। एमएलसी ने कहा, मुझे शुरू में लगा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस अफसोस की भावना से आयोजित की गई थी। हालांकि, उनके लिए इसके विपरीत बयान देना अनुचित था। उन्होंने कहा कि उस दिन थिएटर से अल्लू अर्जुन के जाने के आसपास की परिस्थितियों को दर्शाने वाले कई वीडियो हैं। हालांकि, उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह दावा करके तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया कि उन्हें अगले दिन तक महिला की मौत के बारे में पता नहीं था। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सरकारी सचेतक आदी श्रीनिवास ने टिप्पणी की कि अल्लू अर्जुन के व्यवहार में पश्चाताप के कोई लक्षण नहीं दिखे। इसके अलावा, कांग्रेस विधायक ने तेलंगाना विधानसभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों की कथित गलत व्याख्या के बारे में अल्लू अर्जुन के आक्रोश का उल्लेख किया, तथा इस बात पर जोर दिया कि रेवती के परिवार के प्रति सहानुभूति का अभाव था।

आसिफाबाद में कल्याण अधिकारी निलंबित

कुमराम भीम आसिफाबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बी.सी. छात्रावास के एक कल्याण अधिकारी को कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने और बेजुर मंडल के एक छात्र की मौत के लिए निलंबित कर दिया गया। कलेक्टर वेंकटेश दोथरे ने शनिवार को इस आशय का आदेश जारी किया।

आदेश के अनुसार, कल्याण अधिकारी निखत तरन्नुम को डिप्लोमा इन एजुकेशन कोर्स द्वितीय वर्ष की छात्रा थोर्रम वेंकट लक्ष्मी के उपचार में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

वेंकट लक्ष्मी (19) की शुक्रवार को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद छात्रावास में मौत हो गई। उसे दोपहर में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और शाम तक उसे छुट्टी दे दी गई, हालांकि बाद में उसकी मौत हो गई। वह बेजुर मंडल के अंदुगुलागुडा गांव की रहने वाली थी। जिले में 25 दिनों के अंतराल में यह दूसरी छात्रा की मौत थी।

संध्या थिएटर में हुई घटना का वीडियो जारी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी को लेकर उठे विवाद की पृष्ठभूमि में, हैदराबाद पुलिस ने 10 मिनट का एक वीडियो जारी किया है, जिसमें संध्या 70 एमएम थिएटर में उस दिन की घटनाओं का विवरण दिया गया है। वीडियो में 4 दिसंबर को घटी घटनाओं का विवरण दिया गया है, जब अल्लू अर्जुन अपने परिवार के साथ पुष्पा-2 फिल्म के प्रीमियर शो के लिए थिएटर पहुंचे थे। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि पुलिस ने थिएटर प्रबंधन को पहले ही सूचित कर दिया था कि स्थिति अनियंत्रित होने और भगदड़ मचने की संभावना के कारण अभिनेता को थिएटर में आमंत्रित नहीं किया जाना चाहिए। आनंद ने कहा कि मैं मामले की प्रगति के बारे में कुछ नहीं कह सकता। फिलहाल, हमने टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से फुटेज एकत्र करने के बाद 10 मिनट का एक वीडियो तैयार किया है। वीडियो में अभिनेता की सुरक्षा टीम को थिएटर के अंदर लोगों और अनियंत्रित भीड़ को धक्का देते हुए दिखाया गया है।

रेप के आरोपी, पुलिस पर हमला

कथित बलात्कार पीड़िता के रिश्तेदारों ने किया हमला आदिलाबाद में जला दिया घर

आदिलाबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुडीहाटनूर गांव में उस समय हिंसा भड़क उठी जब एक युवती के रिश्तेदारों ने कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ यौन उत्पीड़न किए जाने के संदिग्ध व्यक्ति के घर पर हमला कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर भी हमला किया और अपहरण के संदिग्ध के घर और दो पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया। इस हमले में एक सर्किल इंस्पेक्टर समेत कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक युवक ने एक युवती को कथित तौर पर अगवा कर लिया और उसे अपने घर में बंधक बना लिया। उसने कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया और जब युवती के रिश्तेदारों को इस बारे में पता चला तो वे उसके घर पहुंचे और उस पर हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बेहोश व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस दौरान संदिग्ध के घर में आग लगा दी गई और दो पुलिस वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। घटना में इचोदा के सर्किल इंस्पेक्टर भीमेश और अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए।

डकैती का पर्दाफाश किया, 4 गिरफ्तार

चोरी की संपत्ति बरामद

वनपर्थी, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेब्बायर के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुई सनसनीखेज डकैती के 4 दिन बाद, वनपर्थी पुलिस डकैतों की पहचान करने में सफल रही और 'पारदी गिरोह' के 4 सदस्यों को गिरफ्तार कर लूटे गए सोने के आभूषण बरामद किए। डकैती की यह घटना 18 दिसंबर को बेंगलुरू को हैदराबाद से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर हुई, जब तिरुमाला से लौट रहे तीर्थयात्रियों के एक समूह ने एक विश्राम स्थल के पास राजमार्ग पर अपनी कार रोकी। जब डकैत गिरोह ने हमला किया, तब कार में बैठे लोग सो रहे थे। पहले तो उन्होंने गाड़ी के ऊपर बंधा सामान निकाल लिया और सूटकेस को पास के खेतों में ले गए, लेकिन उन्हें सामान में कोई कीमती सामान नहीं मिला। इसके बाद डकैत वापस गाड़ी के पास आए और पाया कि कार में बैठे लोग अभी भी सो रहे हैं। उन्होंने पत्थरों का इस्तेमाल करके विंडस्क्रीन और साइड विंडो को

तोड़ दिया और जी रजनी, बी प्रवीण, संतोष, पुट्टा श्रीकांत और पांच अन्य पर हमला किया और उनके सोने के गहने और अन्य कीमती सामान लूट लिए। जब कार चालक ने उनका पीछा करने की कोशिश की, तो उन्होंने उस पर हमला कर दिया और मौके से भाग गए। यह डकैती 18 दिसंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह 2.50 बजे के आसपास हुई।

डकैत गिरोह के भंडाफोड़ की घोषणा आईजी जी सत्यनारायण और जिला एसपी आर गिरिधर ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। दिलचस्प बात यह है कि डकैती व्यस्त एनएच-44 पर हुई, जबकि वहां से गाड़ियां तेजी से गुजर रही थीं। अपराधियों में से दो गन्ने से लदे दो ट्रैक्टरों को ले-बाय रोड पर पार्क करके अपने संभावित शिकार का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, वे दो अन्य कारों पर हमला नहीं कर सके, क्योंकि उनमें पुरुष यात्री जाग रहे थे। दुर्भाग्य से, पीड़ितों की कार, जो तिरुमाला और अरुणाचलम से जगतियाल जा रही थी, एक अर्टिगा कार थी, इस विश्वास के साथ ले-बाय में रुकी थी कि वहां खड़े गन्ने से लदे ट्रैक्टर उन्हें कुछ सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। कार सवारों ने बाहर आराम किया और बाद में कार में ही सो गए। शुरूआत में, पास के खेतों में इंतजार कर रहे दो ट्रैक्टर चालकों और उनके साथियों ने अर्टिगा की छत पर बंधे सूटकेस चुरा लिए, लेकिन उन्हें कोई कीमती सामान नहीं मिला। जब वे वापस लौटे तो पाया कि कार में बैठे लोग अभी भी सो रहे थे और उन्होंने पास में मिले ग्रेनाइट पत्थरों से कार पर हमला कर दिया।

उन्होंने कार में सवार पुरुष सदस्यों के साथ बेरहमी से मारपीट की और सभी सोने के आभूषण छीनकर वहां से भाग गए। दिलचस्प बात यह है कि गिरोह में शामिल दो ट्रैक्टर चालक भी बिना किसी नुकसान के अपने वाहनों में वापस आ गए और वहां से भाग गए। जब मामले की सूचना मिली तो वनपर्थी पुलिस इस बात से हैरान थी कि डकैती किस तरह से की गई और उसने ले-बाय रोड पर खड़े ट्रैक्टरों पर ध्यान केंद्रित किया। सावधानीपूर्वक योजना बनाकर उन्होंने अपराधियों का पता लगाया और उनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया, जिनमें महाराष्ट्र के टेंभापुरी के बद्री गजानन पिंपले, परली के श्रीराम शिवाजी शिंदे, बीड के सचिन संतोष शिंदे और बीड के सैयद फिरोज महेताब शामिल थे। उनके दो साथी संतोष पांडुरन काले और संजय पोवार अभी भी फरार हैं।

पीवी नरसिम्हा राव की सेवा अविस्मरणीय : सीएम

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि बहुभाषी विद्वान, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य करने वाले दिवंगत पामुलपर्थी वेंकट नरसिम्हा राव की सेवाएं अविस्मरणीय हैं। रेवंत रेड्डी ने उनके जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सुधारों के साथ देश की आर्थिक प्रगति को दिशा देने का श्रेय उन्हें जाता है।

नागरिक भी समाज के प्रति जिम्मेदार : डीजीपी जीतेंद्र

करीमनगर, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी जीतेंद्र ने आज कहा कि नागरिक होने के नाते सभी को समाज के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए। सनसनीखेज संध्या थिएटर घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए डीजीपी ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत रूप से वे किसी के खिलाफ नहीं हैं।

करीमनगर जिले के कोत्तापल्ली में भरोसा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि संध्या थिएटर घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और वे अभिनेता अल्लू अर्जुन के खिलाफ नहीं हैं। हमने कानून के मुताबिक उनके खिलाफ कार्रवाई की है। नागरिकों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

फिल्म का प्रचार लोगों की सुरक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। हमने पत्रकार पर हमले के सिलसिले में अभिनेता मोहन बाबू के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। तेलंगाना सरकार की पहल के कारण ही हम भरोसा केंद्र स्थापित कर रहे हैं।

दूसरे राज्यों से अधिकारी आकर केंद्रों का दौरा कर रहे हैं। इससे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ेगी। अगर महिलाओं को कोई समस्या है तो वे केंद्र में आ सकती हैं। यहां एक कानूनी विशेषज्ञ और एक डॉक्टर मौजूद रहेंगे। किसी भी तरह की समस्या का समाधान किया जाएगा।

सरकार तेलंगाना के अस्तित्व को नुकसान पहुंचा रही है : कविता

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी कलवकुंतला कविता ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना के अस्तित्व को नुकसान पहुंचा रही है और कहा कि तेलंगाना समुदाय को एकजुट होकर सरकार के इस कदम को रोकने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया, रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना की मां से बतुकम्मा को छीन लिया है। तेलंगाना की महिलाओं और त्योहारों का अपमान किया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की मां सभी की मां की तरह है और लोगों से मां की रक्षा करने का आह्वान किया। एमएलसी कविता ने बीआरएस पार्टी और तेलंगाना जागृति एनआरआई विंग द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन बैठक में कई देशों में रहने वाले तेलंगाना के लोगों से बात की। इस अवसर

पर बोलते हुए एमएलसी कविता ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में एनआरआई द्वारा निभाई गई भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, तेलंगाना की मां ने हमें प्रेरित किया, भले ही आंदोलन के दौरान उनका बहुत उपहास किया गया। तेलंगाना की मां को कार्यकर्ताओं, कवियों और कलाकारों ने मिलकर आकार दिया और यह अपमानजनक है कि कांग्रेस सरकार ने ऐसी मां का स्वरूप बदल दिया है। उन्होंने कहा कि आंदोलन की तेलंगाना मां के लिए एक और संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन की तेलंगाना मां के प्रति प्रेम के कारण कई गांवों से प्रतिमा स्थापित करने के लिए अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई तेलंगाना मां पर एक राजपत्र जारी किया गया और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई। उन्होंने पूछा, क्या आपके पास भारत माता, अंबेडकर और गांधी की मूर्तियों के लिए राजपत्र है? एनआरआई नेताओं ने कहा कि एमएलसी कविता ने बथुकम्मा उत्सव को वैश्विक मान्यता दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा, हम तेलंगाना के अस्तित्व पर कांग्रेस सरकार के हमले का भी हिस्सा होंगे। हम दुनिया भर के विभिन्न मंचों पर कांग्रेस सरकार को बेनकाब करेंगे और अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि वे आंदोलन की जननी तेलंगाना को बचाने में अपना योगदान देंगे।

फिल्म विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष अनिल कुर्माचलम, जागृति राज्य के नेता नवीन अचारी, विभिन्न देशों के बीआरएस पार्टी के नेता, जागृति नेता ज्योति मुद्दम, नवीन रेड्डी, नागेंद्र रेड्डी, सुमन बालमुरी, नागराजू गुरला, कल्याण कासुगंती, नंदिनी, अनिल श्रीकर, शेखर, किशोर, प्रभाकर, संपत, रवि दन्नापुनेनी, हरि प्रसाद, स्वेता, आदर्श, सुकृति और अन्य ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

समग्र शिक्षा कर्मचारियों ने बोनम के साथ निकाली अनोखी विरोध रैली

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी सेवाओं को नियमित करने की मांग को लेकर समग्र शिक्षा कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन रविवार को 13वें दिन में प्रवेश कर गया, जिसमें कई कर्मचारियों, विशेषकर महिलाओं ने बशीरबाग स्थित हैदराबाद डीईओ कार्यालय से बोनम (देवी को अर्पित किया जाने वाला भोजन) के साथ एक अनूठी रैली का आयोजन किया।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने देवी से प्रार्थना की कि वे उनके मुद्दे पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के रुख को बदलें और इसे जल्द से जल्द हल करें। कर्मचारियों के अनुसार विधानसभा चुनाव के दौरान रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने पर 100 दिन के भीतर 19,000 समग्र शिक्षा कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, सरकार बनने के एक साल बाद भी इस आश्वासन पर अमल नहीं हो पाया। इससे पहले स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से बातचीत की थी। हालांकि, बातचीत बेनतीजा रही। कर्मचारी न्यूनतम समय वेतनमान की भी मांग कर रहे हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई

नकली दवाइयां, भ्रामक दावे उजागर

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने शनिवार को भ्रामक विज्ञापनों के साथ बेची जा रही दवाओं और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ छापेमारी की। विश्वसनीय सूचना के आधार पर मेडचल-मलकाजगिरी जिले के मुदुचिंतलपल्ली गांव में ए. नवीन रेड्डी नामक एक झोलाछाप डॉक्टर के परिसर पर छापा मारा गया, जो 'स्वप्ना क्लिनिक' नाम से अपने क्लिनिक में बिना उचित योग्यता के चिकित्सा का अभ्यास कर रहा था। वहां बिना ड्रग लाइसेंस के 38 प्रकार की दवाएं, जिनमें एंटीबायोटिक्स, मधुमेह रोधी दवाएं, उच्च रक्तचाप रोधी दवाएं आदि शामिल थीं, जब्त की गईं। शमीरपेट के औषधि निरीक्षक बी. प्रवीण ने छापेमारी की और स्टॉक जब्त कर लिया, जिसमें चिकित्सकों के नमूने भी शामिल थे, तथा क्लिनिक में कई एंटीबायोटिक्स भी पाए गए। इस बीच, डीसीए अधिकारियों ने बाजार में कुछ ऐसी दवाइयों का भी पता लगाया, जिनके लेबल पर भ्रामक दावे किए गए थे, जिसमें कहा गया था कि वे 'गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट के अल्सर' और 'मासिक धर्म के विकारों' का इलाज करती हैं। ऐसे दावे औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि शबद के औषधि निरीक्षक के. अन्वेश और मेडचल की औषधि निरीक्षक बी. मौनिका के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने जठरांत्र संबंधी मार्ग के अल्सर और मासिक धर्म प्रवाह के विकारों के उपचार के लिए भ्रामक दावों वाले कई उत्पादों का पता लगाया और उन्हें जब्त कर लिया, जो कि औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत प्रतिबंधित है। तेलंगाना के डीसीए महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि जनता आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्षेत्रों में मादक दवाओं और मनोवैज्ञानिक पदार्थों सहित दवाओं से संबंधित किसी भी संदिग्ध विनिर्माण गतिविधि की रिपोर्ट कर सकती है, साथ ही दवाओं से संबंधित अवैध गतिविधियों के बारे में कोई भी अन्य शिकायत टोल-फ्री नंबर 1800-599-6969 के माध्यम से कर सकती है, जो सभी कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक चालू है।

उपद्रवियों ने मंदिर में की तोड़फोड़

हनुमानजी की मूर्ति तोड़ी, तनाव

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात लोगों ने शनिवार देर रात मोइनाबाद में एक मंदिर में कथित तौर पर तोड़फोड़ की और हनुमान की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस के अनुसार, उपद्रवियों ने मोइनाबाद के तुलकाट्टा गेट स्थित मंदिर परिसर में प्रवेश किया और मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना रविवार सुबह तब प्रकाश में आई जब स्थानीय लोगों ने इस पर ध्यान दिया और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके को सील कर दिया। सुराग टीम मौके पर पहुंच गई है और अपराधियों की पहचान करने में पुलिस की मदद कर रही है। पुलिस मामले को सुलझाने के लिए सुराग जुटाने के लिए आसपास के क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

कन्नौज रेप केस

आरोपी पूर्व सपा नेता का होटल जब्त, अखिलेश यादव का माना जाता था बेहद करीबी

कन्नौज, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद समाजवादी पार्टी नेता नवाब सिंह का होटल पुलिस ने शनिवार को जब्त कर लिया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में डुगडुगी बजवाकर होटल को सील कर दिया गया। इससे पहले इस रेप केस के सामने आने के बाद जमकर सियासी बयानबाजी हुई थी। सीओ सिटी कमलेश कुमार ने बताया कि नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी नवाब सिंह यादव पर गैंगस्टर एक्ट की धाराओं में कार्रवाई की गई थी, जिसके बाद उनकी संपत्तियों को खंगालने का काम किया जा रहा है।

होटल चंदन को उन्होंने कमाई के अवैध स्रोतों से बनवाया था जिस कारण धारा 14 (1) के तहत इस संपत्ति को जब्त किया गया है। नवाब सिंह यादव का होटल कन्नौज के तिर्वा में राजकीय मेडिकल कॉलेज के पास है। भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारियों ने होटल कर्मचारियों को बाहर निकाल कर उसे सील करवा दिया और डुगडुगी बजवाते हुए होटल को जब्त किए जाने का ऐलान कराया। उल्लेखनीय है कि सपा सरकार के दौरान नवाब सिंह यादव को मिनी सीएम के नाम से जाना जाता था।

भेज दिया गया था जेल

वह अखिलेश यादव के बेहद करीबी भी रहे। नवाब सिंह यादव के खिलाफ 11 अगस्त 2024 की रात 15 वर्षीय एक किशोरी ने डायल 112 पर कॉल कर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने नसरापुर गांव स्थित उनके चौधरी चंदन महाविद्यालय में एक महिला और किशोरी के साथ आपत्तिजनक हालत में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। गत 12 अगस्त को उन्हें जेल भेज दिया गया।

'बीजेपी ने जीएसटी को सांप-सीढ़ी का खेल बनाया'

अखिलेश यादव ने जीएसटी काउंसिल मीटिंग पर कसा तंज

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक राजस्थान के जैसलमैर में हुई। इस दौरान जीएसटी को लेकर कई फैसले लिए गए। वहीं जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-भाजपा ने जीएसटी को साँप-सीढ़ी का खेल बनाकर रख दिया है। कभी किसी आइटम पर अचानक जीएसटी बढ़ा देते हैं, कभी अपने चंदादायी समर्थकों के मुनाफे के लिए घटा देते हैं। इससे ईमानदार व्यापारियों-अधिकारियों में भी असमंजस पैदा होता है जिसका लाभ भ्रष्टाचारी उठाते हैं। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आगे लिखा- कारोबारी तो यहाँ तक कहते सुने गये हैं कि भाजपावाले जीएसटी की दरों में बार-बार बदलाव करके अनिश्चितता का वातावरण बनाए रखना चाहते हैं जिससे उन्हें छोटे व्यापारियों, दुकानदारों से वसूली का मौका मिलता रहे। इसीलिए व्यापारी जब तक जीएसटी की एक बात समझते हैं, तब तक सरकार नियम बदल देती है।

क्या बोली कांग्रेस

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रीया श्रीनेत ने कहा कि जीएसटी - गब्बर सिंह टैक्स का एक और वार, पॉपकॉर्न पर अब 18% जीएसटी देना होगा। पुरानी कार बेचने पर 18% जीएसटी लगेगा, अब संसद के अगले सत्र में सुनाई देगा मैं पॉपकॉर्न वॉपकॉर्न नहीं खाती, मैं तो चमचमाती सरकारी गाड़ी से चलती हूँ, मुझे पुरानी गाड़ी से क्या वैसे निर्मला जी, एक सुझाव है, यह सैलरी वैलरी का क्या ढोंग करना, पूरी तो रख ही लेती हैं आप, आगे से बस पॉकेट मनी दे दिया कीजिए- खैर बचता तो वो भी नहीं है!

ओपी राजभर ने बीजेपी को दिया समर्थन बोले- 'वंचित समाज को है कांग्रेस और सपा से सबसे ज्यादा खतरा'

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर भाजपा को घेर रही कांग्रेस व सपा पर एनडीए के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व राज्य सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सियासी हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि पिछड़ा वर्ग व वंचित समाज का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सपा ने 2012 के विधानसभा चुनाव से पहले बयान दिया था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो डा। भीमराव आंबेडकर पार्क को तोड़कर वहां पर शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। लखनऊ के गौतम पल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस डा। आंबेडकर की सबसे बड़ी विरोधी है। कांग्रेस ने ही उन्हें चुनाव हराने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बाबा साहब के बनाए संविधान की धज्जियां उड़ाकर कांग्रेस ने देश में इमरजेंसी लगाई थी। केंद्रीय गृह मंत्री को लेकर मायावती के बयान पर राजभर ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है।

सपा विधायक का विवादित बयान

बीजेपी सरकार को बताया हिंदू आतंकवादी संगठन

बाराबंकी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी विधानसभा से समाजवादी पार्टी विधायक सुरेश यादव उर्फ धर्मराज यादव ने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ आग उगल दी है। विधायक सुरेश यादव बाराबंकी जिले की सदर विधानसभा से सपा के विधायक है जिन्होंने विवादित बयान देकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने भाजपा सरकार को 'हिंदू आतंकवादी संगठन' बता दिया है। बाराबंकी जिले की सदर विधायक सुरेश यादव उर्फ धर्म राज यादव का यह बयान उस समय आया जब वे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान के खिलाफ जिला मुख्यालय स्थित गन्ना संस्थान परिसर में आयोजित भाजपा विरोध प्रदर्शन में सपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। जानकारी देते चले कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दिए बयान के खिलाफ

चल रहे इस विरोध प्रदर्शन में जिले के सभी सपा जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायक सुरेश यादव ने कहा कि यह भाजपा सरकार-सरकार नहीं, बल्कि हिंदू आतंकवादी संगठन है, जो देश को बर्बाद करना चाहती है। समाजवादी पार्टी इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। गन्ना संस्थान परिसर में आज जब विरोध प्रदर्शन हो रहा था तो वहां रामनगर से सपा विधायक फरीद महफूज किदवई सपा एमएलए गौरव रावत और समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज भी मौजूद थे।

वाराणसी में तैनात दरोगा के खिलाफ हरदोई में मामला दर्ज

हरदोई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हरदोई में एक यूपी पुलिस के दरोगा के खिलाफ युवती से शारीरिक शोषण का मामला दर्ज किया गया है। बताया गया दरोगा ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवती से दोस्ती की। बात आगे बढ़ी तो अलग अलग होटलों और परिचितों के रूम में युवती को बुलाकर उसके साथ शारीरिक शोषण किया, बाद में किसी अन्य युवती से शादी कर ली, जिसके बाद पीड़िता ने मामले की शिकायत की, अब एसपी के आदेश पर शहर कोतवाली में दरोगा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी एक 28 वर्षीय युवती ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए उसका संपर्क वाराणसी जनपद के लंका थाने में तैनात उपनिरीक्षक आशीष कुमार यादव से हुआ था। महिला के मुताबिक आशीष ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया।

उन्नाव के शहीद आरक्षी विजय कुमार को मरणोपरांत गैलंट्री अवार्ड

गृहमंत्री अमित शाह ने पत्नी को सौंपा

उन्नाव, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 42वीं बटालियन के शहीद आरक्षी सामान्य विजय कुमार को उनके शौर्य और बलिदान के लिए मरणोपरांत भारत सरकार द्वारा गैलंट्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें एसएसबी के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा दिया गया। विजय कुमार ने अपनी जान की आहुति जम्मू और कश्मीर में आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी के दौरान दी थी, जब उन्हें उग्रवादियों के हमले में शहीद होने का दुर्भाग्य प्राप्त हुआ। जानकारी के अनुसार शहीद आरक्षी सामान्य विजय कुमार उन्नाव जिले के गांव रावतपुर, सिकंदरपुरकरण थाना-बघापुर के निवासी थे। उनका बलिदान देश की सुरक्षा में किए गए अतुलनीय योगदान को दर्शाता है। वह 42वीं बटालियन के सदस्य थे और अपनी पोस्ट ड्यूटी के दौरान जम्मू और कश्मीर के संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात थे। जब वे अपनी ड्यूटी पर थे, तब उग्रवादियों ने उन पर हमला किया और उनकी सिर में गोली लगने के कारण उनकी शहादत हो गई।

मरणोपरांत गैलंट्री अवार्ड से नवाजा

विजय कुमार की वीरता और शहादत को न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे देश ने सम्मानित किया है। मरणोपरांत उन्हें गैलंट्री अवार्ड से नवाजा गया, जो उनके शौर्य और वीरता को मान्यता देने के रूप में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवार्ड को उनकी पत्नी प्रतिभा कुमारी को सौंपा गया, जो इस समय अत्यधिक दुख और गर्व के बीच खड़ी थीं। यह सम्मान उन्हें एसएसबी के 61वें स्थापना दिवस परेड के दौरान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा प्रदान किया गया।

सीएम योगी ने सुनीं 300 लोगों की फरियाद

जनता दर्शन में बोले-भू-माफियाओं पर लें कड़ा एक्शन, पैसों की कमी से न रुके किसी का इलाज

गोरखपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दो दिनों के दौरे पर गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाया। इस दौरान दूर-दराज से अपनी समस्याएं लेकर आए लोगों की सीएम ने फरियाद सुनी और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया। जनता दरबार में करीब 300 लोग फरियाद लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री एक-एक कर सभी के पास गए और इत्मीनान से उनकी समस्या सुनीं। सीएम ने फरियादियों के प्रार्थना पत्र लेकर वहां मौजूद अधिकारियों को सौंपा और साथ ही तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में पुलिस और जमीनी विवाद से जुड़े मामले अधिक देखने को मिले। इसपर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी गरीब जमीन और मकान किसी भी हालत में कब्जा न होने पाए। उन्होंने भू-माफियाओं पर अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जनता दर्शन में पहुंचे कई लोगों ने गंभीर बीमारियों से जूझ रहे अपने परिजनों के इलाज के लिए मदद मांगी। जिसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसों के अभाव में किसी का भी इलाज नहीं रुकना चाहिए। आप लोग अस्पताल से इलाज के खर्च का इस्टीमेट बनवाकर दीजिए, जो भी खर्च आएगा वो सरकार देगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सुबह नित्य कर्म के बाद सबसे पहले गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन किया। साथ ही अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेक उनका आशीर्वाद लिया। फिर सीएम मंदिर भ्रमण पर निकल गए। इस दौरान वे गोरखनाथ मंदिर स्थित गोशाला पहुंचे और यहां उन्होंने गोसेवा की। इसके अलावा उन्होंने भीम सरोवर में बत्तखों को दाना खिलाया, साथ ही अपने कुत्तों को भी बिस्किट खिलाकर उन्हें भी दुलारा।

वाराणसी में लूटः बदमाशों ने पिता-पुत्र को मारी गोली

वाराणसी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के कमच्छा तिराहे के समीप रविवार की अलसुबह कैंट स्टेशन से स्कूटी से घर जा रहे दीपक सोनी (46) और उनके बेटे आर्यन (18) को गोली मार कर कार सवार बदमाशों ने 130 ग्राम सोना लूट लिया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भिजवाया है। आर्यन के बाएं पैर में और दीपक के पीठ में गोली लगी है। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सूचना पाकर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, डीसीपी काशी जोन एसीपी भेलूपुर, इंस्पेक्टर भेलूपुर, लंका थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। इसके बाद ट्रॉमा सेंटर जाकर घायलों से घटना के बारे में पूछताछ किया। कार सवार बदमाशों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज की मदद से क्राइम ब्रांच और भेलूपुर थाना की फोर्स जुटी है। कार सवार वापस रथयात्रा की तरफ से होकर भाग निकले हैं।

सीबीआई पूछताछ के बाद डाककर्मी ट्रेन के आगे कूदाःसुसाइड नोट में लिखा-अफसरों ने फंसाया

बुलंदशहर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर में डाक कर्मी ने सुसाइड कर लिया। उप डाकपाल ढाई करोड़ के गबन के आरोप में सस्पेंड चल रहा था। शनिवार को सीबीआई ने उनसे पूछताछ की। रविवार सुबह ट्रेन के आगे कूद गए। 28 साल के राहुल कुमार ने मरने से पहले सुसाइड नोट भी लिखा। इसमें खुद को बेकसूर बताया है। सीनियर अफसरों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। नोट में लिखा- सीनियर अफसरों के महिलाओं से संबंध थे, जिसका पता उसे चल गया था। मामला सिटी कोतवाली के गिरधारी नगर स्थित रेलवे लाइन का है।

उप डाकपाल से पहले डाकघर अधीक्षक ने किया था सुसाइड

इस मामले में यह दूसरा सुसाइड है। इससे पहले, इसी साल 21 जुलाई को बुलंदशहर प्रधान डाकघर के अधीक्षक टीपी सिंह ने सुसाइड कर लिया था। उन्होंने अलीगढ़ में अपने घर पर खुद को गोली मारी थी। सीबीआई ने एक दिन पहले यानी 20 जुलाई को करप्शन के आरोप में डाकघर पर छापेमारी की थी। टीपी सिंह ने मरने से पहले एसएसपी अलीगढ़ को सुसाइड नोट भेजा था। इसमें लिखा था- मैंने 16 दिसंबर, 2021 को डाकघर अधीक्षक बुलंदशहर का कार्यभार ग्रहण किया था। इसके बाद से मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रताड़ित करने वालों में सुरेश कुमार निवासी सैदपुर बुलंदशहर, मनोज तत्कालीन उप डाकपाल (वर्तमान में उप डाकपाल नारहट, ललितपुर), योगेंद्र सिंह पूर्व मेल ओवरसियर, बनवारी लाल पूर्व मेल ओवरसियर और उनके तीन बेटे अरुण, वरुण और टेकचंद शामिल हैं।

बरेली में मुठभेड़ में दौरान बदमाश गिरफ्तार

बरेली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली में महिला अधिवक्ता के पति और उनके परिवार के अन्य लोगों पर जानलेवा हमला और फायरिंग करने के आरोपी लालू पटेल को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। बारादरी पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। इस मामले में बारादरी थाने में 11 नामजद और 8-10 के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। बारादरी इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि 8 दिसंबर को जोगी नवादा क्षेत्र में ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। जिसमें अधिवक्ता रीना के पति लखन राठौर, देवर सूरज राठौर व प्रेम पाल राठौर को जान से मारने की नीयत से तमंचा से फायरिंग करते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने पुलिस की कई टीमों का गठन किया था। जिसमें पुलिस ने घटना में शामिल शातिर अपराधी लालू पटेल उर्फ शिवराज पुत्र प्रेमपाल निवासी बैंसपुर गुलड़िया थाना इज्जतनगर हाल निवासी गोल गेट के पास दुर्गानगर थाना बारादरी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

बिहार में मौसम फिर मारेगा पलटी, नए साल से पहले झमाझम बारिश देगी दस्तक

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में सुबह और रात के समय लोगों को कपकपाती ठंड का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सुबह के समय घने कोहरे से भी परेशानी हो रही है। लेकिन दोपहर के समय धूप निकलने से ठंड से राहत मिल रही है।इसी बीच मौसम विभाग ने 27 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से छह जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। समस्तीपुर के पुसा में सबसे कम 7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा तो वहीं मधुबनी में सबसे ज्यादा 29.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

इन जिलों में होगी बारिश

27 दिसंबर से पश्चिमी हिमाचल क्षेत्र व उसके आसपास के मैदानी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने के आसार है। जिसकी वजह से बिहार के रोहतास, अरवल, कैमूर, बक्सर, औरंगाबाद और भोजपुर में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने की संभावना है। बारिश की बाद तापमान में गिरावट हो सकती है।

जेट स्ट्रीम का अभी नहीं दिखा असर

बिहार में जेट स्ट्रीम की आशंका जताई जा रही थी। लेकिन मौसम विभाग ने अभी 5 दिन तक इसका असर न पड़ने की संभावना जताई है। यानि अभी फिलहाल ज्यादा ठंड नहीं बढ़ने वाली है। पटना समेत प्रदेश के सभी जिलों में अधिकतम तापमान 24 से 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने वाला है। इसके अलावा न्यूनतम तापमान 8 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल 26 दिसंबर तक प्रदेश के कुछ शहरों में कोहरा छाया रह सकता है। लेकिन शीत लहर जैसी मौसमी परिस्थितियों की अभी गुंजाइश न के बराबर है। हालांकि बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना जताई जा रही है। लेकिन फिलहाल मौसम विभाग का इसपर कोई अपडेट नहीं है। यानि 5 दिनों तक राहत रहने वाली है। राजधानी पटना की अगर बात करें तो यहां आज मौसम साफ रहने वाला है। यहां आज न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने तेजस्वी पर कसा तंज, कहा- 'राजनीति में पिटे हुए शहजादे हैं'

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दूसरों के किस्मत की कुंडली बांचने वाले तेजस्वी यादव की एकमात्र योग्यता पूर्व मुख्यमंत्रियों का पुत्र होना है। लोगों ने देखा है कि किस प्रकार अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को नजरअंदाज कर लालू यादव ने दो-दो बार उपमुख्यमंत्री बनवाया है। वे पांच अहम विभागों के मंत्री रहे, लेकिन उपलब्धि के नाम पर जीरो पर आउट हो गए। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2020 में राजद को चंद सीटों का फायदा क्या हो गया वो खुद को जननेता मान बैठे। उसके बाद हुए हर चुनाव में वे फेल हुए हैं। इसलिए, आज उनकी हालत बिहार की राजनीति में पिटे हुए शहजादे जैसी हो चली है। बिहार की जनता ने देखा है कि जब ये लोग सरकार में रहे हैं तब सत्तपोषित अराजक तत्त्वों ने शासन के दुरुपयोग से लेकर अपराध, अपहरण और आतंक का कैसा खुला प्रदर्शन किया है। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि अगर तेजस्वी को अपनी राजनीतिक जमीन बचानी है तो रचनात्मक राजनीति के रास्ते पर चलने का प्रयास करना चाहिए। अन्यथा आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी और उनकी पार्टी की हालत 2010 से भी बुरी हो जाएगी। उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार वरिष्ठ नागरिकों के बीमा कर (जीएसटी) को संशोधित कर राहत देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। राजस्थान के जैसलमेर में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक के बाद चौधरी ने कहा कि कई राज्यों के वित्त मंत्रियों ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए समूह बीमा (ग्रुप इंश्योरेंस) या व्यक्तिगत बीमा (इंडिविजुअल इंश्योरेंस) पर कर कम करने के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को बीमा पर कर में राहत देने के लिए हम एक और बैठक कर इस मुद्दे पर विस्तार से विचार कर अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को देंगे। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए वय वंदन योजना शुरू की और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष या इससे अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड की जारी करने की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 55वीं जीएसटी परिषद बैठक में बुजुर्गों का बीमा कर न्यूनतम करने पर विमर्श किया गया।

'पत्नी से दुष्कर्म किया, करोड़ों की जमीन हड़पी और धमकाया' बीजेपी विधायक और उनके भाई सहित 16 लोगों पर एफआईआर

बदायूं, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बदायूं की बिल्सी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक हरीश शाक्य और उनके भाई सहित 16 लोगों के खिलाफ सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज किया गया है। इन लोगों पर यौन उत्पीड़न, फर्जी मुकदमे में फंसवाने और करोड़ों की जमीन हड़पने के आरोप हैं। सीजेएम सेकेंड कोर्ट ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। पुलिस को 10 दिन में आदेश का पालन कर रिपोर्ट सौंपने का भी आदेश मिला था। इसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित ने एसीजेएम-2 की अदालत में न्याय की गुहार लगाई थी। कोर्ट ने पुलिस को मामला दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। वहीं, विधायक का कहना है कि उनके खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा है।

क्या है मामला?

बिल्सी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक हरीश शाक्य और उनके दो भाइयों सहित कुल 16 लोगों पर ललित नाम के व्यक्ति ने आरोप लगाया है। आरोप है कि विधायक और उनके साथियों ने उसकी जमीन हड़पने को लेकर उसे प्रताड़ित किया। पीड़ित ने बताया विधायक से 80 लाख रुपया बीघा जमीन का रेट तय हो गया था। हमारी कुल 17 बीघा जमीन की बात हुई, लेकिन वह जबरदस्ती जमीन का एग्रीमेंट करवाना चाह रहे थे। मना करने पर उन लोगों ने घर पर बुला कर मेरी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी कि तेरे ऊपर पुलिस से फर्जी केस दर्ज कराऊंगा और जेल भिजवा दूंगा। पीड़ित ने इस आशय का एक प्रार्थना पत्र न्यायलय में दिया जिसपर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय ने एक आदेश जारी करते हुए थाना सिविल लाइन को यह आदेश दिया की सुसंगत धाराओं मे मामला दर्ज कर जांच करे और दस दिन मे कोर्ट को पूरी कार्रवाई से अवगत करायें। वहीं पीड़ित की मां कहना है कि विधायक को प्रॉपर्टी नहीं मिलने से उसने हमारा जीना हराम कर दिया पिछले दो वर्ष से यह लोग हमारे पीछे पड़े हैं विधायक ने तो हमको सब तरह से खो दिया। हमारी इज्जत और हमारी सम्पति सब तरह से हमें तबाह कर दिया।

चंदौसी में दूसरे दिन भी बावड़ी की खोदाई जारी, प्राचीन इमारत और सुरंग मिली, अब चलेगा बुलडोजर

चंदौसी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में चंदौसी के मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मण गंज में बांकेबिहारी मंदिर के बाद कुछ ही दूरी पर खाली प्लाट में दबी बावड़ी की तलाश में दूसरे दिन रविवार को खोदाई शुरू की गई। डीएम राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया। डीएम ने बताया कि अभिलेखों में 400 वर्ग मीटर एरिया में बावड़ी तालाब के रुप में दर्ज है। बिलारी के राजा के नाना के समय बावड़ी बनी थी। इसमें तीन मंजिल बनी हुई हैं। दो मंजिल मार्बल से बना है। ऊपर की मंजिल ईंटों से बनी है। इसमें कूप के साथ चार कक्ष भी बने हैं। यह बावड़ी 150 साल पुरानी बताई जा रही है। डीएम ने बताया कि जरुरत पड़ी तो स्टेट ऑर्किलॉजिकल सर्वे की टीम को पत्र भेजा जाएगा। बताया जा रहा है कि बावड़ी से सुरंग भी जा रही है जो बांकेबिहारी मंदिर पर खुलती है। डीएम ने बताया कि मंदिर का जीर्णोधार किया जाएगा।

एमपी के शिवपुरी में तीन लोग जिंदा जले, रात में सर्दी के कारण आग जलाकर सोए थे मृतक

शिवपुरी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में इन दिनो कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव जला रहे हैं, लेकिन शिवपुरी जिले के बैराड़ में सर्दी से बचने के लिए आग जलाकर सोना महंगा पड़ गया। यहां रात को ठंड से बचने के लिए लोग आग जलाकर सोए थे, लेकिन अनहोनी घट गई। जलने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतक बंजारा समुदाय के हैं। बैराड़ में बीती रात सोते समय तीन लोग जिंदा जल गए। रात को सर्दी के चलते तीनों अलाव जलाकर सोये थे। अलाव से आग झोपड़ी में फैल गई और इसमें सो रहे तीनों लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मुंबई में तेज रफ्तार का कहर कार ने 4 साल के बच्चे को उड़ाया, मासूम की मौत

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक बार फिर तेज रफ्तार ने एक मासूम की जान ले ली। मुंबई के वडाला इलाके में स्थित अंबेडकर कॉलेज के पास एक हाई स्पीड कार ने चार साल से मासूम को रौंद दिया। हादसे में बच्चे की मौत हो गई है। पुलिस ने 19 वर्षीय कार चालक भूषण गोले को हिरासत में लिया है। बच्चे की पहचान आयुष लक्ष्मण किनवडे के रूप में हुई है। आरएके मार्ग पुलिस ने विलेपार्ले निवासी ड्राइवर भूषण संदीप गोले (19 साल) के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। मृतक आयुष के पिता पेशे से मजदूर हैं और डेकोरेटर का काम करते हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़ित परिवार फुटपाथ पर रहता है।

मसाले के पैकेट में रखकर अमेरिका भेज रहा था केटामाइन

एनसीबी ने तीन नाईजीरियाई युवक समेत चार तस्कर पकड़े

अहमदाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अहमदाबाद ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स गिरोह का भंडाफोड़ किया। टीम ने दो किलो केटामाइन के साथ तीन नाइजीरियाई समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एनसीबी ने बताया कि आरोपी कोरियर की आड़ में भारत से विदेशों में केटामाइन की तस्करी करते थे। इस केटामाइन को मसाले के पैकेट में छिपाकर अमेरिका भेजने की तैयारी थी। हालांकि जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत की जानकारी नहीं दी गई है। एनसीबी ने बताया कि केटामाइन अमेरिका में सबसे ज्यादा महंगा ड्रग है। यह अमेरिका में प्रतिबंधित है। इसका उपयोग डेट रेप ड्रग के रूप में भी किया जाता है। एनसीबी अहमदाबाद को तीन दिसंबर को सूचना मिली कि

मसालों के पैकेटों में छिपाकर दो किलोग्राम केटामाइन को कोरियर के जरिये अमेरिका भेजा जा रहा है। इसके बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने जांच शुरू की। इसमें सामने आया कि अदनान फर्नीचरवाला नामक युवक इस रैकेट में शामिल है। अदनान पहले पुणे में रहता था और बाद में अमेरिका चला गया। अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी के तीन मामलों में शामिल पाए जाने के बाद भारत भेज दिया गया था। जांच में पता लगा कि अदनान पर एनसीबी मुंबई ने एक और मामला दर्ज किया था। इस मामले में वह वह पैरोल पर बाहर है। मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में जब भी अदनान के खिलाफ कोई मामला दर्ज होता या उसकी गिरफ्तारी की कोशिश होती तो वह अपना ठिकाना बदल लेता था। हालांकि, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में कई बार उसे ट्रैक कर लिया गया। इसके बाद एनसीबी ने अदनान को आठ दिसंबर को बंगलूरू से गिरफ्तार कर लिया और केटामाइन जब्त किया। एनसीबी को जांच में यह भी पता लगा कि जब्त किए गए केटामाइन की आपूर्ति दिल्ली के एक नाइजीरियाई सिंडिकेट ने की थी। कोरियर के जरिये इसकी तस्करी की गई थी। इसके बाद 18 दिसंबर को दिल्ली के महरौली इलाके से इमैनुएल इफानी न्वाओबियोरा उर्फ माइक को उसके दो साथियों एकलेमे अहमेफुला जोसेफ और इमैनुएल ओसाजा के साथ पकड़ा गया। एनसीबी ने बताया कि केटामाइन के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

एक्शन में दिल्ली पुलिस, हिरासत में 175 बांग्लादेशी, अब वापस भेजने की तैयारी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल की ओर से आदेश जारी होने के बाद से दिल्ली पुलिस की रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों के खिलाफ मुहिम पिछले कुछ दिनों से जारी है। दिल्ली पुलिस ने इस मुहिम के तहत दिल्ली के आउटर जिले में 175 संदिग्ध बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि जिन लोगों के पास भारतीय दस्तावेज नहीं हैं, उनकी पहचान कर और उन्हें हिरासत में लेकर कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने की तैयारी की जा रही है। दरअसल, दिल्ली आउटर जिले के अलग-अलग इलाकों में पुलिस ने हाल ही में स्पेशल ड्राइव चलाई थी। इस ड्राइव के दौरान 175 संदिग्ध लोगों की पहचान की गई। इनके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में दस्तावेज संदिग्ध पाए गए। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी शाहदरा और साउथ ईस्ट जिले में पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया था, जिसमें कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई थी। दिल्ली पुलिस ने जनता से भी अपील की है कि अगर उन्हें अपने इलाके में किसी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी हो तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करे। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों का मसला दशकों से बहस के केंद्र में रहा है। इस बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले यह मसला गरमा गया है। दिल्ली एलजी ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दिल्ली नगर निगम ने भी शुक्रवार को अपने स्कूलों को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि स्कूलों में अवैध बांग्लादेशी छात्रों की पहचान करें। अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाए।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव बोले- टाइगर रिजर्व में वासस्थल का होगा सुधार, रोके जाएंगे मानव-वन्यजीव के संघर्ष

देहरादून, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। टाइगर रिजर्व में बाघों की बढ़ती संख्या और इनके जंगल की देहरी पार करने की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए अब देश के सभी टाइगर रिजर्व में वासस्थल सुधार के लिए ठोस रणनीति बनाई जाएगी। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में वन अनुसंधान संस्थान परिसर स्थित आइजीएनएफए (इंदिरा गांधी नेशनल फारेस्ट एकेडमी) सभागार में हुई एनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथारिटी) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह भी तय किया गया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए राज्यों के सहयोग से प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। बाघों के टाइगर रिजर्व से बाहर निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों में धमकने की घटनाओं पर बैठक में विशेष रूप से चर्चा हुई। इस दौरान तय किया गया कि बाघों के लिए सभी टाइगर रिजर्व के साथ ही इनसे सटे वन प्रभागों में वासस्थल सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। इसमें एनटीसीए हर संभव सहयोग देगा। बैठक में शामिल हुए उत्तराखंड के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक आरके मिश्र ने बताया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को लेकर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। बैठक में कहा गया कि बाघ, गुलदार, हाथी जैसे जानवरों को आबादी वाले क्षेत्रों में जाने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की दरकार है।

पुलिस की पकड़ में आए आतंकियों को पनाह देने वाले, पिस्टल, ग्रेनेड और कैश बरामद

जम्मू, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की मदद करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सोपोर पुलिस, 32आरआर और सीआरपीएफ सहित सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने यारबुघ में नाका चेकिंग के दौरान दोनों को पकड़ा। पुलिस स्टेशन डांगीवाचा के अंतर्गत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों अनंतनाग जिले के अरवानी के रहने वाले हैं, जिनकी पहचान राशिद आह भट पुत्र घ।मोहम्मद भट और साजिद इस्माइल हारू पुत्र एम।इस्माइल हारू के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के पास से एक पिस्तौल, पांच जिंदा राउंड (9 मिमी), दो चीनी हैंड ग्रेनेड और 10600 नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क पर उतरी इंदौर पुलिस, 1100 से ज्यादा बदमाशों को चेक किया, 249 को पकड़ा

इंदौर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने कांबिंग अगस्त के दौरान 1100 से ज्यादा बदमाशों को चेक करते हुए 600 से ज्यादा पर वैधानिक कार्रवाई की। पुलिस की कार्रवाई से बदमाशों में हड़कंप मच गया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने आगे भी अभियान को चलाने के निर्देश दिए हैं। इंदौर के पुलिस उपायुक्त विनोद कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर रात में पुलिस ने कांबिंग गश्त करते हुए सभी थाना क्षेत्र में बदमाशों की चेकिंग की। इस दौरान 1163 बदमाशों को चेक किया गया। इनमें से 634 के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पाए गए। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए ऐसे 249 वाहन चालको पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि लोग शराब का सेवन कर वाहन न चलाएं। ऐसी स्थिति में घटना और दुर्घटना का अंदेशा बढ़ जाता है।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन

पुलिस ने रात अवैध रूप से सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। इस दौरान सात प्रकरण दर्ज किए गए हैं। आदतन बदमाशों के खिलाफ भी 108 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और समंस तामिल किए गए हैं। पुलिस की कार्रवाई से सड़कों पर हड़कंप मच गया।

कई शहरों में पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

पुलिस कार्रवाई के बाद शहर के लोग सर्तक हो गए हैं। लोगों में शराब पीकर गाड़ी चलाने और लापरवाही से ड्राइविंग करने पर जुमाने का डर सता रहा है। इससे पहले मध्य प्रदेश पुलिस कई शहरों में गश्त करते हुए लोगों को लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए पकड़ा था। जिसके बाद यहां भी लोग जागरुक हुए हैं। यही वजह है कि इंदौर में भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

थिएटर में पुष्पा-2 के क्लाइमेक्स के बीच पुलिस की कार्रवाई, देर रात छापा मार ड्रग्स तस्कर को पकड़ा

नागपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नागपुर के एक सिनेमाघर में अजीबोगरीब घटना घटी। यहां सिनेमा हॉल के अंदर बैठे दर्शकों ने एक ही समय में दो फिल्में देख ली। फर्क केवल इतना था कि एक फिल्म स्क्रीन पर चल रही थी और दूसरी फिल्म वास्तविक थी। दरअसल, एक मल्टीप्लेक्स में पुष्पा-2 के देर रात शो के दौरान पुलिस ने धावा बोल दिया। सिनेमा हॉल में दर्शकों में हत्या और नशीली दवाओं के मामलों में वांछित आरोपी भी मैजूद था। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, सिनेमा घर में अचानक से पुलिस की एंट्री किसी एक्शन फिल्म से कम नहीं थी।

सिनेमा हॉल में आरोपी की गिरफ्तारी

आधी रात को वांछित आरोपी विशाल मेश्राम की गिरफ्तारी ने सिनेमा हॉल में मौजूद दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने वहां बैठे दर्शकों को आश्वासन दिया कि वे फिल्म का आनंद ले सकते हैं, क्योंकि आरोपी को पकड़ लिया गया है। आरोपी विशाल मेश्राम पिछले 10 महीनों से फरार था। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म पर उसकी रुचि के बारे में मालूम चलने के बाद पुलिस ने उसे ट्रैक किया। विशाल के खिलाफ 27 मामले दर्ज हैं, जिसमें दो हत्या और ड्रग्स की तस्करी भी शामिल है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस लगातार उसका पीछा कर रही थी। गुरुवार को उसे ट्रैक करने के बाद पुलिस ने उसे भागने से रोकने के लिए सिनेमा हॉल के बाहर वाहन के टायरों की हवा निकाल दी।

फिल्म के क्लाइमेक्स के दौरान जब पुलिसकर्मी हॉल में दाखिल हुए तो मेश्राम फिल्म देखने में व्यस्त था। पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेर लिया और गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फिलहार नागपुर के सेंट्रल जेल में बंद है। उसे जल्द नासिक की जेल में स्थानांतरित किया जाएगा।

सास चवन्नी देवी की हत्या कर नानूराम ने पत्नी के बॉयफ्रेंड को सौंपा महिला का कटा सिर

सोनीपत, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत जिले में पुलिस ने सनसनीखेज वारदात का खुलासा किया है। सोनीपत के सेक्टर 3 स्थित ऑटो मार्केट में 13 दिसंबर को एक 55 साल की बुजुर्ग महिला चवन्नी देवी की हत्या हुई थी। पुलिस ने इसी हत्या की वारदात का खुलासा किया है। सोनीपत सेक्टर 27 थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नानूराम को करीब 10 दिन बाद पुलिस ने कड़ी मेहनत के बाद गिरफ्तार किया है। वह लगातार अपने ठिकाने एक राज्य से दूसरे राज्य में बदल रहा था। हत्यारा नानूराम बिहार का रहने वाला है। वह सोनीपत के विकास नगर में रह रहा था। इसकी पत्नी ममता और उसका तलाक भी हो चुका है, लेकिन ममता और इसके बीच में अनबन की मुख्य वजह ये अपनी सास चवन्नी देवी को मान रहा था।

मप्र के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान को दो बाघों के बदले गुजरात से दो शेर मिले

भोपाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान को शनिवार को दो बाघों के बदले गुजरात से दो एशियाई शेर मिले। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पशु आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत शेर और शेरनी शाम को गुजरात के जूनागढ़ के सक्करबाग प्राणी उद्यान से भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान पहुंचे। यह स्थान यहां से करीब एक हजार किलोमीटर दूर है। अधिकारी ने बताया, दोनों शेरों की उम्र करीब तीन साल है। उन्हें वन विहार में देखभाल और चिकित्सा जांच के लिए अलग बाडे में रखा गया है। वर्तमान में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में दो शेर और तीन शेरनी हैं। उन्होंने बताया कि शेरों के जोड़े के बदले में छह साल की उम्र का एक बाघ (बांधवगढ़-2) और बाघिन (बंधनी) को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान से जूनागढ़ चिड़ियाघर को दिया गया है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण से अदान-प्रदान योजना के तहत अनुमति मिलने के बाद 17 दिसंबर को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान से एक बाघ और बाघिन को लेकर नौ सदस्यीय टीम जूनागढ़ चिड़ियाघर गई थी। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान मध्यप्रदेश की राजधानी में बड़ी झील के किनारे स्थित है।

जंगल में कहां से आया सोना और नोटों का जखीरा, कांस्टेबल से कैसे धनकुबेर बना सौरभ शर्मा?

भोपाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के परिवहन विभाग में आरक्षक रहे सौरभ शर्मा की अकूत संपत्ति को लेकर जांच एजेंसियां भी हैरान हैं। फिलहाल सौरभ शर्मा अभी दुबई में है। जांच एजेंसियां उसकी भारत वापसी के लिए प्रयासरत हैं। सौरभ के ठिकानों पर इनकम टैक्स और लोकायुक्त की छापेमारी में 235 किलो चांदी सहित कुल 8 करोड़ के कैश और आभूषण मिले हैं। इसके अलावा 17 लाख की ब्रांडेड घड़ियां, 15 लाख की लेडिज पर्स और हीरे की अंगूठियां मिली हैं। भोपाल की अरेरा कॉलोनी में सौरभ शर्मा का मकान है। यहां घर से वाहन और अन्य सामान मिले हैं, जिसकी कुल कीमत 2 करोड़ 21 लाख रुपए आंकी गई है। इसके अलावा हीरे और सोने के आभूषण (50 लाख रुपए), कैश एक करोड़ 15 लाख रुपए की बरामदगी हुई है। इसके अलावा सौरभ के ऑफिस (चेतन का मकान) से कैश 1 करोड़ 72 लाख रुपए,चांदी 234 किलो जिसकी पुलिस ने अनुमानित कीमत 2 करोड़ 10लाख आंकी है, की बरामदगी हुई है। वहीं नोट गिनने की 7 मशीनें भी मिली हैं। इनकम टैक्स के अफसरों को पता चला है कि सौरभ भोपाल के शाहपुर B सेक्टर में 20000 वर्ग मीटर में एक स्कूल भी बना रहा था। कई बेनामी सम्पतियों के दस्तावेज भी टीम को मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। भोपाल के मंडोरी गांव में इनोवा कार में 54 किलो सोना और लगभग

10 करोड़ रुपए की बरामदगी हुई है। आशंका जताई जा रही है कि इसके कनेक्शन कहीं न कहीं सौरभ से जुड़ रहे हैं। आयकर विभाग ने इनोवा कार के मालिक चेतन गौर से पूछताछ की है। चेतन गौर सौरभ का वाहन चालक और करीबी है। चेतन के नाम से एक पेट्रोल पंप और ललितपुर राजगढ़ बांध परियोजना में मछली पालन का भी ठेका है। हालांकि, इन सब का वास्तविक मालिक सौरभ शर्मा ही बताया जा रहा है। सौरभ चेतन को मोहरे की तरह उपयोग कर रहा था। भरोसेमंद होने की वजह से चेतन के नाम पर ही निवेश कर रहा था। हालांकि, जांच एजेंसियां अभी बेनामी संपत्तियों के बारे में और पता लगाने में जुटी है। सौरव और चेतन के कुछ बैंक लॉकर की जानकारी भी लोकायुक्त को मिली है। शनिवार को पुलिस लॉकर खोलने की तैयारी में थी पर चाबी नहीं मिल पाई। लॉकर में बड़ी मात्रा में नगदी और ज्वेलरी भी मिल सकती है। सौरभ शर्मा ग्वालियर का रहने वाला है। उसके पिता जेल के डॉक्टर थे। सौरभ शर्मा ने महज 7 साल में अकूत संपत्ति बनाई। उसने आखिर ये कैसे किया, एजेंसियां इसकी जांच कर रही है। सौरभ शर्मा को 2017 में परिवहन विभाग में पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा पर कांस्टेबल कीनौकरी मिली थी। इसके बाद उसने कुछ दिन ग्वालियर में गुजारे फिर चेकपोस्ट पर नियुक्ति मिल गई। धीरे-धीरे मंत्रियों और अधिकारियों से संबंध बना लिए। चेकपोस्ट पर मिलने वाली रकम का हिसाब किताब रखने लगा। फिर सौरभ भोपाल में बस गया। सूत्रों की माने तो सौरभ की पत्नी दिव्या शर्मा सौरभ का कारोबार संभालती है। पेट्रोल पंप क्रेशर जमीन और सोने में निवेश में दिव्या का नाम सामने आ रहा है। सौरभ शर्मा ने दो बार एमपीपीएससी की परीक्षा दी और मुख्य परीक्षा तक पहुंचा भी। एक बार तो इंटरव्यू राउंड तक पहुंचा था। पिता के निधन के बाद उसकी अनुकंपा नियुक्ति परिवहन विभाग में हो गई।

दुबई में भी सौरभ शर्मा के निवेश की आशंका

आयकर और लोकायुक्त टीम को ऐसे तथ्य मिले हैं, जिसमें सौरभ शर्मा के दुबई में भी निवेश की आशंका है। उसके घर और ऑफिस से मिले दस्तावेजों की जांच में इसकी सच्चाई सामने आएगी। वहीं सौरभ शर्मा पर हुई कार्रवाई के बाद अब राजनीति भी गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सौरभ शर्मा को भ्रष्टाचार के समुद्र का छोटा कीड़ा बताया है। पटवारी ने कहा कि यह सौरभ शर्मा तो छोटी मछली है, जब पूर्व आरक्षक के पास इतना जखीरा मिला है तो पीएस और मंत्रीयो के पास क्या क्या होगा?

केजरीवाल कभी नहीं बन सकते सीएम, कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। संदीप दीक्षित ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था है हम जेल से बाहर तो उनके आने दे रहे हैं लेकिन वो दिल्ली के सीएम के तौर पर किसी भी फाइल पर साइन नहीं कर सकते। न सीएम दफ्तर जा सकते। न किसी अधिकारी से नहीं मिल सकते। न अधिकारियों को आदेश दे सकते। यानी सुप्रीम कोर्ट ने तो तय कर दिया था कि केजरीवाल को सीएम बनने का कोई अधिकार नहीं है। भले शपथ के हिसाब से वो बने रहें इसलिए किसी और को दिल्ली का सीएम इनके लिए मजबूरी बन गई थी और ये बेल की शर्त आज भी है। अगर ये कल को सीएम बन जाते हैं और अधिकारियों को बुला लिया और या कोई दस्तखत कर दिया तो बेल की कंडीशन टूट जाएगी। बेल की कंडीशन टूटते ही वो (केजरीवाल) जेल जाएंगे। इनके लिए मुख्यमंत्री बनना संभव ही नहीं। कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को नई दिल्ली सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। इस सीट पर आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विधायक हैं। केजरीवाल ने 2013 विधानसभा चुनाव में दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को इस सीट पर हराया था। तब से वो इस सीट से लगातार विधायक हैं।

असम के कछार में 20 करोड़ की नशीली दवाएं जब्त

कछार, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के कछार में 20 करोड़ की नशीली दवाएं जब्त की गईं हैं। साथ ही एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर आईजी पार्थसारथी महंता के नेतृत्व में एसटीएफ का गठन किया गया। इसके बाद सिल्कोरी रोड पर चेकिंग के दौरान एक युवक को 60 हजार याबा टैबलेट और 125 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक का नाम साहिल अहमद लस्कर है। जब्त की गईं नशीली दवाओं की कीमत 20 करोड़ के आसपास है।

मोहाली में बहुमंजिला इमारत ढहने से हिमाचल की लड़की समेत दो की मौत, सामने आई हादसे की वजह

मोहाली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली जिले के सोहाना गांव में शनिवार को चार मंजिला इमारत ढह गई। बहुमंजिला इमारत में कुल पांच लोग दबे थे, जिनमें तीन लड़के और दो लड़कियां थीं। हिमाचल की एक लड़की समेत दो लोगों की मौत हो गई। लड़की को कल निकाल लिया गया था, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। उसकी पहचान 20 साल की दृष्टि वर्मा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से हिमाचल की रहने वाली थी। मृतक युवक की पहचान अभिषेक के तौर पर हुई है, जो अम्बाला का रहने वाला था। वह आई टी कंपनी में काम करता था। जिम में एक्सरसाइज करने के लिए आया था और तभी बिल्डिंग ढह गई। कार्यवाहक उपायुक्त विराज एस तिड़के ने बताया कि ठियोग निवासी दृष्टि वर्मा को गंभीर हालत में मलबे से निकाला गया और सोहाना अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, दृष्टि वर्मा की चोटों के कारण मृत्यु हो गई। मोहाली के सोहाना गांव में शनिवार शाम एक बहुमंजिला इमारत ढह गई, जिसके मलबे में कम से कम पांच लोग फंस गए। मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) दीपक पारीक ने बताया कि पुलिस ने इमारत के मालिकों परविंदर सिंह और गगनदीप सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बचाव अभियान के तहत कई उत्खनन मशीनों को मलबा हटाने के काम में लगाया गया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने बचाव अभियान चलाया। एम्बुलेंस के साथ-साथ चिकित्सा टीमें भी तैनात की गई थी। तिड़के ने कहा कि यदि किसी को यह आशंका हो कि उनके परिवार के सदस्य मलबे में फंसे हो सकते हैं

एक देश एक चुनाव के लिए अहम सुझाव

रघु ठाकुर

भारत सरकार अब एक देश एक चुनाव के कानून बनाने के लिए लगभग तैयार दिखती है। सरकार ने संसद के इस सत्र में बिल पेश कर दिया है और जेपीसी के गठन की घोषणा कर दी गई है। श्री रामनाथ कोविंद कमेटी ने भी अपनी सिफारिशें सरकार को सौंप दी है। हालांकि सरकार द्वारा बनाई गई ऐसी समितियां सरकारों के लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करने का ही माध्यम होती है। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और व्यक्तिगत तौर पर मैं तो चुनाव सुधार एवं एक देश एक चुनाव की बात को 1980 से ही उठाता रहा हूं यहां तक कि मैंने 80 और 90 के दशक में विभिन्न राजनीतिक दलों का समर्थन भी जुटाने का प्रयास किया था। चुनाव सुधार को लेकर एक बैठक में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे शामिल हुए और उन्होंने समर्थन भी व्यक्त किया था। लगभग 90 के दशक में चुनाव सुधार को लेकर दिल्ली में भी कई आयोजन किए गये थे जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर और वर्तमान राष्ट्रीय इंदिरा गांधी कला केंद्र के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय आदि शामिल हुए थे, तथा एक प्रस्ताव तैयार कर हम लोगों ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और अन्य को पहुंचाया था। श्री रामनाथ कोविंद कमेटी ने जो सिफारिशें भेजी हैं उनके साथ लिखी अपनी टिप्पणी में उन राजनीतिक दलों का जिक्र किया है। जिन्होंने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। अखबारों के सूचना के अनुसार एनडीए के सहयोगी राजनीतिक दलों के अलावा 34 दलों ने उनकी समिति के समक्ष समर्थन किया है। मुझे जानकारी नहीं है कि उनके 34 राजनीतिक दलों की सूची में कौन-कौन दल शामिल है। यद्यपि मैंने लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की तरफ से एक देश एक चुनाव की परिकल्पना का प्रस्ताव भेजा था। जो लोग एक देश एक चुनाव का विरोध कर रहे हैं और उसे लोकतंत्र के खिलाफ बता रहे हैं यह भी गलत है और उनका विरोध भी केवल राजनीतिक है। 1967 तक देश में लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए हैं। 1969 में जब कांग्रेस पार्टी का बंटवारा इंडिकेट और सिंडिकेट में हुआ। एक कांग्रेस तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कांग्रेस बनी जिसे कांग्रेस आई कहा गया। दूसरा धड़ा कांग्रेस संगठन का था जिसे कांग्रेस संगठन कहा गया, उसके बाद पहली बार देश में अलग-अलग चुनाव की प्रथा प्रारंभ हुई। सबसे पहले इंदिरा गांधी ने अपनी ही पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा राष्ट्रपति पद के स्वीकृत प्रत्याशी स्वर्गीय नीलम संजीव रेड्डी के खिलाफ स्वर्गीय वीवी गिरी को गैरदलीय प्रत्याशी के रूप में खड़ा किया। जिस संसदीय बोर्ड की बैठक में नीलम संजीव रेड्डी के नाम की घोषणा हुई थी उसमें स्वयं इंदिरा गांधी मौजूद थीं, शायद बहुमत को देखकर उन्होंने कोई विरोध दर्ज नहीं कराया तथा मुक समर्थन किया, परंतु बाद में प्रधानमंत्री पद और निरंकुश सत्ता के विरुद्ध उसे समझाकर कांग्रेस में विरोध कराया और वीवी गिरी को राष्ट्रपति चुनाव लड़ा कर जिताया था। कांग्रेस पार्टी में सत्ता के विद्रोह की यह शायद पहली शुरुआत थी और जिसे स्वतरू पार्टी के प्रधानमंत्री ने किया था। श्री वी.वी गिरी की जीत के बाद इंदिरा गांधी जी का आत्मविश्वास बढ़ा और जन समर्थन सिद्ध हुआ। संसद के बाहर 1970 में तत्कालीन संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी का जो विशाल प्रदर्शन हुआ था जिसमें पुलिस ने भारी लाठी चार्ज किया। जार्ज फनार्ंडीस जो मंच पर भाषण दे रहे थे उनके सर को फोड़ा गया, राज नारायण जी को पुलिस ने मंच से नीचे गिराया था और अनेक लोग घायल हुए थे। उस समय इंदिरा गांधी का संसद में अकेले बहुमत नहीं था और स्वर्गीय मोरारजी देसाई एवं अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने पुलिस लाठी चार्ज में सने खून के कपड़े संसद में पेश किए थे, शायद उसी दिन श्रीमती इंदिरा गांधी की सरकार गिर जाती परंतु कम्युनिस्ट पार्टी ने उनका समर्थन किया और सरकार बचायी। इस घटना के बाद श्रीमती गांधी ने 1971 में संसद को अवधि पूर्ण होने के 1 वर्ष पूर्व भंग कर और चुनाव कराने की घोषणा की। स्वाभाविक था कि, तत्कालीन राष्ट्रपति जो श्रीमती इंदिरा गांधी के कृपा से अधिकृत कांग्रेस के प्रत्याशी को हराकर राष्ट्रपति चुने गए थे उन्होंने श्रीमती गांधी के प्रस्ताव को स्वीकार किया। इस चुनाव में श्रीमती गांधी के साथ कम्युनिस्ट पार्टी शामिल थी। श्रीमती गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया और विशाल बहुमत से चुनाव जीतकर आईं और यहीं से देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग होने की शुरुआत हुई। विधानसभाओं के चुनाव 1972 में हुए और यह क्रम आपातकाल में और बढ़ा दिया गया, जब 1976 में श्रीमती गांधी ने संसद की अवधि को 5 साल से 2 वर्ष आगे बढ़ाने का निर्णय किया। जबकि जो लोकसभा के चुनाव संविधान के तहत 5 वर्ष के अनुसार होने थे, तथा बाद में लगभग 6 वर्ष के बाद 1977 में कराए गए। 1977 के चुनाव में श्रीमती इंदिरा गांधी की हार हुई और जनता पार्टी की जीत हुई। जीत के बाद जनता पार्टी की सरकार बनी। हालांकि वह सरकार भी राजनीतिक भूल की थी और जो विधानसभाओं के चुनाव 8 या 9 महीने बाद होने थे, जिन राज्यों में कॉग्रेस का शासन था, उन्हें समय से पूर्व भंग कर मध्यावधि चुनाव कराए। एक देश एक चुनाव हर प्रकार से उचित है, संवैधानिक भी है और व्यावहारिक भी है। आज चुनाव बहुत खर्चीले हैं और चुनाव के खर्चे एक संसदीय क्षेत्र के लिए मीडिया से प्राप्त सुचना के अनुसार 60000 करोड़ रू. तक पहुंच जाते हैं, जो राजनीतिक दल और प्रत्याशी अपना खर्च करते हैं वह अलग है। दूसरा, बार-बार चुनाव होने से आचार संहिता लगती है और सारे सरकारी कार्य ठप हो जाते हैं। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक स्थाई घटना सी बन गई है, फिर इसके बाद नगर पालिका, नगर परिषद और पंचायत आदि के चुनाव का सिलसिला लगातार चलता रहता है। इसमें हमारा प्रस्ताव वर्तमान भाजपा सरकार के प्रस्ताव से अलग है, हमने प्रस्ताव किया कि-1. देश में दो माह 5 वर्षीय चुनाव के लिए तय किये जाएं और इनमें पंचायत से लेकर संसद तक के सारे चुनाव एक साथ हों। यह आसानी से संभव है और अगर सरकारें यह निर्णय करेंगी तो न केवल मत प्रतिशत बढ़ेगा बल्कि चुनाव में हो रही धांधलियां में भी कमी आयेगी। क्योंकि जब पंचायत के पंच तक के चुनाव साथ होंगे तो ग्रामीण अंचलों के मतदाता भी शामिल होंगे, इससे चुनाव के खर्च भी कम हो जाएंगे और बार-बार चुनाव की आचार संहिता के नाम पर समय की बर्बादी जो होती है वह भी रूक जाएगी। दलों के चुनावी खर्चे भी कम हो जाएंगे। चंदे के नाम पर होने वाला राजनीतिक भ्रष्टाचार यदि समाप्त नहीं होगा तो भी वह सिकुड़ जाएगा। 2. हमने यह भी सुझाव दिया था कि चुनाव सुधार में व्यापक दृष्टि भी रखनी चाहिए, इसमें कुछ और भी सुधार होना चाहिए जैसे कि- क. एक व्यक्ति एक स्थान से चुनाव लड़े, यह कानून बने। ख. जो व्यक्ति जिस पद पर निर्वाचित होता है वह 5 वर्ष की अवधि तक दूसरा चुनाव नहीं लड़ेगा।ग. आज जो जितना बड़ा नेता होता है वह कई जगह से चुनाव लड़ता है और जीतने के बाद त्यागपत्र देकर देश पर बोझ डालता है। घ. अगर दल बदल या मृत्यु के चलते कोई स्थान रिक्त होता है तो जिस दल का प्रत्याशी उस क्षेत्र से चुनाव जीता हो, उस दल से नाम लेकर उसे नामित किया जाए ताकि मध्यावधि चुनाव न हो। ङ. अगर दल बदल या किन्हीं कारणों से कोई सरकार गिरती है तो सदनों को भंग करने के बजाय राष्ट्रपति या राज्यपाल विधायिका में दलीय प्रतिनिधित्व की संख्या के आधार पर राष्ट्रीय मंत्रिमंडल का गठन करें जो शेष अवधि तक काम करें। च. समूचा चुनाव का खर्च चुनाव आयोग उठाये, प्रत्याशियों का जीवन परिचय, घोषणा पत्र, मतदाता परिचय पत्र आदि चुनाव आयोग द्वारा बंटवाया जाए एवं सार्वजनिक सभा के आयोजन भी चुनाव आयोग द्वारा हों। यदि यह होगा तो सभी दलों के नेताओं का तुलनात्मक अध्ययन का अवसर मतदाता को मिलेगा और खर्च भी रुकेगा। एक प्रत्याशी को चुनाव आयोग द्वारा दो या तीन गाड़ी दी जाए, बकाया सब बंद किया जाए। छ. सभी राजनीतिक दलों को मीडिया, टीवी एवं अखबार पर अपनी-अपनी बात करने का चुनाव आयोग समय तय करें, ताकि कमजोर और गरीब दलों एवं प्रत्याशियों की राय भी लोगों तक पहुंच सकें।

संघ प्रमुख की नसीहत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत चाहते हैं कि संवेदनशील मुद्दों पर विभिन्न समुदायों के बीच सह-अस्तित्व पर जोर देकर विवाद न बढ़ाया जाए। भागवत ने स्पष्ट नसीहत दी कि राम मंदिर के बाद कोई नया आंदोलन नहीं होना चाहिए। उन्होंने चरमपंथ, आक्रामकता और अन्य देवताओं का अपमान को भी अस्वीकार्य बताया है। भागवत चाहते हैं कि उनका संगठन और उससे जुड़े लोग आगे की सोचें। वे मंदिर-मस्जिद जैसे संवेदनशील मुद्दों को छेडने की बजाय उसका समाधान ढूंढने पर काम करें। मोहन भागवत ने यह भी माना है कि भारत में सभी समुदायों का डीएनए एक है, इसलिए सबको साथ मिलकर रहना चाहिए। संघ पदाधिकारियों का भी मानना है कि भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों पर चिंता जताई है। लोगों को अब ऐसे मुद्दे न उठाने की सलाह भी दी है। राम मंदिर का फैसला आने के बाद मोहन भागवत ने स्पष्ट कर दिया था कि आरएसएस भविष्य में राम मंदिर जैसा कोई नया आंदोलन चलाने की योजना नहीं बना रहा है। वे आज भी अपने इस बात पर कायम हैं। आरएसएस चीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कई जगह मस्जिदों को गिराने की मांग को लेकर मुकदमे दायर किए जा रहे हैं। जगह-जगह के मस्जिदों पर दावा किया जा रहा है कि ये पूर्व में मंदिरों को तोड कर बनी हैं। आरएसएस प्रमुख पहले भी लोगों से कह चुके हैं कि मस्जिदों में शिवलिंग न ढूंढें। ऐसे में संघ प्रमुख का संदेश साफ है कि धार्मिक विवादों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जाए, बल्कि शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से उनका समाधान निकालने की कोशिश की जाए। भागवत के साथ लंबे समय तक काम कर चुके एक अन्य वरिष्ठ संघ पदाधिकारी ने कहा, 'हाल ही में, यह देखा गया है कि कुछ लोगों को लगता है कि खुद को आरएसएस समर्थक और हिंदू कट्टरपंथी के रूप में पेश करना राजनीति में एंट्री का एक शॉर्टकट रास्ता है, जो वरिष्ठ संघ पदाधिकारियों एवं संघ परिवार के बीच चिंता का विषय है। वरिष्ठ संघ पदाधिकारी ने कहा कि पहले के मुकाबले अब आरएसएस की बातें ज्यादा ध्यान से सुनी जा रही हैं। जो देश भर में लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इसलिए संघ चाहता है कि उससे जुड़े सभी लोग एक प्रगतिशील सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन की तरह काम करें और उस तरह के आचरण को अमल में भी लाएं। संघ चाहता है कि उससे जुड़े सभी लोग और संगठन समाज के लिए रचनात्मक काम करें। देश के विकास में योगदान दें। सब मिलकर एक नए भारत का निर्माण करें। ताकि पीएम मोदी के अमृतकाल की मूल अवधारणा को साकार किया जा सके। देश में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए सबको एक होना होगा, तभी राष्ट्र निर्माण में सबका विकास और सबका विश्वास फलीभूत हो सकेगा।

अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा राष्ट्र दृष्टिकोण में, न कि नाम जपने में

प्रियंका सौरभ

बाबासाहेब अम्बेडकर की विरासत पर चल रहा राजनीतिक विवाद, इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे राजनेता, विशेष रूप से प्रमुख जातियों के, जाति-आधारित भेदभाव को सम्बोधित किए बिना इसका शोषण करते हैं। यह इस बात पर ज़ोर देता है कि केवल पहचान के लिए नहीं, बल्कि सम्मान, समानता और अवसरों के लिए लड़ते हैं और राष्ट्र के लिए अम्बेडकर के दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हैं। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अम्बेडकर के समर्थकों द्वारा ईश्वर की ग़लत खोज के बारे में हाल ही में की गई टिप्पणियों ने आधुनिक भारत में जाति व्यवस्था की निरंतरता पर चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है।

इन टिप्पणियों ने इस बात पर बहस छेड़ दी है कि क्या वे जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ दशकों से चल रही सक्रियता को कमजोर करती हैं। बी.आर. अम्बेडकर के विचार और दृष्टिकोण अत्यधिक प्रासंगिक बने हुए हैं, जो न केवल शोषितों के लिए बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। अम्बेडकर के सिद्धांतों को चुनिंदा रूप से अपनाना और हाशिए पर पड़े समूहों से सम्बंधित मुद्दों पर अपर्याप्त ध्यान उनके मिशन के सार को कमजोर करता है। अम्बेडकर को देवता बनाने की प्रथा सामाजिक परिवर्तन और समुदाय को सशक्त बनाने में उनके अपार योगदान में निहित है। राजनेता, जिनमें से अधिकांश प्रमुख जातियों से हैं, जातिगत भेदभाव को सम्बोधित किए बिना अंबेडकर की विरासत पर बहस कर रहे हैं। कांग्रेस ने ऐतिहासिक रूप से अंबेडकर की पहल का विरोध किया, आरक्षण और मंडल आयोग की सिफारिशों का विरोध किया। पार्टी ने जातिगत वास्तविकताओं को सम्बोधित करने के बजाय शोषितों को एक गरीब वर्ग (गरीब जनता) के रूप में माना। बजट आवंटन के बावजूद शोषितों को अभी भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो 50-60 साल पहले की तरह ही है। अंबेडकर की विरासत पर संसद की बहस प्रमुख जाति के राजनेताओं के बीच जातिगत प्रवचन की सतहीता को उजागर करती है। बुलंद बयानबाजी के बावजूद, जाति-आधारित भेदभाव प्रणालीगत बना हुआ है, जिसका सबूत शोषितों के खिलाफ हिंसा जैसी चल रही घटनाओं से मिलता है। शोषितों के मुद्दों को उठाने में इंडिया ब्लॉक की तीव्रता हाशिए पर पड़े समूहों के संघर्षों की वास्तविक समझ की कमी के विपरीत है।

सरकार ने महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 जैसी पहल की है। इसने अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने के लिए पंच तीर्थ स्थलों का निर्माण करके शोषितों की गरिमा पर ज़ोर दिया। ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य शोषितों सहित हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना है। हाल के वर्षों में भाजपा में शोषितों का प्रतिनिधित्व काफ़ी बढ़ा है। इन प्रयासों के बावजूद, जाति-आधारित भेदभाव जारी है, जिसमें व्यक्ति पर पेशाब करने जैसी घटनाएँ शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल, जैसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम और पंच तीर्थ स्थलों का उद्देश्य शोषितों के सम्मान और विमर्श को ऊपर उठाना है। भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर नेताओं को अभूतपूर्व रूप से शामिल किया है। अंबेडकर के विचार शोषितों से परे हैं, जो सभी हाशिए पर पड़े समूहों के लिए भेदभाव और असमानता का समाधान प्रस्तुत करते हैं। ध्यान अस्तित्व से हटकर समान अवसर और शासन और प्रशासन में प्रतिनिधित्व की आकांक्षाओं पर केंद्रित हो गया है। अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को अपनाने में निहित है, न कि केवल उनका नाम जपने या उनकी छवि का आह्वान करने में। बाबासाहेब अंबेडकर एक पूजनीय व्यक्ति बने हुए हैं, जो शोषितों की सम्मान और समानता की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं।

टी-शर्ट का रंग बदल लिया है ! रणनीति भी बदल डालें राहुल !

श्रवण गर्ग

संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया है और लड़ाई के मैदान अब बदलने वाले हैं ! क्या मोदी-शाह के ख़िलाफ़ लड़ाई में राहुल को अपनी रणनीति बदलने की सलाह देने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से कहलवाया जा सकता है ? विपक्षी दलों के तमाम नेताओं के बीच स्टालिन ही नज़र आते हैं जिनकी राहुल इज्जत करते रहे हैं और उनके कहे पर कान दे सकते हैं ! राहुल की दूसरी 'भारत जोड़ो यात्रा ' की मुंबई में समाप्ति पर हुई 'इंडिया ब्लॉक' की बड़ी जनसभा में स्टालिन ने कहा था :'राहुल भाई की तरह है। मैं उनके लिए ही यहाँ आया हूँ।' स्टालिन सभा में ज़्यादा देर रुके भी नहीं थे। राहुल को सलाह यह देनी है कि मोदी-शाह की राजनीति से हकीकत में मुक़ाबला करना है तो उनकी मौजूदा रणनीति काम नहीं कर पाएगी। विपक्ष को कुचलने में महारथ हासिल कर चुके नेताओं के ख़िलाफ़ राहुल उसी तरह से लड़ना चाह रहे हैं जिस तरह आज़ादी-प्राप्ति के पहले कांग्रेस महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के ख़िलाफ़ लड़ती थी। वह रणनीति इसलिए कारगर साबित नहीं होगी कि अंग्रेज़ प्रजातांत्रिक थे, भाजपा अधिनायकवाद की दिशा में जा रही है। राहुल को सही सलाह देने का काम कांग्रेस में कोई नहीं कर सकता। कारण यह कि कांग्रेस में अधिकांश नेता या तो राहुल से डरते हैं या उनकी चापलूसी के अवसर तलाशते रहते हैं। पार्टी में एक वर्ग भाजपा के मुखबिरों का भी सक्रिय बताया जाता है। इसलिए राहुल को सलाह देने का काम कोई थर्ड पार्टी ही कर सकती है। स्टालिन, सोरेन आदि को छोड़ दें तो 'इंडिया ब्लॉक' के कई नेता काफ़ी पहले अपनी विश्वसनीयता भाजपा के मुद्दों के हवाले कर चुके हैं। संसद-परिसर में 19 दिसंबर को हुई अप्रिय घटना के बाद राहुल के ख़िलाफ़ दर्ज प्रकरणों

की संख्या भी बढ़कर उन्नीस हो गई बताई जाती है। इनमें पंद्रह प्रकरणों का संबंध 'मानहानि' से और एक का वित्तीय अनियमितता से है। ताज़ा घटना में शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की जिन धाराओं में राहुल के ख़िलाफ़ प्रकरण दर्ज किया है वे धमकाने, चोट पहुँचाने, बल प्रयोग करने, आदि से संबंधित हैं। इनमें एक धारा ग़ैर-ज़मानती है। सजा सात साल से उम्र क़ैद तक की हो सकती है। दलाल मीडिया के पत्रकार खोज करके बता सकते हैं कि साल 1999 से 2004 के बीच जब अटलजी के नेतृत्व वाली एनडीए की सरकार केंद्र में थी विपक्ष के कितने नेताओं के ख़िलाफ़ मुक़दमे दर्ज हुए ? इसी तरह, 2004 से 2014 के बीच के दस सालों में यूपीए की सरकार द्वारा भाजपा सहित कितने विपक्षी नेताओं को मुक़दमों के निशानों पर लिया गया ? मनमोहन सिंह की सरकार के ख़िलाफ़ भाजपाइयों ने कोई तो आंदोलन किया होगा ! संसद में भी हल्ला मचाया होगा। मोदी और शाह भी गिना सकते हैं कि चार दशकों के राजनीतिक जीवन में 'आपातकाल' के विरोध सहित कितने नागरिक आंदोलनों में उन्होंने भाग लेकर मुक़दमों का सामना किया ? सत्ता-विरोध की जिस रणनीति पर राहुल चल रहे हैं उसे वर्तमान का शासक समूह बिना सांस लिए निगल जाएगा। अतः रणनीति को बदलना पड़ेगा। बाबा साहेब आंबेडकर पर की गई अमित शाह की 'अपमानजनक' टिप्पणी का 'इंडिया ब्लॉक' के अन्य दल राहुल की तरह ही विरोध नहीं कर रहे थे। वे चतुराई दिखा रहे थे। संसद के 'मकर द्वार' पर राहुल-प्रियंका के झुंड के साथ कांग्रेस के अलावा द्रमुक, उद्धव की शिव सेना और 'आप' के ही सांसद थे। सावरकर मुद्दे पर उद्धव राहुल से नाराज़ हैं और केजरीवाल राहुल के स्थायी विरोधी हैं ! केजरीवाल दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ रहे हैं। उद्धव भी आगे-पीछे यही करेंगे ! सपा के सांसद संसद-परिसर में ही रामगोपाल यादव के नेतृत्व में एक अलग स्थान पर विरोध कर रहे थे। तृणमूल कांग्रेस शाह की टिप्पणी के ख़िलाफ़ सिर्फ़ विशेषाधिकार नोटिस देकर खुश हो रही थी। वह राहुल के साथ खड़ी नहीं दिखना चाहती थी। अदाणी और ईवीएम मुद्दों पर इंडिया ब्लॉक में दरार पड़ चुकी है। इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया जाना चाहिये कि सत्तारूढ़ दल द्वारा जितना ग़ुस्सा राहुल के ख़िलाफ़ व्यक्त किया जाता है उतना किसी दूसरे विपक्षी दल या नेता के ख़िलाफ़ नहीं किया जाता ! भाजपा की रणनीति राहुल को अन्य विपक्षी दलों से 'आयसोलेट' करने की भी है और मुक़दमों के ज़रिये उन्हें मैदान से हटाकर कांग्रेस को नेतृत्व-विहीन करने की भी। एक घबराई हुई सत्ता अपने उद्देश्य की पूर्ति में किसी भी हद तक जा सकती है, सारे विकल्पों को खुला रखना चाहती है।

उसे 2047 के अगस्त में विभाजन की विभीषिका का सौवाँ 'शोक दिवस' और उस स्वतंत्रता-प्राप्ति का शताब्दी-पर्व अपने नेतृत्व में मनाना है जिसके संग्राम में वह शामिल नहीं थी। राहुल के नागरिक-संघर्ष का संस्कार स्वतंत्रता संग्राम से निकला है जबकि सत्तारूढ़ दल का उसके पितृ-संगठनों के उन नायकों की वैचारिक कोखों से जिन पर कांग्रेस के ख़िलाफ़ षड्यंत्र करने और गांधी-हत्याकांड में शामिल होने के आरोप लगते रहे हैं। सावरकर द्वारा प्रारंभ किया गया हिंदू राष्ट्र की स्थापना का काम अगर संघ-भाजपा द्वारा किसी भी क़ीमत पर पूरा किया जाना है तो सत्तारूढ़ संगठनों की वैचारिक प्रतिबद्धता राहुल की सक्रियता को भी उतनी ही बाधक मानेगी जितना महात्मा गांधी की सक्रियता को माना जाता था। वक्त का तक़ाज़ा है जिस तरह राहुल ने अपनी टी-शर्ट का रंग बदल लिया है अब अपनी रणनीति भी बदल डालें !

http://shravangarg1717.blogspot.com

लोकतंत्र को कलंकित कर रहा है जनप्रतिनिधियों का शर्मनाक व्यवहार

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की संसद के प्रवेश द्वार पर 19 दिसम्बर को जो कुछ हुआ वह नितांत शर्मनाक और राजनीतिक आचरण में आ रही गिरावट का सूचक है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर 18वीं लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाएं। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं। मगर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद परिसर में जिस प्रकार से सांसदों के बीच धक्का-मुक्की की घटना सामने आयी है, वह दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ शर्मनाक और निंदनीय भी है। संभवतः यह पहली बार है कि संसद के बाहर किसी सांसद का रक्त बहा है। संसद के बाहर सांसदों के साथ जो बर्ताव हुआ, वह लोकतंत्र के लिए काला अध्याय बन गया। संयोग देखिये कि यह सब तब हुआ, जब हाल ही में संसद में 'भारतीय संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा की जा रही है। निश्चित तौर पर सांसदों के इस कृत्य से बाबा साहेब भी दुखी हुए होंगे। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ऐसी तस्वीर, जो देशवासियों की नजरें नीची कर गई। इसमें कोई दो मत की बात नहीं है कि सांसदों की धक्का-मुक्की हर भारतीय के दिल को 'पक्का' दे गई है। दरअसल गुरुवार की सुबह संसद परिसर में धक्का-मुक्की वाली सियासत भी देखने को मिली। धक्का-मुक्की के दौरान ओडिशा के बालासोर से सांसद प्रताप सारंगी और यूपी के फर्रुखाबाद के मुकेश राजपूत घायल हो गए। दोनों सांसदों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर धक्का मारने का आरोप लगाया है। दरअसल मामला बाबा साहब अंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में कांग्रेस पार्टी के सांसदों के प्रदर्शन से जुड़ा है। कांग्रेस के सांसद प्रोटेस्ट कर रहे थे और इसी दौरान बीजेपी के सांसदों ने भी कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया। कांग्रेस के सांसद प्रोटेस्ट करते हुए संसद के मकर द्वार तक आ गए थे, इसी दौरान बीजेपी के सांसद भी मकर द्वार पर थे। दोनों पार्टियों के सांसद एक दूसरे के टीक सामने आ गए। दोनों तरफ से जमकर बयानबाजी होने लगी। इसी दौरान कांग्रेस और बीजेपी के सांसदों ने एक दूसरे को रोकने का आरोप लगाया। बीजेपी के सांसद प्रताप सारंगी का आरोप है कि राहुल गांधी के धक्का मारने से वह गिर गए और घायल हो गए, जबकि बीजेपी सांसद मुकेश राजपूत भी घायल हो गए। वहीं कांग्रेस के सांसद केसी वेणुगोपाल का कहना है कि बीजेपी सांसदों ने राहुल गांधी को घेर लिया था और उन्हें जान-बूझकर रोका था। इस मामले में भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, कांग्रेस सांसदों का प्रतिनिधिमंडल भी मामले की शिकायत दर्ज करायी है। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति जारी है। भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज संसद भार्ग थाने पहुंचकर राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद अनुराग ठाकुर ने कहा कि धक्का-मुक्की में दो सांसदों को चोट आई है। हमने राहुल गांधी के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा 109 में शिकायत दी। वहीं, कांग्रेस की ओर से दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में महिला सांसदों ने भी शिकायत की।

कांग्रेस का आरोप है कि अंबेडकर अपमान से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा सांसदों ने धक्का-मुक्की की। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा है कि राहुल गांधी बीआर अंबेडकर की फोटो लेकर शांतिपूर्वक जय भीम के नारे को बोलते हुए संसद में जा रहे थे। संसद में जाने से किसने रोका ? हम इतने दिनों से साइड में प्रदर्शन कर रहे हैं। जो भी आ रहा है जा रहा है उसको पूरा रास्ता है। इन्होंने पहली बार प्रदर्शन किया और सबको रोक दिया। धक्का-मुक्की और गुंडागर्दी की। अमित शाह को बचाने के लिए ये साजिश हुई है। इनसे हमने पूछा अगर आप अंबेडकर जी को चाहते हैं तो जय भीम बोलें। इनके मुंह से जय भीम का नारा क्यों नहीं निकल सकता ? मैं बीजेपी सांसदों को चुनौती देती हूं यहां खड़े होकर जय भीम बोलें। इस मामले में राहुल गांधी ने कहा कि पूरा मामला अडाणी के मुद्दे से जुड़ा है। मोदी सरकार अडाणी को देश बेच रही है और शुरू से इस पर चर्चा नहीं होने देने की साजिश कर रही है। कुछ दिन पहले अडानी पर अमेरिका में केस होने का मामला आया, जिस पर पूरे समय बीजेपी ने सदन में चर्चा नहीं होनी दी।

रसोईघर बना अखाड़ा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

भारतीय घरों में रसोई वह युद्धभूमि है, जहाँ दिन-रात सास-बहू के विचारधाराओं की ठन-ठन होती रहती है। यह रसोई मात्र गैस चूल्हे और कढ़ाई का संगम नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना का एक ऐसा मंच है, जहाँ हर दिन एक नया नाटक खेला जाता है। आज सुबह सास-बहू आमने-सामने थीं। सास ने गंभीर स्वर में पूछा, बहू, रसोई में क्या बना लेती हो? बहू ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, माँ जी, रसोई में बीमार होने का बहाना बना लेती हूँ। सास का चेहरा देख ऐसा लग रहा था, जैसे उसके भीतर का 'धृतराष्ट्र' जाग उठा हो। उसने आसमान की ओर देखते हुए कहा, हे भगवान! ये स्वीगी-जोमाटो की बहू मेरे घर में किस जन्म के पापों का बदला ले रही है? बहू ने तुरंत जवाब दिया, माँ जी, मुझे रसोई में बस आलस आता है, नींद आती है, और कभी-कभी तो चक्कर भी आने लगते हैं। सास की परंपरावादी सोच के लिए रसोई एक तपस्या का स्थान है। उसके लिए बहू का किचन में घुसते ही देवी अन्नपूर्णा बन जाना अनिवार्य है। लेकिन बहू, जो आधुनिक शिक्षा और नारी स्वतंत्रता की आग में तपकर आई थी, उसे रसोई में खड़े होकर आलू छीलना 'फ्लॉप शो' जैसा लगता था। सास की दुनिया में, रसोई वह अखाड़ा थी, जहाँ बहू को सुबह उठते ही मुकाबला करना था। उसकी परिभाषा में 'अच्छी बहू' वही थी, जो सब्ज़ी में नमक कम हो, तो सास को दोष दे और ज्यादा हो, तो भगवान को। दूसरी ओर, बहू ने रसोई को ऐसे देखा, जैसे वह उसका सबसे बड़ा दुश्मन हो। सास सोच रही थी, हमारे ज़माने में बहुएँ सुबह चार बजे उठकर पूरे घर का काम कर लेती थीं। और आज की लड़कियाँ! इनके लिए सुबह का मतलब दस बजे उठकर कॉफी का कप पकड़ना है। लेकिन बहू भी सोच रही थी, माँ जी को यह नहीं समझ आता कि मैं रसोई में नहीं, ऑफिस में क्रांति करना चाहती हूँ। मुझे गैस के सिलेंडर के साथ नहीं, लैपटॉप के साथ काम करने की आदत है। सास ने बहू की तरफ देखा और तंज कसते हुए बोली, आजकल की लड़कियाँ रोटी बेलने से ज्यादा समय इंस्टाग्राम पर तस्वीरें लगाने में लगाती हैं। बहू ने जवाब दिया, माँ जी, ये इंस्टाग्राम ही है, जिसने हमारी पीढ़ी को रोटी गोल और पनीर की ग्रेवी गाढ़ी बनाना सिखाया है। सास को लगा कि बहू अब हर तर्क का उत्तर दे सकती है। उसने तुरंत सवाल उछाला, लेकिन बहू, ये आलू की सब्ज़ी इतनी फीकी क्यों है? बहू मुस्कुराई और बोली, माँ जी, आपने ही तो कहा था कि नमक कम खाना चाहिए। मैं तो आपकी सलाह का पालन कर रही हूँ। भारतीय घरों की राजनीति का सटीक उदाहरण रसोईघर का अखाड़ा है। यहाँ सास सत्ता में रहती है और बहू विपक्ष में। हर रोटी के साथ बहू अपने अस्तित्व के लिए लड़ती है, और हर सब्ज़ी में सास अपनी परंपराओं की जीत देखना चाहती है। लेकिन इस युद्ध में कोई हारता नहीं, क्योंकि अंत में सास के ताने और बहू के बहाने के बीच, रिश्तों का नमक हमेशा सही मात्रा में घुल जाता है। रसोई में जो रोटियाँ बनती हैं, वह केवल पेट भरने के लिए नहीं होतीं, बल्कि रिश्तों को गूंथने और समाज को जोड़ने का माध्यम भी हैं। सास और बहू के रिश्ते में कुछ न कुछ 'जला हुआ' और कुछ 'अधपका' होता है।

कब शुरू हुई मूर्ति पूजा और बनने लगे मंदिर

ईश्वर को तब किस रूप में मानते थे

तब के धार्मिक विचारों के अनुसार, ईश्वर का वास्तविक स्वरूप अदृश्य और असीमित माना जाता था। मूर्तियों के माध्यम से उनकी उपासना करना उचित नहीं समझा जाता था, क्योंकि मानते थे कि ईश्वर को किसी भौतिक रूप में सीमित नहीं किया जा सकता।

किसे माना जाता था पूजा के लिए उचित स्थान शिवलिंग और यज्ञकुंड जरूर प्रतीकात्मक पूजा के संकेत थे। यज्ञ और पूजा नदियों और वृक्षों के करीब होती थी। तो मूर्ति पूजा भारत में कब शुरू हुई। जब मूर्ति पूजा शुरू हुई तभी बड़े – बड़े मंदिरों का बनना भी शुरू हुआ।

कब शुरू हुई मूर्ति पूजा और बनने लगे मंदिर 500 ईसा पूर्व से दूसरी सदी में तक के दौर में ईष्ट देवताओं जैसे राम, कृष्ण, शिव, दुर्गा की पूजा बढ़ने लगी। मूर्ति पूजा की शुरुआत इसी युग में हुई। बौद्ध धर्म और जैन धर्म ने मूर्ति निर्माण को बढ़ावा दिया। बुद्ध और तीर्थंकरों की मूर्तियों का निर्माण इसी दौर में शुरू हुआ। बौद्ध स्तूप और गुफा मंदिर (जैसे अजंता और एलोरा) मंदिर निर्माण के शुरुआती रूप माने जा सकते हैं।

भारत में गुप्त काल यानि तीसरी सदी से छठी सदी के दौर को मंदिर निर्माण का स्वर्ण युग माना जाता है। इसी काल में भगवान विष्णु, शिव, और देवी की मूर्तियों की पूजा के लिए भव्य मंदिर बनाए गए। पत्थर और ईंटों से बने मंदिरों का निर्माण शुरू हुआ।

कैसे पूजा करते थे युधिष्ठिर और भीष्म पितामह

महाभारत काल में अगर "सबसे ज्यादा पूजा-अर्चना और यज्ञ करने वाले" की बात करें, तो मुख्य रूप से युधिष्ठिर और पितामह भीष्म इस श्रेणी में सबसे ऊपर आते हैं। कर्ण को भी धार्मिक अनुष्ठानों का प्रेमी और उदार व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने सूर्य देव की पूजा नियमित रूप से की।

युधिष्ठिर क्या करते थे

– युधिष्ठिर को धर्म का प्रतीक माना जाता है। वे सत्य, न्याय और वैदिक धर्म के पालन में सबसे आगे थे।

– उन्होंने कई बड़े यज्ञ किए, जिनमें सबसे प्रसिद्ध राजसूय यज्ञ है।

– युधिष्ठिर ने अपने जीवन में धर्म का पालन करते हुए धार्मिक अनुष्ठानों और यज्ञों का नियमित आयोजन किया।

भीष्म पितामह क्या करते थे

– पितामह भीष्म जीवनभर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए वैदिक परंपराओं और धर्म का अनुकरण करते थे।

– उन्होंने अपने जीवन में यज्ञ और तपस्या को बहुत महत्व दिया और दूसरों को धर्म और कर्तव्य का पालन करने की शिक्षा दी।

(समाप्त)

यांगती उमा महेश्वर मंदिर में लगातार बढ़ रहा है नंदी महाराज की मूर्ति का आकार

भारत में कई प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर हैं, जिनकी रहस्यमयी घटनाओं और चमत्कारी घटनाओं के बारे में लोग आश्चर्यचकित रहते हैं। इन मंदिरों की रहनुमाई एवं उनके चमत्कारों ने उन्हें न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरे विश्व में लोकप्रियता दिलाई है। एक ऐसा शिव मंदिर है, जो अपनी अद्भुत और रहस्यमयी विशेषताओं के कारण पूरे देश में जाना जाता है। इस मंदिर में स्थित नंदी जी की मूर्ति का आकार निरंतर बढ़ता जा रहा है, जिसका रहस्य आज तक कोई नहीं सुलझा सका है। इसके अतिरिक्त, इस मंदिर से जुड़ी मान्यताएं और कथाएं भी बहुत मशहूर हैं।

कहां स्थित है यह रहस्यमयी मंदिर?

यह चमत्कारी शिव मंदिर आंध्र प्रदेश राज्य के कुरनूल जिले में स्थित है। कुरनूल, हैदराबाद से 308 किमी और विजयवाड़ा से 359 किमी दूर है। इस मंदिर का नाम श्री यांगती उमा महेश्वर मंदिर है। यह मंदिर विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा के लिए जाना जाता है और यहां नंदी जी की मूर्ति के आकार के बढ़ने की घटना के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर का निर्माण 15वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के संगम वंश के राजा हरिहर बुक्का राय द्वारा कराया गया था। इस मंदिर का वास्तुशिल्प वैष्णव परंपरा का पालन करता है, और यह प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला के अद्भुत उदाहरणों में से एक है। यह मंदिर पल्लव, चोल, चालुक्य और विजयनगर शासकों की स्थापत्य कला को दर्शाता है।

नंदी जी की बढ़ती मूर्ति का रहस्य

भगवान शिव के हर मंदिर में नंदी जी की मूर्ति होती है, जो आमतौर पर भगवान शिव के सामने होती है, लेकिन इस मंदिर में स्थित नंदी की मूर्ति एकदम विशेष और चमत्कारी है। यह मूर्ति समय के साथ आकार में बढ़ती जा रही है, और यह घटना किसी चमत्कार से कम नहीं मानी जाती। भक्तों और वैज्ञानिकों का मानना है कि इस मूर्ति का आकार हर 20 साल में लगभग एक इंच बढ़ता है, जिससे मंदिर के खंभों को हटाना पड़ता है। यह रहस्य आज तक किसी वैज्ञानिक या शोधकर्ता के लिए सुलझाया नहीं जा सका है।

इस चमत्कारी घटना को लेकर एक बहुत प्रसिद्ध मान्यता प्रचलित है कि कलयुग के अंत तक यह मूर्ति एक विशाल रूप में जीवित हो जाएगी, और उसी दिन महाप्रलय होगा, जिसके बाद कलयुग का अंत हो जाएगा। यह विचार भक्तों के बीच गहरी श्रद्धा और विश्वास को जन्म देता है और उन्हें यह विश्वास होता है कि भगवान शिव का आशीर्वाद उनके जीवन में हमेशा बना रहेगा।

मंदिर का इतिहास और कथा

इस मंदिर की स्थापना को लेकर एक प्राचीन कथा प्रचलित है, जो इस स्थान को और भी रहस्यमयी बनाती है। कहा जाता है कि इस शिव मंदिर की स्थापना महान ऋषि अगस्त्य ने की थी। ऋषि अगस्त्य भगवान वेंकटेश्वर का मंदिर बनवाना चाहते थे, लेकिन मूर्ति की स्थापना के दौरान मूर्ति का अंगूठा टूट गया। इससे चिंतित होकर अगस्त्य ऋषि ने भगवान शिव की तपस्या की। भगवान शिव उनके समक्ष प्रकट हुए और कहा कि यह स्थान कैलाश के समान है, इसलिए यहां उनका मंदिर बनाना ही उचित होगा। भगवान शिव ने अपनी कृपा से इस मंदिर की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया, और तब से यह स्थान शिव भक्तों के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल बन गया।

कौए क्यों नहीं आते इस मंदिर में?

इस मंदिर से जुड़ी एक और दिलचस्प और रहस्यमयी कथा है, जो इस मंदिर को और भी खास बनाती है। इस मंदिर में कभी भी कौए दिखाई नहीं देते हैं, चाहे जैसे भी मौसम हो। यह घटना भी एक प्राचीन कथा से जुड़ी हुई है, और इसका कारण बताया जाता है कि यह ऋषि अगस्त्य द्वारा दिए गए श्राप के कारण है। कथा के अनुसार, जब ऋषि अगस्त्य तपस्या कर रहे थे, तब कौए उन्हें परेशान कर रहे थे। ऋषि ने उन्हें शांति से ध्यान करने के लिए कहा, लेकिन कौए नहीं माने और उन्हें अधिक तंग किया। इससे नाराज होकर ऋषि ने उन्हें श्राप दिया कि वे इस स्थान पर कभी नहीं आ सकेंगे। तभी से इस मंदिर में कौए कभी दिखाई नहीं दिए, और यह घटना आज भी एक रहस्य बनी हुई है।

ना सिर्फ पितृ दोष, बल्कि आर्थिक तंगी भी दूर करता है ये उपाय

सनातन धर्म में तुलसी को पूजनीय माना जाता है। ये भी मान्यता है जिस घर मे तुलसी पूजन दिवस के दिन होती है वहां फैली दरिद्रता दूर हो जाती है। इस साल तुलसी पूजन दिवस 25 दिसंबर को मनाया जा रहा। इस दिन तुलसी माता की पूजा का एक विशेष विधान है। मान्यता है कि तुलसी की पूजा करने से जीवन के हर संकट से छुटकारा मिलता है और घर में दरिद्रता का असर भी समाप्त हो जाता है।

तुलसी पूजन के दिन विशेष रूप से कुछ चीजें तुलसी में चढ़ाने का महत्व है। इन्हीं में से एक है तिल। आइए, जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश चौरे से तुलसी पूजन दिवस पर तुलसी में तिल चढ़ाने से क्या फायदे होते हैं।

तुलसी पूजन दिवस के दिन तिल चढ़ाने के फायदे

दूर होगी आर्थिक तंगी

तुलसी पूजन दिवस पर तुलसी में तिल चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मकता, संपन्नता, सौभाग्य, सुख-समृद्धि और शांति की स्थापना होती है। घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगता है और तंगी, कर्ज, और अधिक खर्च जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

पितरों का मिलता है आशीर्वाद

तिल को पितरों का आहार माना जाता है। इसके अतिरिक्त, तिल का संबंध शनि देव से भी जोड़ा जाता है। यदि पितृ दोष, शनि दोष, शनि साढ़े साती, या ढैय्या जैसी समस्याओं से मुक्ति चाहिए, तो तुलसी पूजन दिवस के दिन तुलसी में तिल चढ़ाना विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है।

बनी रहेगी मां लक्ष्मी की कृपा

तुलसी में तिल चढ़ाने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है। मां लक्ष्मी की कृपा से धन लाभ के योग बनते हैं और धन में वृद्धि होती है। इसके साथ ही, जो धन कहीं अटका हुआ हो या खो गया हो, वह भी वापस प्राप्त होता है।

होते हैं ग्रह दोष शांत

यह भी माना जाता है कि तुलसी की पूजा से ग्रह शांत होते हैं। यदि आप नियमित रूप से तुलसी में तिल चढ़ाते हैं और विशेष रूप से तुलसी पूजन दिवस पर तिल चढ़ाते हैं, तो इससे ग्रहों की स्थिति बेहतर होती है और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

होती है सौभाग्य में वृद्धि

तुलसी पूजन दिवस पर तुलसी में तिल चढ़ाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। यदि किसी कारण से शुभ कार्यों में देरी हो रही हो या कोई बाधा आ रही हो, तो इस उपाय से वह काम संपन्न हो जाता है।

क्रिसमस की रात लाल स्टॉकिंग्स लटकाने की परंपरा का इतिहास क्या है?

क्रिसमस से एक रात पहले लाल स्टॉकिंग्स टांगने की परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि सांता क्लॉज आकर इन स्टॉकिंग्स में गिफ्ट्स छोड़कर जाते हैं। क्या आप जानते हैं इसके पीछे का कारण तो चलिए जाने-माने इतिहासकार और शिक्षक इशिता मार्टिन से इस परंपरा के बारे में जानते हैं कि ये कहां और कब से शुरू हुई...

संत निकोलस की कहानी

बता दें कि चौथी सदी के आस-पास, तुर्की में एक दयालु व्यक्ति रहते थे, जिनका नाम था संत निकोलस। वे गरीबों की मदद करते थे और गुपचुप तरीके से उन्हें तोहफे भी देते थे। कहा जाता है कि वहां एक व्यक्ति था जो अपनी तीन बेटियों की शादी नहीं कर पा रहा था। जब निकोलस को इस बारे में पता चला, तो वे उसके घर गए और एक लटकती हुई टोकरी में सोने से भरी थैली छोड़ दी।

स्टॉकिंग्स से जुड़ी घटना

उसी दिन, उस गरीब व्यक्ति के घर की चिमनी में लाल रंग की गीली जुराबें सूखने के लिए लटकाई गई थीं। निकोलस ने वह सोने की थैली जुराबों में डाल दी। अगली सुबह, जब उस व्यक्ति ने जुराबें देखीं, तो वे सोने से भरी हुई थीं।

सांता क्लॉज बनने की शुरुआत

उस व्यक्ति ने आखिरी बार निकोलस को सोना देते हुए देखा, लेकिन निकोलस ने हमेशा पीछे रहकर जरूरतमंदों की मदद की और किसी को भी इसके बारे में बताने से मना किया। फिर भी यह बात छुपी नहीं रह सकी। इस घटना के बाद से जब भी किसी को गुप्त तोहफा मिलता, लोग मानते कि वह निकोलस ने दिया है। धीरे-धीरे उन्हें 'सांता क्लॉज' कहा जाने लगा।

आज भी जारी है परंपरा

बच्चों को विश्वास था कि सांता क्लॉज हिरन की गाड़ी में आएंगे और सबके लिए तोहफे छोड़ जाएंगे। इसी वजह से आज भी क्रिसमस से पहले रात को स्टॉकिंग्स लटकाई जाती हैं, ताकि सांता क्लॉज आकर उनमें तोहफे डाल सकें।

करियर को लेकर बोलीं ऋचा चड्ढा, 'कई बार ऐसा लगा कि अब हार मान लेनी चाहिए'

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अली फजल ने इंडस्ट्री में अपनी मेहनत और अभिनय के दम पर एक खास पहचान बनाई है। दोनों ने शादी की। साथ ही अब उनकी एक बेटी भी है। कपल ने स्क्रीन लाइव प्रोग्राम में अपने फिल्मी सफर को लेकर बात की है। ऋचा और अली ने बताया कि वे निराशा की भावनाओं से कैसे निपटते हैं, उन्होंने बताया कि एक समय आया जब उन्हें लगा कि अब हार मान लेनी चाहिए।

हर 6 महीने में हार माननी पड़ती है

ऋचा चड्ढा ने कहा कि करियर में आगे बढ़ने के लिए उन्हें हर 6 महीने में हार माननी पड़ती है। उन्होंने कहा, हर छह महीने में मुझे हार माननी पड़ती है और फिर से शुरुआत करनी पड़ती है।

अली फजल ने कहा, आमिर खान के साथ वे थ्री ईडियट्स फिल्म में पहली बार नजर आईं थीं। ऋचा चड्ढा ने कहा, दिबाकर बनर्जी की फिल्म ओए लकी, लकी ओए में उन्होंने साल 2008 में पहली बार काम किया था। इसके बाद दोनों बॉलीवुड अभिनेता 'फुकरे' फिल्म में साथ नजर आए थे। इसके बाद अली को अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर में नजर आए थे।

निर्माता के तौर पर सामने आए कपल

वर्कफ्रंट की बात करें तो दोनों सितारे 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन सुची तलाती ने किया। फिल्म में सह-निर्माता ऋचा चड्ढा और कार्यकारी निर्माता अली फजल हैं। अगले साल वह एक फिल्म में एक्टिंग करती हुई भी नजर आएंगी। फिल्म 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' में ऋचा अलग तरह का किरदार करने वाली हैं। फिल्म में प्रीति पाणिग्रही और केसव बिनॉय किरण के साथ कनी कुसरुति मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 18 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है।

वरुण धवन ने बताया हिंदी सिनेमा में किन बदलावों की जरूरत, कहा- बॉलीवुड में ऐसे लोगों का दबदबा

वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर सुर्खियों में बने हुए है। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में जोर-शोर से लगे हैं। हाल ही में वरुण ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में किन बदलावों की जरूरत हैं इस पर बात की। वरुण धवन को लगता है कि बॉलीवुड में इस समय ऐसे लोगों का दबदबा है, जिनकी सोच पैन इंडिया नहीं है, बल्कि वह मुंबई तक सीमित है। अभिनेता को लगता है कि कहानी कहने में एक निश्चित गहराई लाने के लिए पूरे भारत से लोगों का बॉलीवुड में शामिल होना जरूरी है।

छोटे शहरों के लोगों को भी आना चाहिए

अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि मुंबई के अलावा कुछ आवाजों को अलग-अलग जगहों से आने की जरूरत है। बड़े 4-5 शहरों, टियर 2 और टियर 3 के अलावा, कुछ आवाजों को आने की जरूरत है। उन्हें वहां से आना होगा। हमें निश्चित रूप से इसकी जरूरत है।

बॉलीवुड में एंट्री लेना मुश्किल

वरुण ने आगे कहा, ₹पहले ऐसा होता था। मुझे लगता है कि अब यह थोड़ा मुश्किल हो गया है। प्रवेश करना। प्रवेश ना करना। अब आप सोच रहे हैं कि क्या मुझे फिल्म इंडस्ट्री में जाना चाहिए? क्या मुझे एक प्रभावशाली व्यक्ति बनना चाहिए? क्या मुझे वहीं कुछ शॉर्ट्स निर्देशित करने चाहिए? या मुझे ओटीटी पर जाना चाहिए? विकल्प सामने आ गए हैं। वरुण ने यह भी कहा कि बॉलीवुड में सत्ता के पदों पर बैठे लोगों को समय के साथ बदलाव की जरूरत को समझना चाहिए और अगर वह ऐसा नहीं कर सकते हैं तो उन्हें सामूहिक रूप से इंडस्ट्री को ऊपर उठाने के लिए कुछ पॉवर छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कोई जबरन घर में घुसा, किसी ने जबरदस्ती किया किस; वरुण धवन ने फैंस की हरकतें की शेयर

रिलेवेंट रहने पर दिया जोर

वरुण धवन ने प्रासंगिक बने रहने की बात पर जोर देते हुए कहा, ₹मैं असभ्य नहीं लगना चाहता, लेकिन हो सकता है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में शक्तिशाली पदों पर बैठे सभी लोग एक निश्चित उम्र तक पहुंच गए हों। वह एक निश्चित उम्र तक पहुंच गए हैं। वह कई वर्षों से यही कर रहे हैं। वह केवल शीर्ष पर हैं। अब वह इसे पहचान नहीं पा रहे होंगे कि समय के साथ बदलना है। हम सभी को यह करना होगा नहीं तो हम प्रासंगिक नहीं रहेंगे। मैं भी प्रासंगिक नहीं रहूंगा।

'गेम चेंजर' के चौथा गाने पर दिल खोलकर थिरके राम चरण और कियारा

'गेम चेंजर' साल 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। एस शंकर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 10 जनवरी को पोंगल के उत्सव के अवसर पर बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की भव्य रिलीज से पहले, निर्माताओं ने इसका चौथा गाना 'धोप' रिलीज कर दिया है। इस पैपी ट्रैक में राम चरण और कियारा आडवाणी की केमिस्ट्री देखते ही बन रही है। बीट्स झूमने पर मजबूर कर देने वाले हैं।

'धोप' पर दिल खोलकर थिरके राम चरण-कियारा

गाने में राम चरण कियारा आडवाणी के साथ अपने बेहतरीन मूव्स दिखा रहे हैं। दोनों ने स्टाइलिश आउटफिट पहनकर नए जोशीले गाने से मंच पर आग लगा दी है। 'धोप' में ऑनस्क्रीन जोड़ी की बेजोड़ केमिस्ट्री और एनर्जी ने सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है। विशेष रूप से, ट्रैक के अंत में अभिनेता के सिंगल डांस मूव्स जबर्दस्त हैं।

नेटिजन्स ने दी प्रतिक्रिया

गाने पर प्रतिक्रिया देते हुए एक नेटिजन ने लिखा, 'यूट्यूब पर इस गाने का धमाल होगा।' दूसरे ने लिखा, 'सुपर डांस स्टेप्स, राम चरण एक लीजेंड डांसर हैं।' इसके अलावा, गाने में राम चरण के बेहतरीन डांस मूव्स के कारण 'ग्रेस गॉड' शब्द भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है।

आयुष्मान और रश्मिका की हॉरर-कॉमेडी 'थामा' में साथ आयेंगे नजर

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'थामा' की आधिकारिक घोषणा की। अब इस फिल्म से जुड़ी एक और अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक परेश रावल के साथ आयुष्मान और रश्मिका ने फिल्म के इंट्रोडक्ट्री सीन शूट किए हैं। कथित तौर पर फिल्म से नवाजुद्दीन सिद्दिकी के किरदार से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और परेश रावल ने 12 दिसंबर, 2024 को रात के शेड्यूल के साथ शूटिंग शुरू की। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की 'थामा', निर्माता दिनेश विजान की हॉरर-कॉमेडी दुनिया की अगली किस्त होगी। फिल्म को अक्तूबर 2024 में ही शुरू किया जाना था, लेकिन इसमें देरी हुई।

कहा जा रहा है कि फिल्म की टीम जनवरी 2025 में लगातार शूटिंग शेड्यूल के लिए दिल्ली में फिर से इकट्ठा हो सकती है। राजधानी में एक महीने की फिल्मांकन के बाद, वह फरवरी 2025 में ऊटी जाएंगे, जहां नवाजुद्दीन सिद्दीकी कलाकारों में शामिल होंगे।

रिपोर्ट्स की माने तो ऊटी के जंगलों में लंबी शूटिंग की योजना बनाई गई है, क्योंकि नवाजुद्दीन के किरदार को जंगल में रहते हुए दिखाया गया है। खलनायक की भूमिका निभाने वाले अभिनेता कॉस्ट्यूम डिजाइनर शीतल शर्मा द्वारा डिजाइन किए गए एक अनोखे लुक में नजर आएंगे। आदित्य सतपोदार के निर्देशन में बनी फिल्म 'थामा' दिवाली 2025 पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना पहली बार एक साथ नजर आएंगे।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ छुट्टियां मना रहीं तृप्ति डिमरी? तस्वीरों ने डेटिंग अफवाहों को दी हवा

साल 2024 की सनसनी रही अभिनेत्री तृप्ति डिमरी को अक्सर अपने रुमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ स्पॉट किया जाता है। दोनों कभी लंच डेट पर नजर आते है और कभी बाइक राइड का आनंद उठाते हुए। हाल ही में दोनों ने यूके कॉट्सवोल्ड्स से छुट्टियों की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। हालांकि, दोनों ने साथ में तस्वीरें पोस्ट नहीं की, लेकिन तस्वीरें में एक जैसी लोकेशन ने प्रशंसकों को यह अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया कि दोनों साथ में छुट्टियां मना रहे हैं।

छुट्टियों का आनंद लेते नजर आईं तृप्ति

तृप्ति डिमरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई तस्वीरें साझा की। एक तस्वीर में वह बकरियों को खिलाती हुई नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह हॉट चॉकलेट का आनंद ले रही हैं। एक अन्य तस्वीर में वह रेस्टोरेंट में पोज दे रही हैं।

सैम ने तृप्ति जैसी तस्वीरें की शेयर

वहीं, सैम मर्चेंट ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उसी तरह की बकरी को खिलाते नजर आ रहे हैं। सैम ने भी उसी टेबल की तस्वीर पोस्ट की, जिस पर तृप्ति ने बैठकर तस्वीर खिंचवाई थी। सैम ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी बकरियों को खाना खिलाते हुए अपनी वही तस्वीर शेयर की, जिससे यह अनुमान और भी बढ़ गया कि दोनों साथ में छुट्टियां मना रहे हैं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में मर्चेंट को सर्दियों के कपड़े पहने हुए और हाथ में ड्रिंक लिए हुए सेल्फी लेते हुए देखा जा सकता है। दोनों के सोशल मीडिया पर एक जैसी तस्वीरें दिखने से उनके डेटिंग की अफवाहों को जोर मिलता है। हालांकि, दोनों ने अपने डेटिंग की अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

तृप्ति डिमरी का वर्क फ्रंट

अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो साल 2024 उनके लिए एक सफल साल रहा। उनकी आगामी फिल्म विशाल भारद्वाज की 'अर्जुन उस्तरा' है। फिल्म में शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में होंगे, जिसकी शूटिंग 6 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाली है। इसके अलावा वह धर्मा प्रोडक्शंस की 'धड़क 2' में नजर आएंगी। अभिनेत्री रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल पार्क' में दिखाई देंगी।

'मैं अध्यात्म की ओर बढ़ गई, मेरी सारी इच्छाएं मर गईं', अपनी लव लाइफ पर बोलीं ममता कुलकर्णी

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने कई सफल फिल्मों में काम किया है। अपने करियर के शीर्ष पर वे अचानक इंडस्ट्री से दूर हो गईं। उनका नाम ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी के साथ जुड़ा। दावे किए गए कि उसके साथ अभिनेत्री ने शादी रचा ली है। मगर, इस मामले में ममता कुलकर्णी ने चुप्पी तोड़ते हुए बताया है कि उन्होंने उससे शादी नहीं की, बल्कि उन्होंने किसी से भी शादी नहीं की। कभी वे विक्की गोस्वामी के साथ रिलेशन में थीं, लेकिन आज की तारीख में वे उसके टच में भी नहीं हैं।

अध्यात्म की तरफ किया रुख

ममता कुलकर्णी हाल ही में करीब 25 साल बाद मायानगरी लौटीं। इन दिनों वे अपनी लाइफ को लेकर खूब खुलासे कर रही हैं। ममता कुलकर्णी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्होंने विक्की गोस्वामी के साथ 2016 में कॉन्टेक्ट खत्म कर दिया। अभिनत्री ने बताया कि वे अब पूरी तरह से आध्यात्मिक राह पर हैं। अब उनके अंदर शादी और प्यार किसी चीज के लिए कोई इच्छा शेष नहीं रह गई है। ममता ने विक्की ललवानी के साथ इंटरव्यू में यह खुलासा किया है।

मर गईं सारी इच्छाएं

ममता कुलकर्णी का नाम ड्रग्स केस में भी आया था। हाल ही में ममता ने कहा, 'मेरा ड्रग वर्ल्ड से कोई नाता नहीं। न ही मैं इन लोगों से मिली हूं। मेरा कनेक्शन विक्की गोस्वामी से था। मैं उससे प्यार करती थी।' ममता कुलकर्णी ने कहा कि उन्हें साल 1996 में ही अध्यात्म की ओर रुझान बढ़ गया। उन्होंने कहा, 'मैं दुबई में थी। विक्की का कॉल आया उसने कहा यहां आओ, मुझसे मि लो । अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं उससे मिली और 12 साल बिताए'। इसके बाद विक्की गिरफ्तारी हो गई। ममता कुलकर्णी ने आगे कहा, 'मैंने सोचा था कि जब तक विक्की जेल से नहीं आएगा मैं भारत नहीं जाऊंगी, लेकिन जब 2012 में वह रिहा हुआ तब उनकी सारी इच्छाएं मर चुकी थीं।

आंतरिक आवाज सुनी और आगे बढ़ गईं

ममता कुलकर्णी ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में बताया कि इसके लिए उन्हें आंतरिक आवाज आई। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ध्यान, तप और पूजा-पाठ की तरफ बढ़ी। एक-एक महीने मैं खाना नहीं खाती थी। मैं बिना खाने के रहती थी। मैंने भगवद्गीता, रामायण सभी वेद पढ़े। मेरे गुरू मुंबई में थे। 2000 में मैंने इंडिया छोड़ दिया। सुबह से लेकर शाम तक मैं एक ही मुद्रा में ध्यान में बैठी रहती थी।

कुंभ स्नान के लिए आ रहीं भारत

ममता कुलकर्णी ने आगे कहा, 'मैंने सोचा था कि जब तक विक्की जेल से नहीं आएगा मैं भारत नहीं जाऊंगी। फिर वह केन्या चला गया। मैं 2012 और 13 के आसपास कुंभ देखने इलाहबाद (अब प्रयागराज) आई। 10 दिन रही और फिर दुबई आ गई। विक्की के केन्या में रहने पर एक-दो बार उससे मुलाकात हुई। उस पर वहां भी आरोप थे।

फिर उससे मुलाकात नहीं हुई। 2016 के बाद से मैं विक्की के टच में नहीं हूं'। अभिनेत्री ने कहा कि 2000 करोड़ रुपये के ड्रग मामले में कोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद वे अब खुश हैं। ममता का कहना है कि वे पूरी तरह से अध्यात्म के रास्ते पर हैं। 2025 में भी वे कुंभ स्नान के लिए भारत आ रही हैं।

शाहरुख से अपने रिश्तों पर खुलकर बोले अभिजीत कहा- हम पति-पत्नी की तरह

अभिजीत भट्टाचार्य बॉलीवुड के मशहूर प्लेबैक सिंगर हैं। उन्होंने 90 के दशक में शाहरुख खान की फिल्मों के कई शानदार गानों को अपनी आवाज दी। हालांकि, दोनों के बीच का मतभेद भी जगजाहिर रहा है। हाल ही में सिगर ने किंग खान के साथ अपने बिगड़ते हुए रिश्ते को सुधारने की इच्छा जाहिर की। अभिजीत ने यह भी कहा कि उदित नारायण, कुमार सानू और अन्य गायकों के गाए गए गाने उनके गाए गए गानों की लोकप्रियता का मुकाबला नहीं कर सकते।

शाहरुख के साथ अपने रिश्तों पर खुलकर की बात

अभिजीत ने शुभांकर मिश्रा के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर अपने और शाहरुख खान के रिश्तों पर खुलकर बात की। सिंगर ने शाहरुख खान के साथ कई हिट गानों पर काम किया है, लेकिन, उनके गानों के क्रेडिट वितरण को लेकर शाहरुख खान के साथ उनका विवाद हुआ और सुपरस्टार के साथ कुछ मुद्दे थे, जिनके बारे में उन्होंने मीडिया के साथ विस्तार से चर्चा की थी। अब कई वर्षों बाद गायक अपने रिश्तों को सुधारने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि शाहरुख और वह एक-दूसरे के लिए आदर्श हैं, जो उनकी केमिस्ट्री और सफल सहयोग को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संगीत के लिए उनका मिलना बहुत जरूरी है।

अभिजीत ने कहा हम पति-पत्नी की तरह

अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा, हम पति-पत्नी की तरह एक-दूसरे के लिए बने हैं। गायक ने यह भी दावा किया कि खान के अन्य गायकों द्वारा बनाए गए नए गाने उनके द्वारा बनाए गए गानों की तरह नहीं हैं। गायक ने यह भी बताया कि ऐसा माना जाता है कि उदित नारायण या कुमार सानू सहित किसी भी गायक के गाने उनके गानों के बराबर नहीं हो सकते। अभिजीत ने कहा, क्या आपको उनके हाल के गाने याद हैं? मेरे बाद, उदित नारायण और कुमार सानू ने उनके लिए गाया, लेकिन गाने कुछ कुछ होता है या डर के बराबर नहीं थे।

शाहरुख से नहीं ये अच्छे संबंध

अभिजीत ने आगे बताया कि उनके और शाहरुख खान के बीच कभी बहुत घनिष्ठ संबंध नहीं रहे और वह म्यूजिक लॉन्च या उनकी फिल्मों से संबंधित अन्य कार्यक्रमों में मिले, क्योंकि वह बॉलीवुड पार्टियों में शामिल नहीं होते हैं। सिंगर ने शाहरुख खान की कई हिट फिल्मों के लिए हिट गाने गाए हैं, जैसे 'मैं हूं ना' से तुम्हें जो मैंने देखा, 'चलते-चलते' से 'तौबा तुम्हारे इशारे' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से 'जरा सा झूम लूं मैं'।

कहीं आप अति सतर्कता के शिकार तो नहीं? इसकी अधिकता तनाव को बढ़ाती है

अकादमिक और पेशेवर जीवन में काम का दबाव बना रहता है। ऐसे माहौल में चौकस और सतर्क रहने को अक्सर सफलता की चाबी माना जाता है, लेकिन कभी-कभी यह सतर्कता, अति सतर्कता (हाइपरविजिलेंस) में बदल जाती है। इससे उत्पादकता के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। अगर आपको भी ऐसा लगता है कि आप काम के दौरान हमेशा तनाव में रहते हैं, तो हो सकता है आप भी अति-सतर्कता

के शिकार हों।

ऐसे में स्थितियां आपके लिए काफी कठिन हो जाती हैं और काम करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति के संकेतों को पहचानना सीखें और जीवन में संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक तरीके खोजें। इससे आप अपने मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाए बिना कामयाबी हासिल कर सकते हैं।

अति सतर्कता को समझें

अति सतर्कता या हाइपरविजिलेंस के कारण लोग खुद को थका हुआ और चिंतित महसूस करते हैं। यह अक्सर व्यक्तिगत असुरक्षा, पिछले अनुभवों या उच्च दबाव वाले कार्य वातावरण में काम करने के कारण होता है। इसके अलावा, यह शारीरिक, मानसिक या मनोवैज्ञानिक स्थितियों के साथ-साथ सामाजिक और पारिवारिक कारणों से भी हो सकता है। यह इंसान के निर्णय लेने की क्षमता और प्रदर्शन को भी काफी हद तक प्रभावित करता है।

उत्साह को बनाए रखें

अपने जुनून को बरकरार रखते हुए समस्याओं को हल करने के लिए आपको कठिन परिस्थितियों में खुद को संभालने के तरीकों को जानना होगा। स्वयं को उन कार्यों में व्यस्त रखें, जिनसे आपको तार्किक और योजनात्मक बनने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने में मदद मिले। कार्यस्थल पर अपने उत्साह को बनाए रखने के लिए अपने सहकर्मियों या प्रबंधक से उत्साहपूर्ण सवाल पूछें। ऐसे सवाल आपके जीवन में टकराव के बजाय जिज्ञासा पैदा करने में मदद कर सकते हैं।

वैकल्पिक मार्ग का विकल्प

यदि आप किन्हीं कारणों से अपने काम में सहजता महसूस नहीं कर रहे हैं, तो आपको इस स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक मार्ग की तलाश करनी होगी। ऐसी किसी भी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए अपने विचारों पर काम करें। आपके विचार आपसे भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं, जो नकारात्मक या सकारात्मक, दोनों हो सकते हैं। नकारात्मक विचारों से खुद को बाहर निकालने के लिए रचनात्मक तरीकों और सकारात्मक विचारों को अपनाएं।

खुशहाल वातावरण बनाएं

अति सतर्कता से बचने के लिए अपने आस-पास के वातावरण को उद्देश्यपूर्ण तरीके से डिजाइन करना जरूरी है। आपका व्यवहार आपकी चिंता को कम कर सकता है। अपने दिमाग को तरोताजा और कठिन परिस्थितियों में खुद को शांत रखने के लिए आप धीरे-धीरे लंबी सांस लें। इसके अलावा, दैनिक दिनचर्या में व्यायाम, ताजी घास पर नंगे पैर चलना या गाने गुनगुनाने जैसी सरल प्रक्रियाओं को शामिल करें।

कृषि में 'ड्रोन टैक्नोलॉजी'

रोबोटिक्स और ड्रोन टैक्नोलॉजी भी आजकल बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यही तकनीक खासतौर पर बड़ी जोत के खेतों में खाद के इस्तेमाल और कीटनाशकों के छिड़काव में अत्यंत उपयोगी है।

रोबोटिक्स और ड्रोन तकनीक से एक दवा का छिड़काव किया जा सकता है और इसमें किसानों का दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और भूजल को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्टनसेंस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रेसिजन हॉक, रोबोप्लांट, आईबैक्स ऑटोमेशन, त्रिथि रोबोटिक्स इत्यादि इस सैक्टर की महत्वपूर्ण एग्रीटैक स्टार्टअप कम्पनियां हैं। कृषि उद्यमिता की चुनौतियां : यह सही है कि पिछले करीब एक दशक में एग्री स्टार्टअप कम्पनियों की बाढ़ आ गई है और इनमें विदेशी फंड जमा कर पैसा लगा रहे हैं लेकिन इनके लिए कृषि उद्यमिता की राह आसान नहीं है।

मुनाफा कमाना किसी भी कारोबार के एकड़ खेत में सिर्फ 6 मिनट में लिहाज से महत्वपूर्ण होता है। इसी तरह शिक्षा और जागरूकता दूसरा फैक्टर है, जिससे कोई भी नया उद्यमी किसानों के साथ कारोबार करने में हिचकिचाता है। किसान गरीब और कम शिक्षित होने के कारण शून्य जोखिम पर काम करना चाहता है। ऐसे में उसे किसी भी नए उत्पाद या सेवा के लिए तैयार करना कठिन होता है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-2 की भर्ती, 600+ पदों पर होगा चयन

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने देश भर के विभिन्न ईएसआईसी अस्पतालों और डिस्पेंसरियों में बीमा चिकित्सा अधिकारियों के लिए बड़ी संख्या में रिक्तियों की घोषणा की है। इस भर्ती अभियान के माध्यम से बीमा चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-2 के 600 से अधिक पदों को भरा जाएगा। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने 608 बीमा चिकित्सा अधिकारी ग्रेड- II (IMO Gr.- II) पदों के लिए भर्ती की घोषणा की है। इन पदों के लिए इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट (esic.gov.in) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन जल्द ही शुरू होगी और 31 जनवरी, 2025 तक जारी रहेगी। इस भर्ती अभियान का लक्ष्य कुल 680 पदों को भरना है।

रिक्तियां कुल : 608

कौन कर सकता है आवेदन?

उम्मीदवारों के पास भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 के तहत मान्यता प्राप्त एमबीबीएस की डिग्री होनी चाहिए और अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप पूरी करनी चाहिए।

2022 और 2023 के लिए सीएमएसई की सूची में आने वाले उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। इन पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष है, जिसमें एससी, एसटी, ओबीसी, पीडब्ल्यूडी और भूतपूर्व सैनिक श्रेणियों के लिए सरकारी मानदंडों के अनुसार आयु में छूट है।

ऐसे होगा चयन

ईएसआईसी आईएमओ भर्ती 2024 के लिए चयन प्रक्रिया सीएमएसई 2022 और सीएमएसई 2023 प्रकटीकरण सूचियों पर आधारित होगी। पात्र उम्मीदवारों को ईमेल के माध्यम से संचार प्राप्त होगा, जिसमें उन्हें बीमा चिकित्सा अधिकारी (आईएमओ) ग्रेड- II पद के लिए आवेदन करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। आवेदनों की समीक्षा करने और यूपीएससी द्वारा आयोजित सीएमएसई-22 और सीएमएसई-23 परीक्षाओं के उम्मीदवारों के अंकों पर विचार करने के बाद एक मेरिट सूची तैयार की जाएगी। उम्मीदवारों का चयन मेरिट सूची में उनके स्थान के आधार पर किया जाएगा।

इतना मिलेगा वेतन

चयनित उम्मीदवारों के लिए वेतनमान लेवल-10 (56,100 रुपये - 1,77,500 रुपये) है, साथ ही गैर-अभ्यास भत्ता भी है।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट (esic.gov.in) पर जाएं और भर्ती अधिसूचना अनुभाग पर जाएं।ऑनलाइन आवेदन करें पर क्लिक करें और पंजीकरण फॉर्म खोलें। क्रेडेंशियल बनाने के लिए अपने मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और अन्य विवरण के साथ पंजीकरण करें।

लॉग इन करके आवेदन पत्र पूरा करें और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन शुल्क का भुगतान करें, फॉर्म जमा करें और उसका एक प्रिंट आउट अपने पास रख लें।

सफलता का सही उपयोग करें

अपने विषय की अच्छी जानकारी, कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और भरपूर उत्साह से सम्पन्न होते हुए भी ऐसा देखा जाता है कि कुछ लोग अपने जीवन में वह सफलता अर्जित नहीं कर पाते हैं जो कई मायनों में उनसे कमतर लोग हासिल कर लेते हैं। ऐसी स्थिति में व्यावसायिक योग्यता और दक्षता के बावजूद विफल लोगों के पास कुंठित होकर कुढ़ते रहने के अलावा कोई और चारा नहीं बचता। हालांकि, अगर थोड़ी समझदारी से काम लें और कारणों की तलाश करें तथा अपने विकास के लिए तत्पर हों तो वे भी थोड़ी देर से सही परंतु सफल हो सकते हैं।

दक्षता का सही उपयोग

सफल लोग कोई अलग काम नहीं करते हैं, वह बस वह हर काम अलग तरह से करते हैं। गौर से देखें तो योग्य लोगों के विफल होने के पीछे वजह उनकी दक्षता नहीं बल्कि सिर्फ अपनी दक्षता के प्रस्तुतिकरण में कमी होती है। इन सामान्य बातों को न सीख पाने से कहीं न कहीं आपका व्यक्तित्व कमजोर बनता है। आमतौर पर देखा जाता है कि व्यक्तित्व की कमजोरियों की वजह से बार-बार समाज में अस्वीकार किए जाने के बाद लोग हताश हो जाते हैं। फिर वही लोग कहने लगते हैं कि क्या करें ? अब हम तो ऐसे ही हैं लेकिन नहीं साहब, आपका ऐसे ही होना कोई नियति नहीं है और अगर आप समझदारी से काम लें तो अपने होने के तौर-तरीकों को थोड़ा बदल लेने में कोई नुक्सान भी नहीं है। व्यक्तित्व में बदलाव का अर्थ कोई अस्तित्व में बदलाव नहीं है बल्कि यह आपके विकास की प्रक्रिया का एक हिस्सा है।

'लाइट वेट लहंगा' कम्फर्ट के साथ स्टाइल

शादी-विवाह के अवसरों पर महिलाओं की फेवरेट लिस्ट में लहंगा नंबर एक पर होता है। वह जमाना और था जब महिलाएं भारी-भरकम कपड़े पहनना अपनी शान समझती थीं। इन दिनों हैवी की जगह लाइट वेट लहंगों का बोलबाला है, जिन्हें कैरी करना बेहद आसान है। चलिए नजर डालते हैं ब्राइट कलर्स के कुछ लहंगों पर, जिन्हें पहन कर आप स्टाइलिश तो नजर आएंगी ही और सहज भी महसूस करेंगी। बस ध्यान रखें कुछ भी ट्राई करने से पहले अपना कम्फर्ट जरूर देख लें।

बांधनी प्रिंट लहंगा

अपने लुक को ग्लैमराइज करने के लिए बांधनी प्रिंट लहंगे को अपने वॉर्डरोब का हिस्सा बनाएं। इस तरह के लहंगे के साथ आप दुपट्टा कैरी कर सकती हैं या फिर जैकेट भी पहन सकती है। आजकल लहंगे के साथ जैकेट पहनने का अलग ही क्रेज देखा जा रहा है।

करिश्मा कपूर का ग्रीन क्रॉप ब्लाऊज और हैंडघंट वाला यह लहंगा किसी की भी सुंदरता में चार चांद लगा देगा। इस तरह का पैटर्न खासकर शादी से पहले होने वाले हल्दी व मेहंदी फंक्शन के लिए चुना जा सकता है। इस लहंगे पर हुए फ्लोरल वर्क की वजह से इसका लुक और भी ज्यादा खूबसूरत दिखता है। आप चाहे तो लोकल डिजाइनर की मदद से भी इसे कस्टमाइज करवा सकती हैं।

ऑफ व्हाइट लहंगा

इन दिनों ऑफ व्हाइट कलर काफी पसंद किया जाने लगा है। व्हाइट में चुनने के लिए ऑफ व्हाइट से लेकर सिल्वर व्हाइट और आइवरी तक कई शेड्स हैं। सफेद एक ऐसा रंग है जिसे किसी भी अन्य रंग के साथ मैच किया जा सकता है। अगर आप लाइट कलर के लहंगे की तलाश में हैं तो इस लुक से आइडिया ले सकती है। लहंगा खरीदने से पहले इसे पहनकर जरूर देखें। जरूरी नहीं कि जो देखने में अच्छा लगे वह आप पर सूट भी करे।

व्हाइट और पैलो का कॉम्बिनेशन

ऑफ व्हाइट और यैलो कलर के कॉम्बिनेशन वाला यह लहंगा कियारा आडवाणी पर काफी

सूट किया था। डे फंक्शन के लिए इस तरह का आऊटफिट परफैक्ट रहेगा। आप चाहें तो दुपट्टे की तरह चोली भी डिफरेंट कलर की कैरी कर सकती हैं। लहंगे के कलर को ध्यान में रखते हुए मेकअप लाइट ही रखें।

चिकनकारी लहंगा

आलिया भट्ट, अथिया शेट्टी जैसी अभिनेत्रियां चिकनकारी लहंगों में सजी नजर आ चुकी हैं। अगर आपको बहुत ज्यादा डार्क कलर्स पसंद नहीं हैं, तो आलिया का यह लहंगा आपके लिए परफैक्ट रहेगा। हेयरस्टाइल की बात करें तो इसके साथ 'साइड ब्रेडेड बन या 'सिंपल मेसी बन' स्टाइल के जुड़े बनाए जा सकते हैं।

कलरफुल लहंगा

इंडियन और वैस्टर्न आऊटफिट्स का परफैक्ट कॉम्बिनेशन है शिल्पा शेट्टी का यह लहंगा। श्री पीस सैघरेट सैट वाला यह लहंगा स्प्रिंग और मॉनसून सीजन की वाइब्स दे रहा है। ए- लाइन वाली इस हैंड एंब्रॉयडर्ड स्कर्ट पर ग्रीन, पिक और नारंगी रंग बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। साथ में शेयर प्रिंटेड दुपट्टा इसकी खूबसूरती को बढ़ाने का काम कर रहा है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर के पदों पर भर्ती

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने स्पेशलिस्ट ऑफिसर के पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इस भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत 21 दिसंबर 2024 से होगी, और आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। पात्र अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट ippbonline.com. के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले पात्रता मापदंड और अन्य दिशा-निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी जाती है।

: रिक्ति विवरण

इस प्रक्रिया के तहत कुल 68 पदों पर भर्ती की जाएगी। विभिन्न पदों का विवरण इस प्रकार है:

असिस्टेंट मैनेजर (आईटी): 54 पद

मैनेजर (आईटी पेमेंट सिस्टम): 1 पद

मैनेजर (आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क और क्लाउड): 2 पद

मैनेजर (आईटी एंटरप्राइज डाटा वेयरहाउस): 1 पद

सीनियर मैनेजर (आईटी पेमेंट सिस्टम): 1 पद

सीनियर मैनेजर (आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क और क्लाउड): 1 पद

सीनियर मैनेजर (आईडी वेंडर और आउटसोर्सिंग कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट): 1 पद

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट: 7 पद

आवेदन शुल्क और प्रक्रिया

अभ्यर्थियों को आवेदन के दौरान 700 रुपये का शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य होगा।

नोट: यह शुल्क पिछले वर्ष के आधार पर तय किया गया है। यदि इसमें कोई संशोधन होता है, तो विस्तृत अधिसूचना जारी होने पर इसे अपडेट किया जाएगा। अधूरी या बिना शुल्क जमा किए गई आवेदन फॉर्म स्वतः ही रद्द कर दिए जाएंगे।

आवेदन कैसे करें?

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक भर्ती के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया:

आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं: ippbonline.com।

करियर सेक्शन पर क्लिक करें: होमपेज पर ₹Career₹ लिंक का चयन करें और ₹Apply Now₹ बटन पर क्लिक करें।

पंजीकरण करें:

₹Click here for New Registration₹ पर क्लिक करके आवश्यक विवरण भरें।

यूजर आईडी और पासवर्ड बनाएं।

डिटेल भरें:

आवेदन फॉर्म में सभी आवश्यक जानकारी जैसे व्यक्तिगत विवरण, शिक्षा योग्यता आदि भरें। हस्ताक्षर और फोटोग्राफ अपलोड करें।

शुल्क जमा करें:

निर्धारित आवेदन शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा करें।

फॉर्म सबमिट करें और प्रिंट लें:

फॉर्म को अंतिम रूप से सबमिट करें और उसका प्रिंटआउट भविष्य में संदर्भ के लिए सुरक्षित रखें।

महत्वपूर्ण बातें

आवेदन पत्र भरने से पहले अभ्यर्थी पात्रता और अन्य शर्तें जांच लें।

यह सुनिश्चित करें कि फॉर्म में दी गई सभी जानकारी सही और पूर्ण हो। अंतिम तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया को पूरा करना अनिवार्य है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक द्वारा यह भर्ती अवसर युवाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का मौका प्रदान करती है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार इस मौके का लाभ उठाकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

'एन्वायरनमेंटल साइंस' में रोजगार के अवसर

आज के वैज्ञानिक युग में नित नए अनुसंधानों द्वारा मानव अपनी हर इच्छा को साकार कर रहा है। इसके विपरीत, इन वैज्ञानिक आविष्कारों के हानिकारक लक्षणों के कारण मानव जीवन की परेशानियां भी बढ़ी हैं। मानव विकास के लिए स्वच्छ वातावरण आवश्यक है। पेड़-पौधे, जल, मिट्टी, वायुमंडल एवं अन्य प्राकृतिक संसाधन सभी मिल कर संतुलित चक्र के रूप में जो स्वस्थ वातावरण निर्मित करते हैं, उसे ही पर्यावरण कहते हैं। पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ है परि आवरण अर्थात हमारे चारों ओर छाया हुआ आवरण।

प्रदूषित पर्यावरण की समस्या से आज सम्पूर्ण विश्व चिंतित है। पर्यावरण संरक्षण, प्रबंधन और जन-जागृति से संबंधित अनेक कार्य हैं, जिनमें रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं- पर्यावरण इंजीनियर, वैज्ञानिक, स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्त्ता, परामर्शदाता, कानूनविज्ञ, सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण, मशीन एवं तकनीक के क्षेत्र द्वारा स्वच्छ वातावरण बनाने में योगदान देकर आजीविका कमाई जा सकती है। वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं।

पर्यावरण इंजीनियरिंग में विभिन्न पाठ्यक्रम :

बी.ई/बी.टैक पाठ्यक्रम पर्यावरण इंजीनियरिंग में बी.ई./बी. टैक पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कालेजों में प्रवेश हेतु साधारणतः भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित विषयों के साथ-साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होनी जरूरी है। इसके अतिरिक्त इंजीनियरिंग में दाखिले हेतु कई स्थानों पर प्रवेश परीक्षा भी ली जाती है, जिसमें मैरिट के आधार पर चयन किया जाता है।

एम.ई./एम.टैक: पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्नातक पाठ्यक्रम (बी.ई./बी. टैक पर्यावरण) करने के पश्चात एम.ई. अथवा एम. टैक (पर्यावरण विज्ञान) में किया जा सकता हैं। ये पाठ्यक्रम कुछ स्थानों पर पूर्णकालिक हैं तो कुछ स्थानों पर अंशकालिक भी हैं। अंशकालिक पाठ्यक्रम को सामान्य कार्यों/ अन्य रोजगार करते हुए भी किया जा सकता है।

पर्यावरण में अन्य पाठ्यक्रम पर्यावरण विज्ञान में इंजीनियरिंग के अतिरिक्त एम.एस.जी. (पर्यावरण विज्ञान) तथा कई प्रकार के डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी विभिन्न संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों में सामान्यतः जीव विज्ञान विषयों वाले प्रत्याशियों का ही चयन किया जाता है।

एम.एससी. पाठ्यक्रम इसके लिए न्यूनतम योग्यता सामान्यताः बी.एस.सी. बायोलाजी / लाइफ साइंस है।

- पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी.
- मुम्बई विश्वविद्यालय, एम.जी. रोड, फोर्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र
- पर्यावरण शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (भारतीय विद्यापीठ) पुणे, महाराष्ट्र

विद्याविहार, रायबरेली रोड, लखनऊ - महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय अजमेर, राजस्थान)

- पांडिचेरी विश्वविद्यालय आर. वेंकटरमन नगर, कलापेट, पांडिचेरी एम.एससी. पारिस्थितिकी
- वन अनुसंधान संस्थान डीड यूनिवर्सिटी, पो. आफिस न्यू फॉरेस्ट, देहरादून, उत्तराखंड एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान एवं पारिस्थितिकी)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम :

इंडियन इंस्टीच्यूट आफ मैनेजमैंट, श्री चंद्रशेखर सरस्वती विद्यापुरम प्लाट-1, ई-सैक्टर-5, नेरुल, नवी मुम्बई में प्राकृतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर या इंजीनियरिंग में नए स्नातकों/ प्राकृतिक विज्ञान में योग्यता रखने वाले पेशेवर लोगों के लिए पर्यावरण प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

टिप्लीकेन डाकघर, चेन्नई

इन पाठ्यक्रमों के अलावा आई.आई.एफ.एम. भोपाल, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून एवं इग्नू विश्वविद्यालय (दूरस्थ शिक्षा) आदि के द्वारा भी पर्यावरण विषयक अनेक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। एन्वायरनमैंटल साइंस के फील्ड में अधिक से अधिक युवाओं द्वारा रुचि लेना जरूरी है क्योंकि पर्यावरण के प्रति आमजन में चेतना जाग्रत करने हेतु इस दिशा में अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

आज 71,000 युवाओं को ज्वॉइनिंग लेटर सौंपेंगे प्रधानमंत्री मोदी, देंगे सरकारी जॉब

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में 2 सालों से रोजगार मेला के जरिए लाखों युवाओं को सरकारी जॉब दिए जा चुके हैं और इसी कड़ी में साल 2024 का आखिरी रोजगार मेला आयोजित होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को भर्ती अभियान 'रोजगार मेला' के तहत करीब 71,000 युवाओं को ज्वॉइनिंग लेटर सौंपेंगे। प्रधानमंत्री इस मौके पर युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित भी करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

किस वक्त पर सौंपे जाएंगे ज्वॉइनिंग लेटर

नए नियुक्त गए 71 हजार रिक्रूटर्स को सोमवार की सुबह 10.30 बजे

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ये ज्वॉइनिंग लेटर सौंपेंगे।

रोजगार मेले के जरिए लाखों युवाओं को मिले नौकरी के मौके

रोजगार मेले की शुरुआत 22 अक्टूबर 2022 को हुई थी। हाल में संसद के शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) में सरकार ने बताया था कि रोजगार मेले के जरिए अब तक कई लाख युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

पीएमओ ने दी अहम जानकारी

पीएमओ ने कहा कि रोजगार पैदा करने को मुख्य प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पूरी करने की दिशा में यह रोजगार मेला बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। पीएमओ ने कहा, 'यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्म सशक्तीकरण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।'

रोजगार मेला देश भर में 45 जगहों पर आयोजित होगा

यह रोजगार मेला देश भर में 45 जगहों पर आयोजित किया जाएगा और चुने गए अभ्यर्थियों को केन्द्र सरकार के कई मंत्रालयों और विभागों में जॉइनिंग कराई जाएगी। इनमें गृह मंत्रालय, इंडियन पोस्ट डिपार्टमेंट, हाई ऐजूकेशन डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय एंड फाइनेंशियल सर्विसेज डिपार्टमेंट शामिल हैं। रोजगार मेला के जरिए 2 सालों से सरकारी नौकरियों के ज्वॉइनिंग लेटर देश के लाखों युवाओं को दिए जा चुके हैं और इसके लिए पहले से ही प्रक्रिया चालू हो जाती है। रोजगार मेला के लिए समय और युवाओं को इसके लिए तैयार होने के लिए जानकारी पहले ही दी जा चुकी है।

आईओसीएल ने 15 साल बाद शुरू की जांच, अब कठघरे में होगी ये अमेरिकी कंपनी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने अमेरिका की एक विशेष रसायन कंपनी पर 15 साल पहले उसके अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि आरोपों के मुताबिक, अमेरिकी फर्म ने उत्प्रेरक (कैटालिस्ट) की आपूर्ति का ठेका हासिल करने के लिए रिश्वत दी।अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) के 28 सितंबर, 2023 को जारी आदेश के अनुसार तेल रिफाइनरियों के संचालन में उपयोग किए जाने वाले उत्प्रेरकों को बनाने वाली वैश्विक विशेष रसायन आपूर्तिकर्ता एल्बेमर्ले कॉरपोरेशन ने कथित तौर पर आईओसी के व्यवसाय से संबंधित भारतीय मध्यस्थ कंपनी को लगभग 11।4 लाख अमेरिकी डॉलर का कमीशन दिया। आदेश के मुताबिक, कंपनी ने 2009 और 2011 के बीच उस व्यवसाय से लगभग 1।11 करोड़ डॉलर का लाभ हासिल किया। एल्बेमर्ले को 2017 में अमेरिकी अधिकारियों ने रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़ा था। कंपनी ने मुकदमे से बचने के लिए 2023 में 19।8 करोड़ डॉलर से अधिक का जुर्माना देकर मामले का निपटारा कर लिया। आईओसी ने शेयर बाजार को बताया कि वह इस मामले में कोई पक्ष नहीं है और न ही कंपनी के खिलाफ अमेरिकी एसईसी की कार्यवाही में उसपर कोई आरोप है।

कंपनी ने कहा कि उसने इस घटना के संबंध में एक आंतरिक तथ्य-खोज समीक्षा शुरू की है, ताकि इन आरोपों से जुड़े तथ्यों को अच्छी तरह से समझा जा सके। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), जिसे आमतौर पर इंडियन ऑयल के नाम से जाना जाता है, भारत की सबसे बड़ी सरकारी तेल और गैस कंपनियों में से एक है।

हर्षद मेहता स्कैम की तरह हुआ देश को हिला देने वाला एक और घोटाला!

एसईबीआई ने इस फ्रंट-रनिंग स्कीम का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के इक्विटी डीलर सचिन बकुल दागली और आठ अन्य संस्थाओं की मिलीभगत से चल रही एक फ्रंट-रनिंग योजना का पर्दाफाश किया है। इस योजना के तहत इन संस्थाओं ने अवैध रूप से 21।16 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। सेबी का कहना है कि यह पूरा खेल तीन साल से अधिक समय से चल रहा था। सेबी ने शुक्रवार को एक अंतरिम आदेश जारी कर सचिन बकुल दागली और अन्य आठ संस्थाओं को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया और उनके द्वारा अर्जित अवैध लाभ को जब्त कर लिया।

सेबी की जांच में क्या निकला

सेबी ने जांच में पाया कि पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (बिग क्लाइंट) द्वारा किए गए ट्रेड्स के संदिग्ध फ्रंट-रनिंग की योजना कुछ संस्थाओं ने बनाई थी। इसका उद्देश्य यह समझना था कि क्या इन संस्थाओं ने अन्य डीलरों और फंड मैनेजरों की मिलीभगत से बिग क्लाइंट के ट्रेड्स का लाभ उठाया और सेबी अधिनियम और पीएफयूटीपी (प्रतिबंधित धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार प्रथाएं) विनियमों का उल्लंघन किया। जांच का समय 1 जनवरी 2021 से 19 जुलाई 2024 तक रखा गया। इस दौरान यह पता चला कि पीएनबी

मेटलाइफ के अधिकांश ट्रेडिंग निर्णय सचिन दागली के हाथों में थे।

गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग

सेबी ने खुलासा किया कि सचिन बकुल दागली (इक्विटी डीलर, पीएनबी मेटलाइफ) और उनके भाई तेजस दागली (इक्विटी सेल्स ट्रेडर, इन्वेस्टेक) ने पीएनबी मेटलाइफ और इन्वेस्टेक के संस्थागत ग्राहकों के ट्रेड ऑर्डर्स से संबंधित गोपनीय जानकारी हासिल की। इस जानकारी का उपयोग कर उन्होंने संदीप शंभारकर को यह जानकारी साझा की, जिन्होंने इसे धनमाता रियल्टी प्रा। लि। (डीआरपीएल), वर्थी डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा। लि। (डब्ल्यूडीपीएल) और प्रग्नेश संघवी के खातों के माध्यम से फ्रंट-रनिंग ट्रेड्स में प्रयोग किया।

तीन साल तक चलती रही योजना

सेबी ने नोट किया कि डीआरपीएल, डब्ल्यूडीपीएल और प्रग्नेश संघवी के खातों के माध्यम से कुल 6,766 फ्रंट-रनिंग ट्रेड्स किए गए। इस प्रक्रिया में 21,15,78,005 रुपये का अवैध लाभ कमाया गया।

शादी में 5 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च करेंगे जेफ बेजोस, जानें कौन हैं उनकी नई पत्नी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस जल्द ही अपनी मंगेतर लॉरेन सांचेज़ के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। यह शादी कोलोराडो के एस्पेन शहर में आयोजित होगी और इसे अब तक की सबसे भव्य शादियों में से एक माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शादी का खर्च लगभग 600 मिलियन डॉलर यानी 5096 करोड़ रुपये तक हो सकता है।

कब होगी शादी?

न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज की शादी अगले शनिवार को आयोजित की जाएगी। हालांकि, अब तक शादी की तारीख को लेकर बेजोस या सांचेज की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शादी में कौन-कौन होगा शामिल?

इस भव्य शादी में कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी में बिल गेट्स, लियोनार्डो डिकैप्रियो और जॉर्डन की क्वीन रानिया जैसी शख्सियतें शामिल हो सकती है

शादी का भव्य आयोजन

पार्टी प्लानर्स को इस ग्रैंड इवेंट की तैयारी के लिए नॉन-डिस्क्लोज़र एग्रीमेंट (गोपनीयता समझौता) साइन करना पड़ा है, ताकि शादी से जुड़ी पूरी जानकारी सार्वजनिक न हो सके। एस्पेन में आयोजित इस शादी को खास बनाने के लिए पूरी दुनिया से चुनिंदा चीजें मंगवाई जाएंगी। एक एस्पेन वेडिंग प्लानर ने बताया कि दंपति के पसंदीदा केक पेरिस से मंगवाए जाएंगे, हेयर स्टाइलिस्ट न्यूयॉर्क से बुलाया जाएगा और उनकी पसंदीदा म्यूज़िक बैंड भी समारोह में परफॉर्म करेगी।

लॉरेन सांचेज कौन हैं?

लॉरेन सांचेज़ एक फेमस जर्नलिस्ट, टीवी होस्ट और हेलीकॉप्टर पायलट हैं। वह 2023 से जेफ बेजोस के साथ रिश्ते में हैं। इस शादी को विंटरलैंड थीम पर सजाया जाएगा, जो इस सीजन की सबसे यादगार शादी बन सकती है। यह शादी न केवल जेफ बेजोस की जीवनशैली और प्राथमिकताओं को दिखाएगी, बल्कि इसे यादगार बनाने के लिए किए गए इंतजाम शादी समारोहों के लिए एक नया मानक स्थापित कर सकते हैं।

खुश हैं लॉरेन सांचेज

लॉरेन सांचेज़ ने अपनी शादी को लेकर उत्साह ज़ाहिर किया है। 'द टुडे शो' में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि किताब के प्रचार और अन्य कामों के कारण उनके पास बहुत कम समय बचा है। हालांकि, शादी की तैयारी के लिए उन्होंने पिंटरेस्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर ड्रेस के आइडियाज ढूंढने की बात स्वीकार की।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु मे	धनु----	08-13 बजे
चंद्र-	कन्या मे	मकर...	08-19 बजे
मंगल	कर्क मे	कुंभ -	10-10 बजे
बुध-	वृश्चिक मे	मीन-	11-46 बजे
गुरु-	वृष मे	मेष---	13-24 बजे
शुक्र-	मकर मे	वृष---	15-09 बजे
शनि-	कुंभ मे	मिथुन	17-10 बजे
राहु-	मीन मे	कर्क...	19-22 बजे
केतु-	कन्या मे	सिंह---	21-34 बजे
		कन्या---	23-41 बजे
		तुला----	01-46 बजे
		वृश्चिक...	03-56 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-40 सूर्यास्त. - 17-44
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच में मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी . 17-07 तक उपरान्त नवमीं
मास - पौष कृष्ण , सोमवार 23 December
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 09-08 तक उपरान्त हस्त
योग - सौभाग्य 19-53 तक उप शोभन
करण- कौलव 17-07 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - किसान दिवस

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:07 से 09:30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:46 - 08:07 शुभ	चंचल..	17:44 - 19:24 शुभ
काल.	08:07 - 09:30 अशुभ	रोग	19:24 - 21:01 अशुभ
शुभ.	09:30 - 10:53 शुभ	काल	21:01 - 22:38 अशुभ
रोग	10:53 - 12:15 अशुभ	लाभ.	22:38 - 00:16 शुभ
उत्पात	12:15 - 13:38 अशुभ	उत्पात	00:16 - 91:53 अशुभ
चंचल	13:38 - 15:01 शुभ	शुभ.	01:53 - 03:30 शुभ
लाभ	15:01 - 16:24 शुभ	अमृत	03:30 - 05:07 शुभ
अमृत	16:24 - 17:44 शुभ	चंचल.	05:07 - 06:46 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है , तो आपको अपने करियर के संदर्भ में कीमत चुकानी पड़ सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यों में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योंकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है । कार्यस्थल पर प्रबंधन आपके काम से बहुत प्रभावित है और आपको पदोन्नति भी मिल सकती है!

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरुरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए , न केवल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित बल्कि अपने सहकर्मियों का समर्थन हासिल करना भी बहुत आवश्यक है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करें । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव ८ उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विदेशी निवेशकों ने फिर स्टॉक मार्केट में की भारी बिकवाली, 976 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में 2022 के बाद सबसे बड़ी बिकवाली रही। बाजार में इनती बड़ी गिरावट की वजह विदेशी निवेशक रहे। दरअसल, लगातार दो सप्ताह तक खरीदार रहने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों से 976 करोड़ रुपये निकाले हैं। मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी में 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि।के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की। पहले दो कारोबारी सत्रों (16-20 दिसंबर) के दौरान उन्होंने शेयरों में 3,126 करोड़ रुपये का निवेश किया। हालांकि, बाद में उनके रुख में बदलाव आया और उन्होंने तीन सत्रों में 4,102 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की। इस तरह सप्ताह के दौरान उन्होंने शुद्ध रूप से 976 करोड़ रुपये की निकासी की। हालांकि, इसके बावजूद दिसंबर में एफपीआई का रुख सकारात्मक बना हुआ और उन्होंने माह के दौरान भारतीय शेयर बाजार में 21,789 करोड़ रुपये डाले हैं।

इस कारण बाजार में बढ़ी अनिश्चितता

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक, प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक और भविष्य की नीतिगत समीक्षा के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई सतर्क रुख अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फेडरल रिजर्व ने इस साल तीसरी बार ब्याज दर में 0।25 प्रतिशत की कटौती की है, लेकिन उसने भविष्य में दरों में कम कटौती का संकेत दिया है, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और वैश्विक बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ऊंचे मूल्यांकन, कंपनियों के सितंबर तिमाही के कमजोर नतीजों, दिसंबर के नतीजे कमजोर रहने के अनुमान, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि की सुस्त रफ्तार तथा रुपये में गिरावट से विदेशी निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है।

इस कारण एफपीआई बिकवाली कर रहे

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि डॉलर इंडेक्स में मजबूती तथा 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने की वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत से संबंधित मुद्दे मसलन वृद्धि को लेकर चिंता तथा कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने की वजह से भी एफपीआई की धारणा प्रभावित हुई है। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने 21,612 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी।

लेदर सेक्टर के निर्यात में गजब का उछाल

अमेरिका और यूरोप से आ रही खूब डिमांड

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों में लेदर से बनाए जाने वाले प्रोडक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है इसलिए इसका निर्यात भी लगातार बढ़ता जा रहा है। चालू वित्त वर्ष में लेदर और इससे बने फुटवियर का निर्यात 12 फीसदी बढ़कर 5।3 अरब डॉलर हो जाने की उम्मीद है। काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन राजेंद्र कुमार जालान ने कहा कि अमेरिका सहित दुनिया भर की कई कंपनियां भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाने का सोच रही हैं। द मिंट से हुई बातचीत में उन्होंने कहा, 2023-24 में हमने 4।69 बिलियन अमरीकी डॉलर तक का एक्सपोर्ट किया। वहीं इस साल हम 5।3 बिलियन अमरीकी डॉलर तक के एक्सपोर्ट की उम्मीद जता रहे हैं। अमेरिका और यूके से लेदर की भारी डिमांड आ रही है। कई बड़े ऑर्डर भी मिल रहे हैं। भारत के लेदर एक्सपोर्टर्स अफ्रीका में भी व्यवसाय के मौके तलाश रहे हैं। यह एक लेबर बेस्ड इंडस्ट्री है, जो 42 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इस सेक्टर का टोटल टर्नओवर करीब 19 अरब डॉलर है, इसमें 5 अरब डॉलर का निर्यात शामिल है।जालान ने आगे कहा, साल 2030 तक इसका कुल कारोबार 47 बिलियन अमरीकी डॉलर तक हो जाने की क्षमता रखता है, जिसमें 13।7 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात और बाकी घरेलू उत्पादन शामिल है।

उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईडब्ल्यूजी) इस सेक्टर में भी लागू किया जाए इससे 47 बिलियन अमरीकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी और साथ ही लगभग 7-8 लाख अतिरिक्त लोगों को भी रोजगार मिलेगा। लेदर सेक्टर से बजट की क्या उम्मीदें हैं इस बारे में पूछे जाने पर जालान ने कहा, काउंसिल ने सरकार से गीले नीले और क्रस्ट चमड़े पर से 20 फीसदी निर्यात शुल्क को हटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय से तैयार चमड़े पर आयात शुल्क हटाने का भी अनुरोध किया गया है।

महंगा हो गया सोना, खरीदने से पहले जान लें असली कीमत

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतें बीते एक हफ्ते से लगातार गिर रही थीं। इस सप्ताह यानी 16 दिसंबर से 20 दिसंबर 2024 के बीच सोने की कीमतों में 1,531 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतों में 4,382 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई। 24 कैरेट गोल्ड की कीमत सोमवार को जहां, 76,908 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, वहीं, शुक्रवार को यह गिरकर 75,377 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। हालांकि, आज यानी 22 दिसंबर को सोने की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है। भारत में 22 दिसंबर 2024 को 24 कैरेट सोने की कीमत 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 22 कैरेट सोने, जिसे आमतौर पर आभूषण निर्माण में उसकी मजबूती के लिए उपयोग किया जाता है, की कीमत 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं, चांदी की कीमत भी स्थिर रही और यह 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था।

भारत में प्रमुख शहरों में सोने के खुदरा दाम

22 दिसंबर 2024 को भारत में सोने की कीमतें शहरों के अनुसार अलग-अलग रहीं। न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, 22 कैरेट सोने का भाव दिल्ली, लखनऊ और जयपुर में 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जबकि मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, पुणे, बेंगलुरु,

भुवनेश्वर और हैदराबाद में 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अहमदाबाद और पटना में यह 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। 24 कैरेट सोने की कीमत दिल्ली, लखनऊ और जयपुर में 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जबकि मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, पुणे, बेंगलुरु, भुवनेश्वर और हैदराबाद में 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और अहमदाबाद व पटना में 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई।

खुदरा सोने की कीमत क्या है?

खुदरा सोने की कीमत प्रति ग्राम वह दर है, जो उपभोक्ता एक ग्राम सोने के लिए चुकाते हैं। इसे भारतीय रुपये में व्यक्त किया जाता है और यह रोज बदलती है। इस दर पर वैश्विक आर्थिक रुझान, भू-राजनीतिक घटनाएं और आपूर्ति व मांग के संतुलन का प्रभाव पड़ता है।

भारत में सोने की कीमतें कैसे प्रभावित होती हैं

भारत में सोने की कीमतें मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार दरों, आयात शुल्क, टैक्स और मुद्रा विनिमय दर में बदलावों पर निर्भर करती हैं।

इन सभी कारणों की वजह से देशभर में सोने की दैनिक कीमतें निर्धारित होती हैं।

3 आईपीओ और 8 लिस्टिंग, धमाकेदार रहने वाला है शेयर बाजार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते की तरह भले ही प्राइमरी मार्केट थोड़ा शांत रहेगा। बावजूद इसके 3 आईआपीओ शेयर बाजार में दस्तक देने के लिए आ रहे हैं। जिसमें एक मेनबोर्ड आईपीओ और दो एसएमई सेगमेंट के आईपीओ शामिल होंगे। यूनिमेक एयरोस्पेस ने पहले ही अपने आईपीओ का ऐलान कर दिया है, जिसकी शुरुआत 23 दिसंबर से शुरू होगी। जोकि 26 दिसंबर तक बोली के लिए खुला रहेगा। वहीं दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के होंगे। जिसमें सोलर91 क्लीनटेक और अन्या पॉलीटेक शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर अगले हफ्ते 8 कंपनियों की लिस्टिंग भी होने जा रही है। ऐसे में शेयर बाजार में अगले हफ्ते प्राइमरी और सेकेंडरी मार्केट में भरपूर एक्शन देखने को मिल सकता है।बेंगलुरु के स्पेस स्टार्टअप यूनिमेच एयरोस्पेस ने घोषणा की है कि वह 23 दिसंबर को 500 करोड़

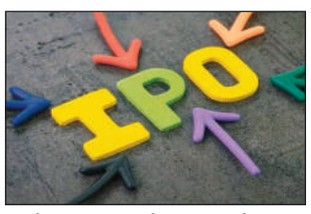

रुपये की आईपीओ लॉन्च करेगी। यह इश्यू, जिसकी कीमत 745-785 रुपये है, 26 दिसंबर तक बोली के लिए उपलब्ध रहेगा। यूनिमेक का आईपीओ 250 करोड़ रुपये तक के फ्रेश और 250 करोड़ रुपए का ओएफएस शामिल है। ओएफएस के तहत, रामकृष्ण कमोझाला, रजनीकांत बलरामन, प्रीतम एस वी और रस्मी अनिल कुमार आंशिक हिस्सेदारी बेचेंगे।नए इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग मशीनरी और उपकरणों की खरीद के माध्यम से विस्तार के लिए कैपेक्स को फाइनेंस करने, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, इसकी सामग्री सहायक कंपनी में निवेश, लोन रीपेमेंट और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।यूनिमेक एक इंजीनियरिंग सॉल्यूशन कंपनी है, जो एयरोस्पेस, डिफेंस, एनर्जी और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज के लिए एयरो टूलींग, ग्राउंड सपोर्ट कंपोनेंट, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सब-असेंबली और अन्य सटीक-इंजीनियर्ड कंपोनेंट जैसे महत्वपूर्ण पार्ट के निर्माण और सप्लाई में विशेषज्ञता रखती है। आनंद राठी एडवाइजर्स और इक्विरस कैपिटल इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और केफिन टेक्नोलॉजीज रजिस्ट्रार हैं। एसएमई सेगमेंट में सोलर91 क्लीनटेक और अन्या पॉलीटेक के दो नए आईपीओ क्रमशः 24 दिसंबर और 26 दिसंबर को खुलेंगे। सोलर91 क्लीनटेक, जिसे चार आईआईटी ग्रेजुएट्स ने खड़ा किया है ने अपने आईपीओ के लिए प्रति शेयर 185-195 रुपए का प्राइस बैंड तय किया है।

'डंकी रूट' और अमेरिका में एंट्री का खौफनाक सच

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एक्स्क्लूसिव डेस्क)। डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। 20 जनवरी को वो जब ये जिम्मेदारी संभालेंगे तो उनके पास कामों की एक लंबी लिस्ट होगी। इसमें सबसे ऊपर है यूएस में अवैध अप्रवासियों पर एक्शन, जिसमें हो सकता है सेना की भी मदद लेनी पड़े। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने बड़े पैमाने पर निर्वासन का वादा किया है। हजारों भारतीयों का भविष्य अधर में है। 'डंकी रूट' से अमेरिका में अवैध रूप से एंट्री की चाह रखने वाले युवाओं ने बताया कि आखिर उन्हें 'डंकी रूट' में क्या कुछ सहना पड़ा है।

'डंकी रूट' से यूएस जाने का सपना लेकर घर से निकले दोनों युवा हरियाणा से थे। इनमें एक हरियाणा के करनाल से हैं तो दूसरा जींद से। पहला, जो लगभग 28 साल का है, उसने 2018 में अपनी अवैध यात्रा का प्रयास किया था। दूसरा, जो 25 साल का है, उसने हाल ही में 'डंकी रूट' से अमेरिका जाने का प्लान किया। हालांकि, दोनों को यूएस में अवैध रूप से एंट्री की कोशिश में बेहद कष्टदायक अनुभव हुए। वे 'डंकी रूट' के जरिए गए और वापस भेज दिए गए। बावजूद इसके दोनों इसे फिर से आजमाना चाहते हैं।

सबसे पहले बात जींद से आने वाले मनदीप सिंह की, जिन्होंने अपनी इस यात्रा के लिए करीब एक एकड़ खेती योग्य जमीन ही बेच दी। जब वह घर से निकले थे तो उनका वजन लगभग 70 किलो था। लेकिन महज 45 किलो वजन के साथ वापस आए। मनदीप सिंह ने बताया कि उनकी यात्रा अमृतसर से शुरू हुई। 28 लोगों के एक ग्रुप को दुबई, फिर ओमान भेजा गया। फिर वे मिस्र गए और वहां से लीबिया, एक कार्गो विमान में जिसमें सीटें नहीं थीं। उस फ्लाइट में लगभग 250 लोग थे, जिनमें से कई लोगों को पूरी यात्रा खड़े होकर करनी पड़ी।

मनदीप सिंह ने बताया कि शुरुआत में हम 15 दिनों के लिए एक कमरे में थे। यूं कहें कि लगभग फंसे हुए थे। वह लीबिया में कहीं कोई जगह थी। लीबिया से, उन्होंने इटली के लिए एक खतरनाक नाव की सवारी की। नाव की क्षमता 50 लोगों की थी। हालांकि, इसमें 200 लोग सवार थे। फिर हमने लगभग 15 दिन एक कंटेनर में बिताए। हमने टैक्सी की सवारी के लिए पैसे दिए थे। लेकिन एजेंट ने हमें एक कंटेनर में जबरदस्ती डाल दिया। कंटेनर में 150 लोग रहे होंगे, सभी खड़े थे।

मनदीप सिंह ने आगे कहा कि मेरा अनुमान है उस कंटेनर में खड़े होकर हमने ब्राजील से कोलंबिया तक लगभग 3,000 किमी, ऐसे ही यात्रा की। फिर जंगल में एक ट्रक में 15 दिन और, जहां हमें कच्चा मांस खाना पड़ा। हमें नहीं पता था कि हम कौन सा मांस खा रहे हैं। तब तक हम डेरियन गैप पर पहुंचे। ये कोलंबिया और पनामा के बीच स्थित खतरनाक जंगल को पार करने की कोशिश थी। इसे दुनिया के सबसे खतरनाक माइग्रेशन रूट के रूप में जाना जाता है। तब तक हमारे पास खाना और पैसा खत्म हो रहा था।

मनदीप सिंह ने कहा कि यहां से पैदल का रास्ता है। ये लगभग 18 से 20 किमी का है, लेकिन यह ज्यादातर जंगल से होकर गुजरता है। और यह बहुत कन्फ्यूजिंग है। आप इसमें आसानी से खो सकते हैं। मनदीप ने बताया कि हमारे ग्रुप में दिल्ली के कुछ लड़के और लड़कियां भी थीं, जो इतने कमजोर थे कि वे आगे नहीं बढ़ सके। उन्होंने दूसरों से कहा कि वे उनके बिना आगे बढ़ें। एक बार रुकने के बाद तय था कि वे एक या दो दिन में मर जाते। हालांकि, पनामा में उन्हें हिरासत में ले लिया गया और 130 अन्य भारतीयों के साथ वापस भेज दिया गया।

मनदीप सिंह ने बताया कि डंकी रूट पर निकले ज्यादातर के पास वास्तव में कोई योजना नहीं होती है। बस यही उम्मीद होती है कि हम अपना रास्ता खोज लेंगे और 'बस जाएंगे'। और यह सिर्फ मेरा सपना नहीं है, यही सभी युवा सोचते हैं। हम अपने घरों से बस

यही सोचकर निकलते हैंः आगे जो होगा देखा जाएगा। मनदीप का कहना है कि वो फिर से अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि चूंकि एजेंट मेरा रिश्तेदार था, उसने कुछ पैसे लौटा दिए और मुझे फिर से भेजने का वादा किया है। मुझे विश्वास है कि मैं अगली बार यूएस सीमा सुरक्षित रूप से पार कर लूंगा।

करनाल से एक अन्य व्यक्ति ने अपनी कहानी साझा की। उसने बताया कि मेरे पिता 2018 में एक स्थानीय एजेंट के संपर्क में आए, जिसने कहा कि वह मुझे 'डंकी रूट' के माध्यम से अवैध रूप से यूएस जाने में मदद करेगा। 25 अक्टूबर, 2018 को, मैं चार अन्य लड़कों के साथ दिल्ली से मास्को के लिए एक उड़ान में सवार हुआ। हमारे पास वीजा नहीं था, लेकिन एजेंट ने हमारी यात्रा की व्यवस्था की थी। मास्को में 10-12 घंटे रुकने के बाद, हम उसी दिन पेरिस के लिए एक फ्लाइट में सवार हुए।

इस शख्स ने बताया कि पेरिस में इमिग्रेशन अधिकारियों से हमारा सामना हुआ। हमारे पासपोर्ट पर कोई वीजा स्टैम्प नहीं था। हमारे एजेंटों ने हमसे हमारे द्वारा लिए गए रूट का विवरण मिटाने के लिए अपनी टिकटें फाड़ने को कहा। हम वीडियो कॉल के माध्यम से अपने एजेंटों से संपर्क कर रहे थे। उन्होंने हमें बताया कि हमें अगले डेस्टिनेशन के लिए नई टिकटें और बोर्डिंग पास मिलेंगे। हम पूरी रात पेरिस में रहे। सुबह लगभग 8 बजे, हमें दोपहर एक बजे की उड़ान के लिए कैनकन, मेक्सिको के लिए बोर्डिंग टिकट मिले। हमारे एजेंटों का हवाई अड्डे पर लोगों के साथ किसी तरह का गठजोड़ था। पेरिस हवाई अड्डे पर किसी ने हमारी टिकट या पासपोर्ट की जांच नहीं की। उन्होंने केवल औपचारिकता के रूप में हमारे बोर्डिंग पास को स्कैन किया।

करनाल के इस युवा ने बताया कि हम 10 घंटे बाद कैनकन में उतरे। कुछ इमीग्रेशन एजेंट पहले से ही हमारा स्वागत करने के लिए वहां इंतजार कर रहे थे। वे भारत में हमारे एजेंटों के साथ लगातार संपर्क में थे। ग्रुप में कुछ के पास यूरोपीय वीजा था और वह कैनकन में रहने के लिए मान्य था। भले ही ऐसे वीजा के बिना रहने वालों को मेक्सिको में रहने की अनुमति नहीं थी, हमें बिना किसी स्टांप के देश में प्रवेश करने के लिए मजबूर किया गया, हमारे पासपोर्ट हमसे ले लिए गए।

मेक्सिको में रहने के लिए वैध वीजा के बिना रहने वालों के लिए एकमात्र कानूनी तरीका एक शिविर में जाना था। मैं विभिन्न देशों के 60 अन्य लोगों के साथ कैनकन से लगभग पांच घंटे की दूरी पर स्थित एक शिविर में रहा। वह जगह बहुत ही गंदी थी। मैंने तीन दिन बाद एक कंट्री-आउट लेटर प्राप्त किया। फिर मैं छह अन्य लोगों के साथ शिविर छोड़कर चला गया जब एक मैक्सिकन एजेंट, जो जन्म से भारतीय था, हमें लेने आया। उसने हमें एक बस स्टैंड तक पहुंचाया और मैंने अपने पिता को फोन करके उनसे पैसे भेजने को कहा।

शख्स ने बताया कि इसके बाद वह ग्वाडलजरा और फिर तिजुआना गए। हमने तिजुआना में फ्लाइट से उतरते ही बाड़ देखी। हम एक घंटे के लिए एक होटल में थे जब एजेंट ने मुझसे पूछा कि क्या मैं इंतजार करना चाहता हूं या सीमा पार करना चाहता हूं। वो 8 नवंबर था, भारत में दिवाली का पर्व मनाया जा रहा था। मैंने उससे कहा कि मैं पार करना चाहता हूं और ग्रुप के तीन लोग उसी दिन ऐसा करने के लिए सहमत हुए, एक मैक्सिकन 'डोनकर' या हैंडलर के साथ।

हम 7 फीट ऊंची दीवार को पार कर लगभग 20 मिनट तक चले। बस एक और दीवार तक पहुंचने के लिए, यह दीवार 20 फीट ऊंची थी जिसका ऊपरी हिस्सा टेढ़ा-मेढ़ा था। जल्द ही, एक वैन गेट से आई और हमें बॉर्डर पेट्रोल ऑफिस ले गई। मैं वहां पांच दिन रुका और फिर, एक और बॉर्डर पेट्रोल कार्यालय में चार दिन और रुका। लगभग 50 अन्य अवैध अप्रवासी वहां रह रहे थे।

युवक ने बताया कि फिर हमें एरिजोना के एक और कैंप में ले जाया गया जहां हम एक हफ्ते तक रहे। इस कैंप में 200 लोग थे। फिर हमें एक महीने के लिए टल्लाहाची काउंटी, मिसिसिपी में एक और कैंप में शिफ्ट कर दिया गया। जब इमिग्रेशन अधिकारियों ने मुझसे पूछताछ की तो मैंने उनसे कहा कि मैं भारत में सुरक्षित नहीं था और शरण मांग रहा था। बाद में, उन्होंने हमें एक और कैंप में शिफ्ट कर दिया, जहां से हमें प्लायमाउथ, मैसाचुसेट्स ले जाया गया। मैं वहां 18 महीने तक रहा। मुझे उम्मीद थी कि मुझे ऐसे कागजात मिल जाएंगे जिनसे मैं अपना मामला कैलिफोर्निया ले जा सकूं। हालांकि, मेरी मांग 31 जनवरी, 2019 को खारिज कर दी गई।

करनाल के शख्स ने बताया कि अब, मेरे पास दो विकल्प बचे थे। पहला अधिकारियों से पूछना कि मुझे जरूरी कागजात क्यों नहीं मिले। या दूसरा कि अपना पूरा केस खोलना। मैंने दूसरे विकल्प को चुना लेकिन मेरा केस नहीं खुला, इसलिए मुझे कैंप में रहना पड़ा। जैसे ही कोविड शुरू हुआ, मैं इस उम्मीद के साथ वहीं रहा कि एक दिन मैं भारत वापस जा सकूंगा। आखिरकार मुझे 2020 में अमेरिका से भारत वापस भेज दिया गया।

अब सीमा पार करना और भी मुश्किल काम हो जाएगा और शरण मिलने की संभावनाएं कम हो जाएंगी। लेकिन वापस भेजे जाने के बाद, मैं केवल अवैध रूप से ही अमेरिका में फिर से प्रवेश कर सकता हूं। हालांकि, मैं एक बार फिर अपनी किस्मत आजमाऊंगा।

अपराधियों ने तीन हाईवा में लगाई आग

खलरी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची के खलारी थाना क्षेत्र के पुरनी राय स्थित निर्मल चौक पर अपराधियों ने तीन हाईवा को आग के हवाले कर दिया गया। घटना रविवार की सुबह करीब तीन बजे की है। चालकों ने बताया कि हम लोग टंडवा एनटीपीसी से फ्लाई एश लोड कर रांची की ओर जा रहे थे। खलारी घाटी के पास छह की संख्या में हथियार बंद अपराधियों ने गाड़ी रुकवा दी।

इसके बाद कनपटी पर बंदूक सटाते हुए निर्मल चौक पर चलने के लिए कहा। निर्मल चौक आने पर अपराधियों द्वारा चालकों के अलावा स्थानीय लोगों को लोहे के राड से मारकर जख्मी कर दिया गया। अपराधी लगातार हवाई फायरिंग कर रहे थे। अपराधी अपने आप को आलोक गिरोह का सदस्य बता रहे थे। अपराधियों ने वहां लाई गई दो फ्लाई ऐश की गाड़ियों के साथ एक अन्य गिट्टी लदे हाईवा वाहन को भी आग के हवाले कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही खलारी थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह, मैक्लुस्कीगंज थाना प्रभारी गोविंद कुमार, बुढ़मू थाना प्रभारी रितेश महतो, पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाकर आग बुझाया गया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक तीनों गाड़ियां पूरी तरह जल चुकी थी।

घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोग आशंका जता रहे हैं कि शुक्रवार को बुढ़मू थाना क्षेत्र में आलोक गिरोह द्वारा आगजनी एवं फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसके बाद पुलिस ने आलोक गिरोह पर दमनात्मक कार्रवाई करते हुए उसके घर की कुर्की जब्ती की थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि गिरोह द्वारा इसका बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया गया है।

कोयलांचल क्षेत्र खलारी पिपरवार में काम करने वाले ठेकेदार, बालु एवं कोयला व्यवसायी आजकल भय और दहशत के माहौल में काम कर रहे हैं। कुछ ने काम तो इनकी धमकियों से डर कर बंद भी हो गया है। क्षेत्र में 90 का दशक जहां माओवादी उग्रवादियों के दहशत में बीता उसके बाद क्षेत्र में टीपीसी का दबदबा कायम हुआ।

पहले नक्सली संगठन द्वारा बड़े ठेकेदार, ट्रांसपोर्टरों से लेवी लेकर काम की अनुमति देते थे तब यहां काम हो पाता था जो अभी भी जारी है। हालांकि बीते तीन चार सालों में पुलिस द्वारा नक्सली गतिविधियों पर काफी अंकुश लगाने का काम किया गया है जिससे यहां छिटपुट घटनाओं के अलावा कोई बड़ी नक्सली घटना नहीं घटी है।

वाहन पलटने से छह लोगों की मौत, हादसे में 43 लोग घायल

सीएम ने जताया दुख, सांसद ने जाना हाल

जगदलपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर के दरभा थाना क्षेत्र के चांदामेटा के पास एक तेज रफ्तार वाहन पलट गया। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं 43 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को बेहतर उपचार के लिए कोलेग के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम के साथ ही 108 के कर्मचारियों ने घायलों को बेहतर उपचार के लिए भेजा।

जगदलपुर जिले के कोलेंग-चांदामेटा क्षेत्र में हुई दुर्घटना के घायलों का उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। हुई दुर्घटना में मौके पर चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी, घायलों का प्राथमिक उपचार कोलेंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में करने के बाद 45 लोगों को मेडिकल कालेज अस्पताल में उपचार के लिए भेजा

गया। जिसमें से दो की मौत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहुंचने के दौरान हो गई। पांच लोगों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर के लिए रात में ही रवाना कर दिया गया है। अभी 38 घायल व्यक्तियों का इलाज डिमरापाल अस्पताल में जारी है। मृतकों में हूंगा की पत्नी बुधरी, सन्ना की पत्नी पायके, देवा, बुको मडकामी, बोधा की पत्नी बुधरी और हुरा सभी चांदामेटा के निवासी हैं।

सीएम साय ने जताया दुख

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और घायलों की जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने घायलों के बेहतर इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर हरिस एस ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज के लिए सभी आवश्यक सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सांसद महेश कश्यप ने घायलों का जाना हाल

जगदलपुर के दरभा क्षेत्र के चांदामेटा से कोलेग जाने के दौरान वाहन पलटने से 6 लोगों की मौत हुई है। साथ ही डिमरापाल अस्पताल में 35 से अधिक लोग घायल अवस्था में भर्ती हैं जिनका उपचार चल रहा है।

रविवार को डिमरापाल मेडिकल अस्पताल पहुँचकर बस्तर सांसद महेश कश्यप ने घायल लोगों से मुलाकात कर उनका हाल जाना।

अस्पताल में भर्ती घायलों के बेहतर उपचार हेतु सांसद-विधायक ने अस्पताल प्रबंधक सहित मौजूद चिकित्सकों को निर्देश दिया है।

क्रिसमस से पहले इन लोगों को नहीं मिलेगा 2500 रुपये

सामाजिक सुरक्षा विभाग ने दिया निर्देश

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में 50 लाख से अधिक महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये का लाभ मिलना है. राज्य सरकार क्रिसमस से पहले इस बढ़ी हुई राशि को हस्तांतरित कर देगी. लेकिन कई महिलाएं ऐसी भी हैं जिनको ये राशि नहीं मिलेगी. दरअसल सामाजिक सुरक्षा विभाग के निर्देश पर मंईयां सम्मान योजना के तहत अयोग्य लाभुकों की स्क्रीनिंग कुछ दिन पहले ही शुरू हो गयी है. ऐसे लाभुक जो गलत तरीके से इसका लाभ ले रहे हैं उन सभी से इन राशियों की वसूली की जाएगी. इससे संबंधित पत्र सभी उपायुक्तों को कुछ दिन पहले ही सौंप दिया गया था. पत्र में कहा गया था कि वैसे लोग जो पहले से ही किसी

सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन का लाभ ले रहे हैं उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा. अगर कोई इसका लाभ ले भी रहा है तो उन पर कार्रवाई करने की बात कही गयी है.

वैसी महिलाएं जो आयकर दाता हो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा. अगर स्क्रीनिंग के दौरान ऐसे लोगों की पहचान होती है तो उन पर कार्रवाई की जाएगी. वैसी महिलाएं जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी कर्मी हो या इससे रिटायर हो तो उन लोगों को ये राशि नहीं मिलेगी. वैसी महिलाएं जो ईपीएफओ धारक हो या उनके कोई भी परिवार का सदस्य ईपीएफओ धारक हो उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा. वैसी महिलाएं जो झारखंड की नहीं है और वे इसका लाभ ले रही हैं तो उन पर भी कार्रवाई होगी. वैसे लाभुक जो एक से अधिक जिलों से इस योजना का ले रहे हैं तो उन पर भी कार्रवाई होगी.

विधानसभा चुनाव से कैबिनेट बैठक में लगी थी मुहर

झारखंड की 50 लाख से अधिक महिलाओं को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये मिलेगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक कार्यक्रम में इसकी राशि जारी कर देंगे. बता दें विधानसभा चुनाव से पहले ही कैबिनेट की बैठक में मंईयां सम्मान की राशि 1 हजार से बढ़ाकर 2500 करने के प्रस्ताव पर मुहर लग गयी थी.

कार चालक ने बछड़े को मारी टक्कर और घसीटा

गायों ने दौड़ाकर गाड़ी को रोका

रायगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मां आखरी मां होती है और एक मां अपने बच्चे से कितना प्यार करती है, इसकी कई मिसालें अब तक देखी जा चुकी हैं। रायगढ़ जिले में बेजुबान मवेशियों का दिल छू लेने वाला एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो मां की ममता का एक बेहतर उदाहरण है। स्टेशन चौक पर एक बछड़े को टक्कर मारने के बाद उसे घसीटते हुए ले जा रही कार को मौके पर मौजूद अन्य गायों ने दौड़ा लिया। गायों ने कार के आगे पहुंचकर उसे रोक लिया। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से कार के नीचे से बछड़े को निकालकर उसका उपचार किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि स्टेशन की तरफ से आ रही एक कार ने

सड़क किनारे खड़े बछड़े को टक्कर मार दी। बछड़ा कार में फंस गया और चालक उसे घसीटते हुए ले जा रहा था। इस दौरान वहां मौजूद गायों ने कार को दौड़ा लिया। गायें कार के आगे पहुंच गईं और कार को रोक लिया। इसके बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने कार को एक तरफ से उठाया और कार के नीचे फंसे बछड़े को निकालकर उसे उपचार के लिए भेजा।

जानकारी के अनुसार, बछड़े के पेट में चोट आई है और उसका एक पैर टूट गया है। लोग घायल बछड़े को जिस जगह उपचार के लिए ले गए बाकी गाय भी वहां जा पहुंचीं और घायल बछड़े को चाटने के अलावा उसका उपचार करने वालों को भी सूंघते चाटते देखा गया। मानो वो अपनी भाषा में बछड़े की जान बचाने वालों का धन्यवाद कहती हों।

विश्व हिंदु संगठन के सदस्य जगजोत सिंह भल्ला ने बताया, 'हमें आज सवा दो बजे के आसपास सूचना मिली कि सुभाष चौक के पास एक कार को रोका गया और उस कार के नीचे एक बछड़ा फंसा हुआ है, जिसे कार चालक बहुत दूर से घसीटते हुए लेकर पहुंचा है। कार चालक का नाम सलीम अंसारी बताया जा रहा है। इस घटना में बछड़े को बहुत गंभीर चोट आई है। हम इस मामले में कार चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। गाड़ी चालक के द्वारा बड़ी लापरवाही बरती गई है।'

झारखंड में चतरा सबसे ठंडी जगह, शहर में विजिबिलिटी रही सबसे कम

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में चतरा सबसे ठंडी जगह रही. यहां का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेंटीग्रेड रिकॉर्ड किया गया. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को यह जानकारी दी.

खूंटी के तोरपा और दियाकेल में हुई बारिश

मौसम विभाग ने बताया है कि गोड्डा में सबसे अधिक उच्चतम तापमान 28.4 डिग्री सेंटीग्रेड रहा. मौसम केंद्र रांची ने बताया है कि पिछले 24 घंटे के दौरान जमशेदपुर में विजिबिलिटी यानी दृश्यता 400 मीटर रही. खूंटी जिले के तोरपा में 20.6 मिलीमीटर और दियाकेल में 8 मिलीमीटर वर्षा हुई.

रांची के हिनू में उच्चतम तापमान 23.8 डिग्री

रविवार को रांची के मौसम केंद्र ने जो वेदर रिपोर्ट जारी की है, इसमें बताया गया है कि राजधानी रांची के हिनू में उच्चतम तापमान 23.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री रिकॉर्ड किया गया. रांची में टाटीसिल्वे में सबसे अधिक उच्चतम तापमान 15 डिग्री सेंटीग्रेड रहा. यहां उच्चतम तापमान 20.5 डिग्री सेंटीग्रेड रहा. नामकुम में अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया गया.

झारखंड में 5 जगह का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री या उससे कम

मौसम विभाग के मुताबिक, झारखंड में 5 जगहों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेंटीग्रेड या उससे कम रहा. सभी बड़े शहरों रांची, जमशेदपुर, डाल्टेनगंज, बोकारो, धनबाद का न्यूनतम पारा 10 डिग्री से अधिक रहा. रांची के अधिकतम तापमान में हालांकि 3.8 डिग्री सेंटीग्रेड की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह अभी भी सामान्य से 0.4 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक है. न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री की वृद्धि हुई है और यह सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक है.

जमशेदपुर के उच्चतम और न्यूनतम तापमान में आई गिरावट

जमशेदपुर के उच्चतम तापमान और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है. यहां का उच्चतम तापमान 0.7 डिग्री की गिरावट के साथ 25.1 डिग्री सेंटीग्रेड रहा, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेंटीग्रेड कम है. यहां के न्यूनतम तापमान में 0.8 डिग्री कि गिरावट आई है. यह 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.8 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक है.

उच्चतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक

डाल्टेनगंज का उच्चतम तापमान 0.6 डिग्री की गिरावट के बाद 26.8 डिग्री सेल्सियस हो गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री अधिक है. वहीं, न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री सेंटीग्रेड घटकर 10.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.6 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक है. बोकारो का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री है, जो सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक है. यहां का न्यूनतम तापमान 2.1 डिग्री बढ़कर 13.2 डिग्री हो गया है. यह सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक है.

'डीएसपी ने किया दुष्कर्म': घर में घुसकर पहले की मारपीट

फिर डॉक्टर की पत्नी को बनाया हवस का शिकार; महिला का आरोप

दुर्ग, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में डीएसपी ने डॉक्टर की पत्नी से दुष्कर्म किया। दुर्ग के मोहन नगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर सुकमा जिले में पदस्थ डीएसपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज की है। महिला ने आरोप लगाया है कि उसके देवर डीएसपी हैं जिन्होंने जबरदस्ती घर में घुसकर मारपीट कर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस दुष्कर्म का मामला दर्ज कर तफ्तीश में जुट गई है।

मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, डीएसपी देवर का महिला के घर परिचित होने के चलते आना जाना था। पीड़िता महिला के पति डॉक्टर है। डीएसपी 4 महीने पहले डीएसपी ने महिला घर गया था। घर में कोई नहीं होने का फायदा उठाकर डीएसपी ने जबरदस्ती घर में घुसकर उसके साथ मारपीट करते हुए दुष्कर्म किया। पीड़िता महिला इस घटना के संबंध अपने डॉक्टर पति को जानकारी दी। पीड़िता महिला ने 4 महीने बाद डीएसपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

पीड़िता महिला ने जिस डीएसपी अधिकारी पर आरोप लगाए है वहां वर्तमान में सुकमा जिले में एसडीओपी के पद पर पदस्थ हैं।

क्या है पनामा नहर की अहमियत

जिस पर चीन के कब्जे से घबराया अमेरिका, ट्रंप ने दे डाली खुली धमकी

वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन लगातार दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और अब चीन का प्रभाव इस कदर बढ़ चुका है कि अमेरिका को उससे गंभीर खतरा महसूस होने लगा है। ताइवान के बाद अब पनामा नहर भी ऐसा मुद्दा बनने के कगार पर है, जहां चीन और अमेरिका भिड़ सकते हैं। हालात ये हो गए हैं कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा को खुली धमकी दे दी है और कहा है कि अगर पनामा स्वीकार्य तरीके से पनामा नहर का प्रबंधन नहीं करता है तो फिर अमेरिका फिर से इस पर अपना कब्जा कर सकता है। तो आइए जानते हैं कि क्या है पनामा नहर की अहमियत, जिसके चलते अमेरिका-चीन में ठन सकती है और ट्रंप ने पनामा की सरकार को धमकी क्यों दी?

ट्रंप क्यों हुए नाराज?

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में पनामा की सरकार पर आरोप लगाया कि पनामा नहर के इस्तेमाल के लिए ज्यादा दरें वसूली जा रही हैं। ट्रंप ने कहा कि पनामा नहर का प्रबंधन स्वीकार्य तरीके से नहीं होता है तो अमेरिका इस पर कब्जा कर सकता है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने चेतावनी दी कि पनामा नहर को 'गलत हाथों' में नहीं जाने देंगे। ट्रंप का इशारा चीन की तरफ माना जा रहा है। ट्रंप ने लिखा कि पनामा नहर का प्रबंधन चीन के द्वारा नहीं किया जाना चाहिए।

पनामा नहर पर कब्जे से घबराया अमेरिका

पनामा नहर वैश्विक भू-राजनीति में अहम मानी जाती है। यह 82

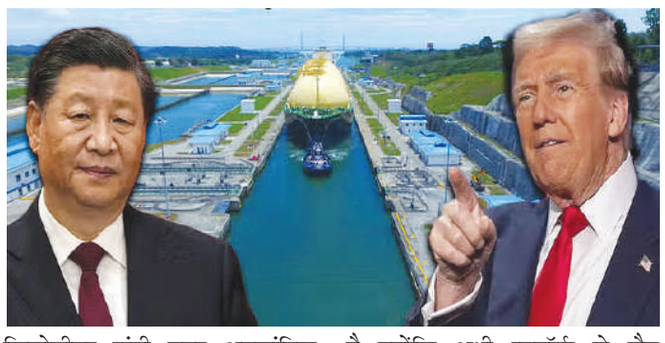

किलोमीटर लंबी नहर अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। पूरी दुनिया का छह फीसदी समुद्री व्यापार पनामा नहर से ही होता है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए भी पनामा नहर बेहद अहम है क्योंकि अभी न्यूयॉर्क से सैन फ्रांसिस्को जाने वाले मालवाहक जहाजों को पनामा नहर के जरिए दूरी 8370 किलोमीटर पड़ती है, लेकिन अगर पनामा नहर की बजाय पुराने मार्ग से माल भेजा जाए तो जहाजों को पूरे दक्षिण अमेरिकी देशों का चक्कर लगाने के बाद सैन फ्रांसिस्को जाना होगा और ये दूरी 22 हजार किलोमीटर से ज्यादा होगी। अमेरिका का 14 फीसदी व्यापार पनामा नहर के जरिए ही होता है। कह सकते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए ही पनामा नहर लाइफलाइन का काम करती है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण अमेरिकी देशों का बड़ी संख्या में आयात-निर्यात भी पनामा नहर के जरिए ही होता है। एशिया से अगर कैरेबियाई देश माल भेजना हो तो जहाज पनामा नहर से होकर ही गुजरते हैं। खुद पनामा की अर्थव्यवस्था इस नहर पर निर्भर है और पनामा की सरकार को पनामा के प्रबंधन से ही हर साल अरबों डॉलर की कमाई होती है। पनामा नहर पर कब्जा होने की स्थिति में पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंख्ला बाधित होने का खतरा है। पनामा नहर का निर्माण साल 1881 में फ्रांस ने शुरू किया था, लेकिन इसे साल 1914 में अमेरिका द्वारा इस नहर के निर्माण को पूरा किया गया। इसके बाद पनामा नहर पर अमेरिका का ही नियंत्रण रहा, लेकिन साल 1999 में अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा की सरकार को सौंप दिया। अब इसका प्रबंधन पनामा कैनाल अथॉरिटी द्वारा किया जाता है। पनामा नहर को इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है और इसे आधुनिक दुनिया के इंजीनियरिंग के सात अजूबों में से एक माना जाता है।

चीन की पनामा नहर पर नजर

पनामा नहर को लेकर पर्दे के पीछे चीन और अमेरिका के बीच तनातनी चल रही है। इसे लेकर दोनों देशों में तनाव बढ़ रहा है। चीन अपनी बढ़ती आर्थिक ताकत के जरिए पूरी दुनिया के जलमार्गों पर अपना प्रभाव बढ़ाने में जुटा है। बीते दिनों अमेरिकी नौसेना के एक शीर्ष अधिकारी ने चिंता जाहिर की थी कि चीन अपने बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव के जरिए लगातार पनामा नहर पर अपना राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव बढ़ा रहा है। पनामा में अमेरिका की राजदूत मार्ल कारमन अपोंटे ने भी चीन के पनामा नहर पर बढ़ते प्रभाव पर नाराजगी जाहिर की थी और कहा था कि अमेरिका नहीं चाहता कि ऐसी स्थिति पैदा हो, जिसमें पनामा को अमेरिका और चीन में से किसी एक को चुनने का विकल्प बचे।

शहीदों को देनी थी अंतिम विदाई और सोते रहे बाइडेन, आरोपों पर आई व्हाइट हाउस की सफाई

वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस खुलासे की माने तो साल 2021 में अफगानिस्तान में मारे गए अमरिकी सैनिको के अंतिम समारोह बाइडेन पर सोने का आरोप लगा है। बाइडेन के सोने के कारण सैनिको के परिवारों को शव लेने के लिए 3 घंटे से ज्यादा का इंतजार करना पड़ा था। हालांकि इन आरोपों को लेकर व्हाइट हाउस ने खंडन किया है। 26 अगस्त, 2021 को कई आत्मघाती बम विस्फोटों में काबुल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के गेट पर 13 अमेरिकी सैनिकों की हत्या कर दी गई थी। जिनके शवों को अमेरिका लाया गया। इस दौरान एयरपोर्ट पर ही एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति को शहीद जवानों को श्रद्धांजली देनी थी। लेकिन इसी दौरान उन पर सोने का आरोप लगा है।

क्या बोले जवानों के परिवार के लोग

अफगानिस्तान में मारे गए अमेरिकी जवान की बहन रोइस मैक्कलम ने मीडिया को बताया कि हमें अपने भाई का शव लेने के लिए तीन घंटे इंतजार कराया गया, क्योंकि उस वक्त राष्ट्रपति अपने प्लेन में सो रहे थे। एक दूसरे सैनिक टेलर हूवर के पिता डेरिन हूवर ने भी बताया कि हमें कई घंटों तक एक ऑफिस में बैठकर इंतजार कर रहे थे। क्योंकि उस समय राष्ट्रपति सो रहे थे। हम मूर्खों की तरह केवल इंतजार ही कर सकते थे। इसके अलावा कुछ नहीं कर सकते थे।

व्हाइट हाउस ने दावों का किया खंडन

सैनिकों के परिवार की तरफ से लगाए गए आरोपों के बाद व्हाइट हादस की तरफ से भी बयान सामने आया है। व्हाइट हाउस ने इस तरह के सभी दावों का खंडन किया है। इसके साथ ही कहा कि ऐसा कुछ कभी नहीं हुआ है। इस हादसे में मारे गए सैनिकों की चौथी बरसी के मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि वहां मारे गए जवानों के प्रति पूरा देश उनका कर्जदार है। जिसे हम किसी भी तरह से नही चुका सकते हैं। वे एक देशभक्त थे, और उन्होंने अपने देश के लिए बलिदान दिया है।

जर्मनी के क्रिसमस मार्केट में हमला करने वाला डॉक्टर निकला 'इस्लाम विरोधी', रिपोर्ट में सामने आई आरोपी की काली करतूत

मैगडेबर्ग, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जर्मनी में मैगडेबर्ग के क्रिसमस बाजार में बीते दिन एक कार ने सैकड़ों लोगों पर हमला कर दिया था। जर्मन अधिकारी पहले इस हमले को संदिग्ध हमला मान रहे थे, लेकिन बाद में इस हमले की जांच की गई फिर पता चला हमलावर 'इस्लाम विरोधी' था। सऊदी संदिग्ध हमलावर इस्लाम विरोधी विचार रखता था और जर्मनी की प्रवासी नीति से नाराज था। हमलावर पेशे से एक डॉक्टर है, जिसका क्रिसमस मार्केट में लोगों को कुचलते वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस घटना का आरोपी तालेब ए सऊदी अरब का मूल निवासी है। हमले के पीछे का मकसद क्या था, इसको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मुख्य संदिग्ध तालेब अल-अब्दुलमोहसेन के मकसद को लेकर उलझन में है। बताया जा रहा है क्रिसमस बाजार में जर्मनी के घातक कार-रोधी हमले का सऊदी संदिग्ध इस्लाम विरोधी विचार रखता था और जर्मनी की प्रवासी नीति से नाराज था।

अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ने कर दी बहुत बड़ी गलती हूतियों को समझकर अपने ही लड़ाकू विमान को मार गिराया

वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी की नौसेना ने बहुत बड़ी गलती कर दी है। अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत ने ''गलती से अपने ही लड़ाकू विमान को मार गिराया है। इसमें 2 पायलट भी सवार थे। अमेरिकी नौसेना की ओर से की गई इस गलती के बाद पेंटागन में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि नौसेना के युद्धपोत ने अपने ही'' एफ/ए-18 लड़ाकू विमान को मार गिराया, जिसमें दो पायलट सवार थे। अमेरिकी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। गनीमत यह रही कि दोनों पायलटों की जान बच गई। अमेरिकी सेना ने बताया कि ये दोनों पायलट जीवित हैं और उनमें से एक पायलट को मामूली चोटें आई हैं। बता दें कि यह घटना उस समय हुई, जब अमेरिकी सेना ने यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। बहरहाल, अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमान' ने यह नहीं बताया कि यह घटना किस मिशन के दौरान हुई।

हूतियों को समझ कर अपने ही लड़ाकू विमान पर कर दिया हमला

अमेरिकी नौसेना ने जिस लड़ाकू विमान को मार गिराया, उसे उन्होंने समझा कि यह यमन के हूतियों का फाइटर प्लेन है। इसके बाद तत्काल कार्रवाई कर दी। मगर फाइटर प्लेन जब नीचे गिरा तो नौसैनिकों को अपनी गलती का एहसास हुआ। गनीमत यही रही कि दोनों पायलटों की जिंदगी बच गई। 'सेंट्रल कमान' ने एक बयान में कहा, '' निर्दिष्ट मिसाइल युद्धपोत 'यूएसएस गेटीसबर्ग' 'यूएसएस हैरी एस।ट्रूमैन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' का हिस्सा है। इस युद्धपोत ने 'एफ/ए-18' पर गलती से गोलाबारी की और उसे मार गिराया। 'एफ/ए-18' 'यूएसएस हैरी एस।ट्रूमैन' से उड़ान भर रहा था।

ब्राजील में भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रक की टक्कर में 38 लोगों की मौत

ब्राजील, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्राजील में भीषण सड़क हादसा हो गया है। यहां एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 38 लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए हैं। यह हादसा ब्राजील के मिनास गेरैस इलाके में हुआ है। इस हादसे के बाद वहां चीख पुकार मच गई। फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। बस में 45 यात्री सवार थे और यह बस साओ पाउलो से रवाना हुई थी। अथॉरिटीज ने बताया कि सभी पीड़ितों को घटनास्थल से हटा लिया गया है। हादसा क्यों और कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने रेस्क्यू टीम को बताया कि बस का टायर फट गया, जिससे बस ड्राइवर अपना नियंत्रण खो बैठा और बस एक ट्रक से टकरा गई। एक कार भी इस बस से टकरा गई। इसमें तीन लोग सवार थे। हालांकि, गमीमत ये रही कि ये तीन बच गए।

राष्ट्रपति- गवर्नर ने हादसे पर जताया दुख

मिनास गेरैस सड़क हादसे पर वहां के गवर्नर रोमेउ जेमा ने दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सरकार पीड़ितों की सहायता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मिनास गेरैस सरकार को पूरी तरह से सक्रिय होने का आदेश दिया गया है। क्रिसमस से ठीक पहले हुए इस हादसे ने सबको झकझोड़ दिया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने दुख जताया है। लूला ने कहा, मैं मिनास गेरैस के टेओफिलो ओटोनी में हुई दुर्घटना में मारे गए 30 से अधिक लोगों के परिवारों के लिए गहरा दुख व्यक्त करता हूं और प्रार्थना करता हूं। मैं इस भयानक त्रासदी में जीवित बचे लोगों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इससे पहले सितंबर में फुटबॉल टीम को ले जा रही एक बस सड़क पर पलट गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

लोगों को जबरन गायब करने में भारत शामिल, बांग्लादेश का नया आरोप

ढाका, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से बनाए गए आयोग ने दावा किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासनकाल के दौरान जबरन गायब किए जाने की घटनाओं में भारत का भी भूमिका सामने आई है। रिपोर्ट का हवाले देते हुए कहा, "बांग्लादेश के जबरन गायब किए जाने के मामलों में भारत की संलिप्तता सार्वजनिक रिकॉर्ड का मामला है।" रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज मैनुल इस्लाम चौधरी की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय आयोग का मानना है कि कुछ कैदी अभी भी भारतीय जेलों में बंद हो सकते हैं। आयोग ने कहा, "हम विदेश और गृह मंत्रालयों को सलाह देते हैं कि वे भारत में अभी भी कैद बांग्लादेशी नागरिक की पहचान करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। बांग्लादेश के बाहर इस मामले की जांच करना आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।"

आयोग के पास खुफिया जानकारी

आयोग का कहना है की बंदियों को भारत में होने और जबरन गायब किए जाने वाली घटनाओं में भारतीय एजेंसियों के जुड़े होने की उन्हें खुफिया जानकारी मिली है। आयोग ने दो लोकप्रिय मामलों का हवाला दिया, जो इस बात के सबूत दे रहे हैं कि इस तरह के ऑपरेशन कैसे किए गए थे। आयोग ने कहा, "एक मामला सुखरंजन बाली का था, जिसे बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट परिसर से अगवा किया गया था और बाद में वह भारतीय जेल में पाया गया और दूसरा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता सलाहुद्दीन अहमद का था।

3500 से ज्यादा लोगों को किया गया जबरन गायब

पिछले हफ्ते पांच सदस्य आयोग ने मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को 'सच्चाई का खुलासा' शीर्षक से एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया कि 3500 से ज्यादा लोग जबरन गायब किए गए हैं। आयोग में न्यायमूर्ति फरीद अहमद शिबली, मानवाधिकार कार्यकर्ता नूर खान, निजी बीआरएसी विश्वविद्यालय की शिक्षिका नबीला इदरीस और मानवाधिकार कार्यकर्ता सज्जाद हुसैन शामिल हैं।

कपड़े के गोदाम में लगी आग, बिल्डिंग हुई धुआं-धुआं; सर्च ऑपरेशन जारी

कराची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची के जमशेद रोड पर एक कपड़े के गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, आग शुरू में ग्राउंड फ्लोर तक फैली फिर उसके बाद इस आग ने कराची के जमशेद रोड स्थित इमारत की पहली मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। आग ज्यादा फैलने से टिन की चादरें ढह गईं। पाकिस्तान के एरी न्यूज ने इस घटना की जानकारी दी है। एरी न्यूज ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए छह फायर टेंडर और वाटर बोजर को घटनास्थल पर भेजा गया है। हालांकि आग की भीषणता के कारण आग पर काबू पाने में समय लग रहा है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि आग लगने के वक्त इमारत के अंदर कोई मौजूद नहीं था। हालांकि, एहतियात के तौर पर अग्निशमन कर्मी परिसर की गहन तलाशी ले रहे हैं।

सिंध के मुख्यमंत्री ने रिपोर्ट सौंपने का दिया निर्देश

एरी न्यूज के मुताबिक, सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने संबंधित अधिकारियों को घटना पर एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने आग पर काबू पाने और आगे की क्षति को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को लागू करने के महत्व पर भी जोर दिया। एक हफ्ते से भी कम समय में पाकिस्तान में यह दूसरी बड़ी अग्नि दुर्घटना की घटना है। इससे पहले 19 दिसंबर को तेजगाम एक्सप्रेस में आग लग गई थी, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई थी। पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता के मुताबिक, यह घटना कोट लखपत और जिया बग्गा रेलवे स्टेशन के बीच हुई। लाहौर से कराची जाते समय तेजगाम एक्सप्रेस के ब्रेक वैन में आग लग गई। प्रवक्ता के अनुसार, घटना होते ही यात्री तुरंत ट्रेन से उतर गए और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कांगो के बुसिरा नदी में पलटी नौका क्रिसमस मनाने घर आ रहे 38 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लापता

किंशासा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कांगो के बुसिरा नदी में यात्रियों से भरी नौका अचानक लहरों में हिचकोले खाकर पलट गई। इससे अपने घर क्रिसमस मनाने के लिए लौट रहे 38 लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोग लापता हो गए हैं। राहत और बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। यह हादसा शुक्रवार देर रात बुसिरा नदी में हुआ। यात्रियों से खचाखच भरी नाव अचानक पलट गई। स्थानीय अधिकारियों एवं प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। बता दें कि नौका पलटने की यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब करीब चार दिन पहले ही देश के उत्तर-पूर्व में एक अन्य नाव के डूबने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। कांगो में नौका पलटने की हालिया घटना में अब तक 20 लोगों को बचाए जाने की पुष्टि हुई है। दुर्घटनास्थल के पास स्थित इंगेंडे शहर के मेयर जोसफ जोसफ कांगोलिंगोली ने बताया कि नौका कांगो के उत्तर-पूर्व में जलक्षेत्र में थी और इसमें अधिकतर वे व्यापारी सवार थे जो क्रिसमस मनाने के लिए घर लौट रहे थे।

एक नौका पर सवार थे 400 से ज्यादा लोग

इंगेंडे के निवासी एनडोलो कैडी ने बताया कि नौका में ''400 से अधिक लोग सवार थे और यह नौका बोएंडे के रास्ते में पड़ने वाले दो बंदरगाहों इंगेंडे और लूलो से होकर गुजरी थी, इसलिए ऐसा लगता है कि मृतक संख्या अधिक होगी।'' कांगो के अधिकारी नौकाओं में क्षमता से अधिक लोगों को ले जाने के खिलाफ अक्सर चेतावनी जारी करते हैं और जल परिवहन संबंधी सुरक्षा उपायों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करते हैं लेकिन दूरदराज के इलाकों से आने वाले अधिकतर यात्री सड़क मार्ग से यात्रा करने का खर्च वहन नहीं कर सकते।

गाजा पर क्यों नहीं हो पा रही डील, क्या चाहते हैं इजराइल और हमास?

गाजा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हमास इजराइल जंग इस साल के आखिर तक रुक सकती है। गाजा में सरकार चलाने वाले हमास ने कहा है कि सीजफायर डील की संभावनाएं इस बार सबसे ज्यादा हैं, अगर इजराइल अब कोई नई कंडीशन न लगाए। हमास, फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद और पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन के नेताओं का प्रतिनिधिमंडल काहिरा में मिला। ये मुलाकात युद्ध विराम और बंधक रिहाई समझौते के लिए चल रही वार्ता पर

चर्चा करने के लिए थी। इन तीनों ही संगठनों के पास बंधक हैं। हमास ने अपने बयान में कहा कि गुटों ने हमारे लोगों के खिलाफ आक्रामकता को रोकने के लिए सभी की उत्सुकता पर जोर दिया है। जाहिर तौर पर ये रुख गुटों का स्थायी युद्ध विराम की मांग के संदर्भ में था। युद्धविराम वार्ता में असहमति का मुख्य कारण युद्ध विराम समझौते की प्रकृति है, जिसमें हमास लड़ाई को स्थायी रूप से खत्म करने की मांग कर रहा है, जबकि इजरायल एक अस्थायी विराम की मांग कर रहा है। जिसके दौरान कुछ बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा और उसके बाद लड़ाई फिर से शुरू हो जाएगी। एक अरब राजनयिक ने टाइम्स ऑफ इजरायल को बताया कि फिलिस्तीनी समूह की सैन्य और शासन ताकत को खत्म करने के लिए इजराइल ऐसी मांग रख रहा है। इजराइल ने एक ऐसे समझौते की मांग की है जो 'सैन्य अभियान को समाप्त करे', जबकि हमास इस बात पर जोर दे रहा है कि समझौते में यह कहा जाए कि युद्ध विराम से 'युद्ध समाप्त हो', बयान में आगे कहा गया कि सभी पक्षों ने विभिन्न फिलिस्तीनी गुटों के बीच सुलह समझौते के लिए मिस्र के प्रयास की सराहना की है। सभा संगठनों की दूसरी बैठक जल्द हो सकती है। इस हफ्ते की शुरुआत में, हमास ने कहा कि कतर के दोहा में गाजा युद्ध विराम और बंधक-कैदियों की अदला-बदली के मकसद से की गई वार्ता 'गंभीर और सकारात्मक' थी। जिसके बाद उम्मीद जताई जा रही है कि पिछले एक साल से ज्यादा से चली आ रही जंग अब रुकने के करीब है। इजराइल और हमास 7 अक्टूबर 2023 से गाजा पट्टी में युद्ध लड़ रहे हैं। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से कतर, अमेरिका और मिस्र के साथ मिलकर युद्ध विराम और बंधक रिहाई समझौते को सुरक्षित करने के लिए महीनों से काम कर रहा है।

सभी विद्रोही संगठन बनेंगे सीरियाई सेना का हिस्सा- एचटीएस चीफ

सीरिया, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में तख्तापलट को बाद पूरी दुनिया को इस बात की चिंता है कि सीरिया का नया शासन कैसा होगा. सीरिया की आंतरिक सरकार का नेतृत्व इस समय में हयात तहरी अल-शाम के चीफ अल-शरा कर रहे हैं. बशर अल असद की सेना के खिलाफ हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) के साथ मिलकर दर्जनों संगठन लड़ाई लड़ रहे थे. कई जानकारों ने डर जताया है कि इन सभी संगठनों में सीरियाई सरकार में अपने-अपने हिस्से को लेकर मतभेद हो सकता है. अब इसको लेकर अल शरा ने एक बड़ा ऐलान किया है. हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता अहमद अल-शरा ने बताया कि सभी सैन्य गुटों को नई सीरियाई सेना में रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में एक इकाई में विलय कर दिया जाएगा. इस ऐलान के साथ-साथ अल-शरा ने सीरियाई आंतरिक सरकार के रक्षा मंत्रालय की कमान मुरहफ अबू कासरा को सौंपी. इसके अलावा उन्होंने कई प्रांतों के गवर्नर और दूसरे मंत्रालय के भी मंत्रियों को चुना, लेबनानी न्यूज आउटलेट 'अल-मायदीन' के मुताबिक ज्यादातर पद एचटीएस से जुड़े लोगों को ही दिए गए हैं.

सरकार में सबकी हिस्सेदारी – अल-शरा

एचटीएस चीफ अल-शरा ने मीडिया को दिए गए अपने कई इंटरव्यू में कहा है कि सीरिया की नई सरकार में हर वर्ग की हिस्सेदारी होगी. साथ ही उन्होंने इस बात का भी दावा किया है कि सीरिया में अल्पसंख्यकों के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा. हालांकि असद के भाग जाने के बाद भी सीरिया में अभी पूरी तरह से शांति नहीं आई है. गोलान हाइट्स से लगे क्षेत्र में इजराइल ने कब्जा जमा लिया है, वहीं कुर्द फोर्स के कब्जे वाले क्षेत्रों से भी झड़पों की खबरें हैं.

अल्बानिया में भी टिकटॉक पर प्रतिबंध

प्रधानमंत्री बोले- इस एप पर सिर्फ कीचड़ और कचरा ही नजर आता है

तिराना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। चाइनजी एप टिकटॉक को अब अल्बानिया में भी बंद किया जा रहा है। अल्बानियाई पीएम एडी रामा ने कहा कि एप पर केवल कीचड़ और कचरा दिखता है। सरकार ने 2025 से कम से कम एक साल के लिए टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। तिराना में शिक्षकों, अभिभावकों और मनोवैज्ञानिकों के साथ पीएम एडी रामा ने बैठक की। उन्होंने कहा कि हम इस एप को एक साल के लिए अपने देश से बाहर निकाल देंगे। इसकी बजाय सरकार अब छात्रों की शिक्षा के लिए कार्यक्रम शुरू करेगी। साथ ही अभिभावकों की मदद के लिए योजना लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि चीन में टिकटॉक का उपयोग पाठ्यक्रम और शिक्षा संबंधी पहलों के लिए किया जाता है। इस पर बताया जाता है कि छात्र किस प्रकार पाठ्यक्रम ले सकते हैं? प्रकृति की रक्षा कैसे की जा सकती है? परंपराओं को कैसे कायम रखा जा सकता है?

अशोक गहलोत का सीएम भजनलाल से बड़ा अनुरोध

अतिवृष्टि से हुये नुकसान की भरपाई करें

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में बीते साल मार्च माह में तेज अंधड़ की बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि से रबी सीजन की फसलों में बड़ा नुकसान हुआ है। इस नुकसान की भरपाई अभी तक न होने पर कांग्रेस के बड़े नेता अशोक गहलोत एक बार फिर सक्रिय हुए। अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट X पर आज रविवार को राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल इस राशि को जल्द से जल्द जारी करवाकर किसानों को राहत दिलवाएं।

80 फीसद क्लेम एवं खाद-बीज की राशि देना हुआ था तय

किसानों के हक का मुद्दा उठाते हुए अशोक गहलोत ने लिखा 2023 में जोधपुर में हुई अतिवृष्टि से फसल खराब हुई थी। उस समय गिरदावरी करवाकर फसल खराबे का 80 फीसद क्लेम एवं खाद-बीज की राशि देना तय हुआ था। लेकिन आचार संहिता के कारण बीमा क्लेम राशि किसानों को नहीं मिल सकी। करीब एक वर्ष बीत जाने के बाद भी यह राशि किसानों को नहीं मिली है। मुख्यमंत्री से निवेदन है कि इस राशि को जल्द से जल्द जारी करवाकर किसानों को राहत दिलवाएं।

जोधपुर में अतिवृष्टि से हुई थी फसल खराब

जोधपुर में बीते साल मार्च माह में तेज अंधड़ की बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि से रबी सीजन की फसलों में बड़ा नुकसान हुआ है। जोधपुर में 4 मार्च को विभिन्न गांवों में ओलावृष्टि हुई थी। जिले में रबी सीजन के दौरान 6 लाख हैक्टेयर में फसल की बुवाई हुई थी। किसानों को अभी तक इसका मुआवजा नहीं मिला है।

क्यों न दोषी अफसरों को सजा दें

हाईकोर्ट ने सरकार से उठाए गए कदमों की मांगी जानकारी

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर हाईकोर्ट ने जयपुर-अजमेर हाईवे पर अग्निकांड मामले में आपदा प्रबंधन मंत्रालय, पेट्रोलियम सचिव और मुख्य सचिव सहित अन्य को नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों न दोषी अफसरों के खिलाफ जांच कर लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि अति ज्वलनशील रसायन व गैस गोदाम आदि को घनी आबादी क्षेत्र से दूर किया जाए।

कोर्ट ने यह भी पूछा है कि क्यों न पुलों एवं ओवरब्रिजों के निर्माण कार्यों को तय समय में पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं और ज्वलनशील गैस व रसायनों के परिवहन के लिए अलग रास्ता मुहैया कराने पर पॉलिसी बनाई जाए।

न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड ने जयपुर में भांकरोटा के पास हुए हादसे पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेकर यह आदेश दिया। कोर्ट ने जनहित याचिका के तौर पर 10 जनवरी को मामले को सुनवाई के लिए खंडपीठ के समक्ष लगाने को कहा है।

वहीं, इस मुद्दे पर केन्द्र और राज्य सरकार से उठाए गए कदमों की जानकारी भी मांगी है।

भाजपा के सुशासन से बौखलाई कांग्रेस

झूठे आरोप लगाकर जनता को भ्रमित कर रही है- गृह राज्यमंत्री

भरतपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने एक साल में बेमिसाल काम किए हैं, जिससे जनता को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को बिजली, पानी, सम्मान निधि और गेहूं की एमएसपी पर बोनस देकर उनका आर्थिक सशक्तीकरण किया है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में किसानों को केवल धोखे और कर्ज के बोझ तले दबने के लिए छोड़ दिया था।

राज्यमंत्री बेढ़म ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे और विश्व स्तरीय सड़क तंत्र विकसित किया जा रहा है। वहीं कांग्रेस सरकार के समय सड़कों की हालत इतनी खस्ता थी कि पूर्व मुख्यमंत्री को सड़कों की बजाय हेलिकॉप्टर से यात्रा करनी पड़ी थी।

राज्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत सरकार ने 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए हैं। इसके अलावा संशोधित पार्वती, कालीसिंध, चंबल परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों की 3.25 करोड़ जनता को पीने का पानी उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है।

बेढ़म ने कहा कि कांग्रेस केवल तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और जातिवाद की राजनीति करती आई है। कांग्रेस सरकार ने कभी विकास कार्यों को प्राथमिकता नहीं दी और जनता को गुमराह करने की कोशिश करती रही। राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और यह सुशासन कांग्रेस की राजनीति से मेल नहीं खाता, इसलिए वे झूठे आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पश्चिमी विक्षोभ से राजस्थान में बढ़ेगी सर्दी

बारिश के साथ ओले गिरने की चेतावनी

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर सहित प्रदेशभर में कड़ाके की ठंड से आमजन जीवन प्रभावित नजर आ रहा है। इसी बीच मौसम विभाग ने नया अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो प्रदेश में आगामी दिनों में एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। इनके असर से बादल छाए रहने और मावठ गिरने के आसार हैं। इस दौरान कहीं-कहीं ओले गिरने की भी आशंका है। इससे सर्दी का असर और तेज होगा। राजस्थान में शीतलहर और कोहरे से कई शहरों का तापमान गिर गया। बीते 24 घंटे में सबसे कम तापमान फतेहपुर का तापमान 4.3 डिग्री दर्ज किया है। इसके अलावा कई जिलों में धुंध पड़नी भी शुरु हो गई है। फतेहपुर के माउंटआबू का तापमान 4.4, सीकर का तापमान 5, पिलानी का 5.4, श्रीगंगानगर का 6.1, चूरू का 6.7, हनुमानगढ़ का 4.4, करौली का 6.2, अजमेर का 9.6, अलवर का 8, जयपुर का 9.4 डिग्री सेल्यियस पारा दर्ज किया गया।

3 दिन इन जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने तीन दिन कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 23 दिसंबर : अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सीकर, दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, चूरू और हनुमानगढ़ में बारिश होने की संभावना है। 24 दिसंबरः बारां और बांसवाड़ा में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 25 दिसंबरः झालावाड़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, पाली, राजसमंद, जालौर, सिरोही, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ में येलो अलर्ट जारी किया है। जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 23-24 दिसंबर को राज्य के उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने व आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। इसके अलावा एक और पश्चिमी विक्षोभ 26-27 दिसंबर के दौरान राज्य के कुछ भागों में सक्रिय होने की प्रबल संभावना है। मेघगर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

देव वनों और रुंध भूमि का होगा संरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने दिए डीम्ड फॉरेस्ट का दर्जा देने के आदेश

अलवर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के ओरण, देव-वन और रुंध जैसे पारंपरिक पारिस्थितिकी तंत्रों के संरक्षण के लिए बड़ा कदम उठाया जा रहा है। कृषि एवं पारिस्थितिकी विकास संस्थान (कृपाविस) के संस्थापक अमन सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार इन क्षेत्रों को डीम्ड फॉरेस्ट का दर्जा दिया जाएगा। इस पहल से राज्य के लगभग 6 लाख हैक्टेयर ओरण भूमि के करीब 25,000 ओरणों का संरक्षण सुनिश्चित होगा।

जानकारी के अनुसार जिले में 200 ओरण-देव वन और 18 रुंध क्षेत्रों का ऑन-ग्राउंड और सैटेलाइट मैपिंग का कार्य किया जाएगा। इन क्षेत्रों में कुल 2,000 हैक्टेयर देव वन और 1,800 हैक्टेयर रुंध क्षेत्र शामिल हैं। यह मैपिंग इन भूमियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अमन सिंह ने बताया कि ओरण और देव वनों को संरक्षित करने के लिए 2021 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

क्या हैं ओरण और डीम्ड फॉरेस्ट?

ओरण शब्द संस्कृत के 'अरण्य' से निकला है, जिसका अर्थ है

वनभूमि। ओरण ऐसी जमीन है] जहां खेती नहीं की जाती और पेड़ों की कटाई पर पूरी तरह रोक है। इन स्थानों पर पशु और पक्षियों को स्वच्छंद विचरण की सुविधा होती है।

जबकि डीम्ड फॉरेस्ट वे क्षेत्र हैं, जिनमें वनों जैसी विशेषताएं हैं लेकिन वे न तो सरकारी अधिसूचना में आते हैं और न ही राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद इन क्षेत्रों को डीम्ड फॉरेस्ट का दर्जा मिलने से इनके संरक्षण को कानूनी दर्जा मिलेगा।

अमन सिंह ने बताया कि यदि सरकार ओरण और देव वनों में रहने वाले लोगों को हटाना चाहे तो वे फॉरेस्ट राइट्स एक्ट (FRA) के तहत दावा कर सकते हैं कि यह क्षेत्र उनके अधिकार में आता है। उन्होंने यह भी कहा कि ओरण और देव वनों का संरक्षण न केवल स्थानीय समुदायों बल्कि वैश्विक स्तर पर भी लाभकारी होगा। भारत सरकार ने 30% जंगल बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, जिसे इस कदम से बड़ी सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगी, बल्कि राजस्थान की पारंपरिक पारिस्थितिकी प्रणालियों और संस्कृति को संरक्षित करने में भी मदद करेगी। ओरण और देव वनों का संरक्षण इन क्षेत्रों के वन्यजीवों और जैव विविधता के लिए वरदान साबित होगा।

पूर्व सभापति पर लगे यौन शोषण के मामले में आया नया मोड़

युवती और उसके पति पर हनीट्रैप का आरोप

चित्तौड़गढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। नगर परिषद के पूर्व सभापति संदीप शर्मा पर लगे यौन शोषण के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। संदीप शर्मा ने युवती और उसके पति के खिलाफ सदर थाने में हनी ट्रैप का मामला दर्ज करवाते हुए ब्लैकमेल और पैसे ऐंठने का आरोप लगाया है।

मामले की जानकारी देते हुए पूर्व सभापति संदीप शर्मा ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एक युवती ने काम के बहाने उनसे संपर्क किया और नजदीकियां बढ़ाईं। युवती ने प्रेम का नाटक करते हुए भावनात्मक और शारीरिक संबंध स्थापित किए। बाद में उसने अंतरंग फोटो और वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करना

शुरू कर दिया। शर्मा का आरोप है कि युवती और उसके पति ने मिलकर उनसे नकद और ऑनलाइन रकम ऐंठी और जब उन्होंने पैसे देने से मना किया तो युवती ने धमकी दी कि वह वीडियो और फोटो वायरल कर देगी। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया कि 18 फरवरी 2023 को उदयपुर के एक होटल में युवती ने मंगलसूत्र पहनाने का दबाव बनाया। ऐसा न करने पर उसने पुलिस बुलाने की धमकी दी, जिसके बाद मजबूरी में उन्हें मंगलसूत्र पहनाना पड़ा। इसके बाद 16 सितंबर 2024 को कोटा में मंत्रोच्चार के साथ शादी भी करवाई गई।

संदीप शर्मा ने युवती और उसके पति के साथ-साथ राजनीतिक विरोधियों पर भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने रिपोर्ट में कहा कि यह साजिश उनके राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचाने के लिए रची गई। उन्होंने इसमें कांग्रेस के एक बड़े नेता और स्थानीय जनप्रतिनिधि का हाथ बताया है। गौरतलब है कि इससे पहले युवती ने संदीप शर्मा पर यौन शोषण का मामला दर्ज करवाया था।

हादसे का शिकार हुआ वसुंधरा राजे के काफिले का वाहन, सात पुलिसकर्मी घायल

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पाली जिले के बाली में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के काफिले में शामिल पुलिस की बोलेरो गाड़ी पलट गई। हादसा एक बाइक सवार को बचाने की कोशिश में हुआ। हादसे में 7 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इनमें से 3 को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मंत्री ओटा राम देवासी की माता के निधन पर संवेदना व्यक्त करने के बाद जोधपुर लौट रही थीं। इस दौरान एक बाइक सवार को बचान के प्रयास में काफिले में शामिल पुलिस की बोलेरो पलट गई। हादसे में 7 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें बाली हॉस्पिटल भर्ती कराया गया है। हादसे में तीन पुलिसकर्मियों को ज्यादा चोटें आई है। प्राथमिक इलाज के बाद सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी लगते ही वसुंधरा राजे ने घायलों की मदद की और उन्हें एम्बुलेंस में बिठाकर राजकीय चिकित्सालय बाली भेजा। साथ ही बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह को भी उनके साथ भेजा गया। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे रविवार को मंत्री ओटाराम देवासी की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त करने पाली जिले के मुंडारा गांव गई थीं। रोहट और पाली के पणिहारी चौराहे पर भाजपा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया था। यहां से मुंडारा के लिए रवाना हुई थीं। इस दौरान बाली और कोट बालियान के बीच एस्कोर्ट करते हुए चल रही पुलिस की बोलेरो बाइक सवार को बचाने के दौरान पलट गई। प्रत्यक्षदर्शी भाजपा नेता रमेश परिहार के अनुसार बाइक सवार को बचाने के प्रयास में पुलिस की बोलेरो तीन बार पलटी। बोलेरो में 7 पुलिसकर्मी बैठे थे।

फिर चर्चा में आई कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा

रातभर बौंली पुलिस थाने के बाहर धरना दिया

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बामनवास विधायक इंदिरा मीणा एक बार फिर चर्चा में आ गई है। कांग्रेस विधायक मीणा ने रातभर बौंली पुलिस थाने के बाहर धरना दिया। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह धरना विभिन्न लंबित प्रकरणों में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिया गया। विधायक मीणा रात 9 बजे बौंली थाना पहुंची और थाना अधिकारी से विभिन्न अपराधों के आरोपियों की गिरफ्तारी की बात की। विधायक मीणा और एसएचओ राधारमण गुप्ता के बीच लगभग आधे घंटे तक वार्ता हुई। इस दौरान विधायक ने एसएचओ से अवैध खनन, पॉक्सो एक्ट और धोखाधड़ी जैसे

गंभीर मामलों के फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। एसएचओ राधारमण गुप्ता ने 10 दिनों के भीतर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। लेकिन विधायक इंदिरा मीणा तुरंत कार्रवाई की मांग पर अड़ गई। बता दें कि राठौद गांव में एससी की जमीन पर दबंगों का कब्जा करने, आठ माह पुराने पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तारी की मांग और थाना क्षेत्र में हो रहे अवैध बजरी खनन पर रोक लगाने की मांग को लेकर विधायक ने धरना दिया। विधायक और उनके समर्थक थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने रातभर अलाव जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। विधायक ने कहा कि जब तक फरार आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। उनका कहना था कि थाना क्षेत्र में अवैध खनन, एससी की जमीन पर दबंगों का कब्जा और पॉक्सो एक्ट के मामलों में गिरफ्तारी की स्थिति न होना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। विधायक इंदिरा मीणा ने बताया कि बौंली थाना क्षेत्र में विभिन्न गंभीर अपराधों के प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें से कई आरोपी फरार हैं।

पतियों पर केस कर करोड़पति बन गई लुटेरी दुल्हन

इंजीनियर, ज्वेलर, बिजनेस मैन किसी को नहीं छोड़ा, लिस्ट में इतने नाम

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में लूटेरी दुल्हन सीमा उर्फ निक्की को देहरादून से गिरफ्तार किया है। सीमा पर अमीर व्यक्तियों से शादी कर उन्हें ब्लैकमेल करने और उनके परिवारों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करवाने का आरोप है। सीमा अब तक कई लोगों को निशाना बना चुकी है और लाखों रुपये और कीमती गहने हड़प चुकी है।

पुलिस के मुताबिकए सीमा अग्रवाल जीवन साथी डॉट कॉम जैसे शादी के मोबाइल एप्लिकेशन पर विधुर और तलाकशुदा अमीर पुरुषों की तलाश करती थी। पहले वह उनकी निजी जानकारी जुटाती, फिर उनसे शादी करती। शादी के कुछ महीनों बाद वह घरवालों का विश्वास जीतकर उनके कीमती सामान और पैसे लेकर गायब हो

जाती थी।

जयपुर के झोटवाड़ा निवासी एक ज्वेलर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उन्होंने शादी डॉट कॉम पर रजिस्ट्रेशन किया। वहां उनकी मुलाकात सीमा अग्रवाल से हुई और दोनों ने फरवरी 2023 में शादी कर ली। शादी के कुछ ही महीनों बाद 28 जुलाई 2024 को, सीमा घर से करीब 25.30 लाख रुपये के गहने और नकदी लेकर फरार हो गई। इसके बाद सीमा ने ज्वेलर और उनके परिवार पर अप्राकृतिक मैथुन और अन्य गंभीर आरोप लगाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

पुलिस जांच में पता चला है कि सीमा ने 2013 में आगरा के एक व्यापारी से शादी की थी। कुछ दिनों बाद उसने प्रताड़ना का केस दर्ज करवाकर 75 लाख रुपये वसूले। 2017 में उसने गुरुग्राम के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शादी की और उसके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवाया। इस केस में उसने 10 लाख रुपये ऐंठे। जयपुर पुलिस ने देहरादून में छापा मारकर सीमा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सीमा ने माना कि वह अमीर और प्रतिष्ठित परिवारों को निशाना बनाकर उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाती थी।

नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास

कोर्ट ने पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई

पाली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्यावर जिले के जैतारण थाने में दर्ज इस इस मामले में पाली के पॉक्सो कोर्ट संख्या दो के जज जगदीश जाणी ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस सुनने के बाद अभियुक्त संदीप को छेड़छाड़ का दोषी मानते हुए 5 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट के विशिष्ठ लोक अभियोजक मनीष ओझा ने बताया कि ब्यावर जिले के जैतारण थाने में 17 मई 2024 को पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 15 मई को वह फैक्ट्री में काम पर गया हुआ था और उसकी पत्नी मनरेगा में काम करने गई हुई थी। इस दौरान घर पर उसकी 17 वर्षीय पुत्री को घर में अकेला पोकर संदीप पुत्र सुवादास ने जबरदस्ती घर में घुसकर घर में रखी कैंची से उनकी नाबालिग बेटी पर वार किया और डराकर उससे छेड़छाड़ की और दुष्कर्म करने का प्रयास किया।

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने वेंकट संग लिए सात फेरे

उदयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु आज उदयपुर के एक लग्जरी होटल में 7 फेरे लिए। हैदराबाद के आईटी कंपनी के डायरेक्टर वेंकट दत्ता उनके जीवनसाथी हैं।

शादी के बाद वर-वधू परिवार के साथ 23 दिसंबर को हैदराबाद पहुंचेंगे। वहां 24 दिसंबर को ग्रांड रिसेप्शन होगा। सिंधु ने पीएम नरेंद्र मोदी, पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, तेलंगाना के सीएम रेवंथ रेड्डी, आंध्र प्रदेश के सीएम चन्द्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम और अभिनेता पवन कल्याण सहित कई सेलिब्रिटी को इनवाइट किया है। वे खुद उन्हें शादी का कार्ड देने पहुंची थीं।

जनवरी में बिजी, इसलिए शादी के लिए दिसंबर चुना

सिंधु की शादी की बात उनके पिता पीवी रमन ने मीडिया को बताई थी। उन्होंने कहा था कि दोनों परिवार लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं। सिंधु का जनवरी से कार्यक्रम काफी काफी व्यस्त रहने वाला है, जिसको देखते हुए दिसंबर में शादी करना तय किया गया।

कौन है सिंधू के पति

वेंकट ने फाउंडेशन ऑफ लिबरल एंड मैनेजमेंट एजुकेशन से लिबरल आर्ट्स एंड साइसेंज/लिबरल स्टडीज में डिप्लोमा किया है। उन्होंने 2018 में फ्लेम यूनिवर्सिटी ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से अपना बीबीए अकाउंटिंग एंड फाइनेंस पूरा किया। इसके बाद इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी बंगलौर से डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग में मास्टर्स डिग्री पूरी की। पिछले साल 2023 में 14 फरवरी को भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने भी राफेल्स में शादी की थी। उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेसस नताशा के साथ हिंदू और क्रिश्चियन दोनों रीति-रिवाज में शादी की थी। इस साल की शुरुआत में 5 जनवरी से 11 जनवरी के बीच बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की बेटी आयरा खान ने अपने बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे से उदयपुर में शादी की थी।

टोलकर्मी पर फायरिंग कर तेज रफ्तार में भगाया ट्रक

डोडा पोस्त तस्करी के आरोपी गिरफ्तार

पाली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में जाडन टोल प्लाजा पर रविवार को नशे में धुत ट्रक सवार तस्करों ने टोलकर्मी पर फायरिंग कर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रक भगाया और रास्ते में एक निजी बस और एक ठेले को टक्कर मार दी। पुलिस ने पीछा कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और ट्रक में ले जाया जा रहा डोडा पोस्त जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर जाडन टोल प्लाजा पर ट्रक चालक और टोलकर्मी में 200 रुपये के टोल को लेकर विवाद हो गया। इस पर गुस्से में आकर ट्रक सवार महेंद्र और राकेश ने पिस्टल से टोलकर्मी पर फायरिंग कर दी और बिना टोल चुकाए ट्रक भगाकर ले गए। पुलिस के पीछा करने पर आरोपियों ने ट्रक को हाईवे पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया और बीच रास्ते में एक निजी बस और एक ठेले को टक्कर मार दी।

सिंगरेनी नए क्षेत्रों में विविधता लाएगी : भट्टी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को हरित ऊर्जा और अन्य खनिजों की खोज जैसे नए क्षेत्रों में विविधीकरण के साथ एक शीर्ष कंपनी के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठा रही है। सोमवार, 23 दिसंबर को मनाए जा रहे एससीसीएल स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए भट्टी ने कहा कि सिंगरेनी कोयला उत्पादन के माध्यम से राज्य और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और राज्य के एक स्तंभ के रूप में खड़ा है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के छह जिलों में लाखों लोगों के लिए आजीविका का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष स्रोत रहे सिंगरेनी को विस्तारित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, न केवल इसे कोयला उत्पादन तक सीमित करके बल्कि अन्य क्षेत्रों में प्रवेश करके भी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिंगरेनी संगठन के सतत भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने कर्मचारियों से संगठन को अग्रणी बनाए रखने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने का आग्रह किया।

अनाथालय में अन्न प्रसाद वितरित किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सामाजिक मंच ने आज काचीगुडा अनाथालय में अनाथ बच्चों को भोजन प्रदान करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

मिथिला सामाजिक मंच के अध्यक्ष राम विनोद झा, कार्य कारी अध्यक्ष शंभू नाथ झा, महासचिव रंजन कुमार झा, कोषाध्यक्ष शशि शंकर इशर (कुंदन) सचिव अनिल कुमार झा, उपाध्यक्ष सतीश कुमार झा, अरुण पासवान, राम बाबु यादव और कई अन्य सदस्यों ने अन्न प्रसादम तैयार करने और परोसने में भाग लिया। मंच के प्रमुख और अध्यक्ष राम विनोद झा ने कहा, हमारा मानना है कि प्रत्येक बच्चे को विशेष महसूस करने का अधिकार है, विशेष रूप से उत्सव के समय। हम चाहते हैं कि वे अपने समुदाय द्वारा मूल्यवान और प्यार महसूस करें। मिथिला सामाजिक मंच ने हर महीने इसी तरह के कार्यक्रम जारी रखने का फैसला किया है।

एनसीसी लिमिटेड ने पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कारों में बिखेरी चमक

4 प्रतिष्ठित सम्मान जीते

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी लिमिटेड को रायपुर में आयोजित 46वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष नंद कुमार साय और पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में चार प्रतिष्ठित पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पुरस्कारों में बाल देखभाल के लिए सर्वश्रेष्ठ सीएसआर (प्रथम पुरस्कार), पीआर और ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया (द्वितीय पुरस्कार), स्थिरता विकास रिपोर्ट (द्वितीय पुरस्कार) और वार्षिक रिपोर्ट (तृतीय पुरस्कार) शामिल थे।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये पुरस्कार इसमें शामिल सभी विभागों के समर्पण और टीम वर्क का प्रमाण हैं तथा एनसीसी लिमिटेड की सीएसआर और स्थिरता पहलों के माध्यम से समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

निजामाबाद के सांसद अरविंद और जगित्याल विधायक संजय ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स, हैदराबाद आवास पर मुलाकात की।

अल्लू अर्जुन को बदनाम कर रहे हैं सीएम : बंडी संजय

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर झूठे आरोप लगाकर लोकप्रिय टॉलीवुड अभिनेता अल्लू अर्जुन की छवि खराब करने का आरोप लगाया। रविवार को यहां जारी एक बयान में केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार एआईएमआईएम के साथ मिलीभगत करके पूर्व नियोजित योजना के तहत टॉलीवुड उद्योग को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म उद्योग के प्रति द्वेष रखने वाले मुख्यमंत्री ने भगदड़ की घटना का फायदा उठाया और विधानसभा में फिल्म उद्योग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में एआईएमआईएम के एक सदस्य को सवाल उठाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने मुद्दे को फिर से हवा देने के लिए एक फिल्म की कहानी जैसी कहानी गढ़ी, जो शर्मनाक है। एआईएमआईएम एक ऐसी पार्टी है जो दुर्भाग्य लाती है। अतीत में इसने बीआरएस के साथ गठबंधन किया और इसके पतन का कारण बनी। अगर कांग्रेस ऐसी पार्टी पर भरोसा करती रही, तो उसका भी यही हश्र होगा।

अल्लू अर्जुन द्वारा संध्या थिएटर में अपनी फिल्म देखने जाने का बचाव करते हुए संजय ने कहा कि अभिनेता ने थिएटर में जाने से पहले पुलिस को सूचित किया था। उन्होंने अखिल भारतीय फिल्म लाभ शो के लिए अपेक्षित भीड़ को जानते हुए भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में सरकार की विफलता पर सवाल उठाया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया, जिसके कारण महिला की दुखद मौत हुई और उसके बेटे की हालत गंभीर है।

राजका समाज ने बीसी वित्त आयोग अध्यक्ष से मुलाकात कर मांगें रखी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज तेलंगाना हिंदी राजका नेता एवं समाजसेवी घाससुवाले रविंदर सिंह के निर्देश पर एवं ग्रेटर हैदराबाद बीसी एसोसिएशन के महासचिव तुराब बाजारवाले रंजीत सिंह (रामंतपुर) के नेतृत्व में बीसी नेता सोबू वाले सुनील सिंह (घांसी बाजार) के साथ गंगादीनवाले अजय सिंह एवं अमित सिंह ने तेलंगाना बीसी वित्त आयोग के अध्यक्ष नुथी श्रीकांत गौड़ से बीसी आयोग कार्यालय में मुलाकात कर अपनी मांगें पूरी करने की मांग की। समाज के नेताओं ने 250 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के बारे में चर्चा कर मांग की कि इस सरकारी योजना का लाभ समाज को भी मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों से शिकायतें प्राप्त हुई है कि बिजली विभाग के लाइनमैन एवं मीटर रीडर्स द्वारा मुफ्त 250 यूनिट मीटर का ओवरड्यूज न चुकाने पर कनेक्शन काट दिया जाता है, जो 2021 में केसीआर सरकार द्वारा धोबी घाटों, धोबियों एवं सैलून को दिया गया था। सार्थक चर्चा के बाद अध्यक्ष श्री नुथी श्रीकांत गौड़ ने कहा कि वह इस बारे में वाशरमैन एवं नये ब्राह्मण सहकारी समिति फेडरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से चर्चा कर शीघ्र ही जवाब देंगे।

श्री गोपाल गौशाला इब्राहिमपटनम में विद्यार्थियों ने गौ सेवा की

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अशोक कुमार संघी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित संघी विद्या निकेतन तारनाका के विद्यार्थियों ने श्री गोपाल गौशाला इब्राहिमपटनम का भ्रमण कर गौसेवा की।

गौशाला के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने मंच से सभी विद्यार्थियों का अभिवादन करते हुए स्कूल मैनेजमेंट का आभार प्रकट किया और सभी स्कूल मैनेजमेंट से निवेदन है कि बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिए बच्चों को इस तरह के भ्रमण कराते रहें। गौशाला के चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने गायों की महिमा से अवगत कराया तथा गौसेवा करने का संदेश दिया।

स्कूल की प्रिंसिपल मैडम ग्रेस ने कहा कि विद्यार्थियों को गौशाला लाने का उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति से जोड़े रखना तथा आगे भी संस्कृति के अनुरूप कार्य करते रहें इसके लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने गौशाला के मैनेजमेंट का आभार व्यक्त किया। अशोक कुमार संघी चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन टी आर गोयल का शाल द्वारा सम्मान किया गया। स्कूल की ओर से वहां की प्रिंसिपल एवं अध्यापकों का सहयोग रहा। चेयरमैन के पोते मुकुल गोयल का बच्चों को मैनेज करने में विशेष सहयोग रहा। गौशाला के ज्वाइंट मैनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल के धन्यवाद ज्ञापन एवं गौशाला के कार्यवाहक राजूराम सेप्टा द्वारा संचालित सह भोज के साथ कार्य संपन्न हुआ।

टीटीडी हिल टाउन को आदर्श केंद्र बनाएगा : ईओ

तिरुमला, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू द्वारा दिए गए आह्वान के साथ, जिन्होंने तिरुमाला के विकास में पारंपरिक सौंदर्य और आधुनिक कार्यक्षमता के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीटीडी का लक्ष्य हिल टाउन को अपने विजन 2047 मिशन के साथ तीर्थयात्रा का आदर्श केंद्र बनाना है और इस दिशा में आगे बढ़ना है। रविवार को अन्नामैया भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, ईओ ने पिछले छह महीनों में लाई गई विभिन्न विकास गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि "स्वर्ण आंध्र विजन 2047" के अनुरूप, टीटीडी ने "तिरुमाला विजन 2047" के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं, जो एक रणनीतिक पहल है जो तिरुमाला में नियोजित विकास, पर्यावरण प्रबंधन और विरासत संरक्षण पर केंद्रित है। ईओ ने यह भी कहा कि 2019 में, तिरुमला जोनल प्लानिंग टीयूडीए मास्टर प्लान के हिस्से के रूप में की गई थी।

लेकिन यह वर्ष 2017 के आंकड़ों पर आधारित प्रस्ताव था जो वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है। इसलिए विजन 2047 को लक्ष्य करते हुए, वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय विकास योजना को संशोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि टीटीडी ने इस परिवर्तनकारी योजना में योगदान देने के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों को आमंत्रित किया है, जिसमें लगभग 18 परियोजनाओं की अवधारणा योजनाएं शामिल हैं जैसे फुटपाथ, स्मार्ट पार्किंग, नई लिंक सड़कों का निर्माण, सब-वे, रामबगीचा बस स्टैंड, बालाजी बस स्टैंड जैसे विभिन्न क्षेत्रों का पुनर्विकास, अलीपीरी में बेस कैंप का विकास और कई अन्य। टीटीडी के अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी, जेईओ गौतमी, सीवीएसओ श्रीधर, सीई सत्यनारायण और अन्य उपस्थित थे।

चेन्नई एग्मोर ट्रेन में आग लगी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जोगुलम्बा गदवाल, रेलवे स्टेशन पर रविवार शाम चेन्नई एग्मोर ट्रेन में आग लग गई। काचीगुडा रेलवे स्टेशन से चेन्नई के लिए ट्रेन के रवाना होने के तुरंत बाद गदवाल स्टेशन पर इसके बी4 कोच में आग लगने का पता चला। अधिकारियों ने तुरंत ट्रेन रोकी और यात्रियों को उतार दिया। गदवाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर घना धुआं छा गया और अन्य यात्री स्टेशन से बाहर भागते देखे गए।

एक शाम गौमाता के नाम का भव्य जागरण संपन्न

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिला पटनचेरू नन्दी गांव स्थित श्रीराम जीवा सेवा सदन गौशाला के समस्त ट्रस्टीगण एंव गौ रक्षा समिति के छत्तीस कौम के भक्तों द्वारा आयोजित एक शाम गौमाता के नाम का भजन संध्या संपन्न हुई। पटनचेरू के एसवीआर गार्डन में भजन संध्या में डॉ. ओमजी मुंडेल एंड पार्टी द्वारा मधुर वाणी से गणेश वंदना के साथ गौमाता के भजनों की बौछार हुई। गार्डन में पंडाल पूरी तरह से भक्तों द्वारा खचाखच भर गया। कार्यक्रम के पधारे हुए मुख्य अतिथियों अयोध्या राम मंदिर से जगतगुरु करार ओमप्रकाश उपाध्याय व सम्मानित अतिथियों एवं भजन सम्राट ओम मुंडेल व मेडचल-मलकाजगिरी एमपी ईटला राजेंद्र का कमलकिशोर मर्दा ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

मेदक एमपी रघुनन्दन राव का स्वागत गौशाला के सहमंत्री गिरिधर बाबु, प्रभुराम हाम्बड ने किया। कुमार शाहिल का स्वागत भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, पत्रकार परबत सोलंकी, कमलकिशोर मर्दा ने किया। अतिथियों को राजस्थानी साफा व दुपट्टा पहनाकर मोमेंटो दिया गया।

गौशाला के अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद, उपाध्यक्ष नरेंद्रबाबू, कोषाध्यक्ष चिदम्बरनातन, सहमंत्री गिरिधर बाबु, सदस्य गणेश सोनी, प्रचारमंत्री राजेश तापडीया, परामर्श दाता जसराज श्रीश्रीमाल पुरुषोत्तमदास सोनी, रमेशचंद्र व्यास गौशाला महिला अध्यक्ष पुष्पा मर्दा, सचिव सरदा मर्दा, पूजा तपड़िया, सुमित्रा बियानी, पुष्पा, सारडा, यशोदा, आराधना राठी, सावित्री ईनानी, ऊमा बंग, ऊषा बजाज, विजयलक्ष्मी बंग, पुष्पा झवर, सुमन शर्मा, वैष्णवी झवर ईशनापुर महिला मंडल इन्द्रादेवी, कमलादेवी, लीलादेवी, रुकमादेवी, रेखादेवी, बिरमगुड्डा सुमनमाली, सुरमादेवी कुमावत, सुनीता जाट, ममता सीरवी, पटनचेरू कमलादेवी, हीराबाई, मैनादेवी, संगीताशर्मा, शंकरपल्ली प्रेमादेवी सिरवी, पिस्तादेवी सिरवी, हीगलीदेवी सिरवी, प्रेमदेवी सिरवी, उगमादेवी सिरवी एवं सभी माहिलाए उपस्थित रहे। पटनचेरु माणकचंद कुमावत, प्रभुराम हाम्बड, जियाराम चौयल, केसाराम सेपटा, पवन हाम्बड, रावतराम काग, महेंद्र कुमावत, ओमाराम गौड़ावड, भंवरलाल राठौड़, रामलाल कुमावत, नाथूराम कुमावत, मांगीलाल सिरवी, मदनलाल कुमावत, जगदीश सिरवी शंकरपल्ली प्रभुराम काग, जगदीश पटेल, जालिमसिंह, राजुराम, विरसिंह, ईसनापुर इंदाराम सिरवी, रतनलाल जाट, गणेश धनाजी काग, राजुसिंह,रामलाल सिरवी, चुनीलाल सिरवी, मांगीलाल माली, संगारेड्डी रुगाराम परिहारिया, कानाराम डुबलदीया, बिरमगुड्डा श्याम कुमावत, परमेश्वर वैष्णव, सदाशिवपेट पीताराम चौयल, नन्दीगांव सोनाराम कुमावत, गौतम कुमावत व गौशाला ट्रस्टी एंव विभिन्न क्षेत्रों से गौरक्षा समिति के सभी सदस्यों एवं कई महिला शक्ति और युवा शक्ति ने सेवा में बढ़चढ़ कर कार्यक्रम को सफल बनाया। अवसर पर महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने और सभी अपराधों की जांच करने में गंभीर : सीवी आनंद

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में चालू वर्ष के दौरान अपराध दर में लगभग 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें शारीरिक अपराध, संपत्ति अपराध, बाल यौन शोषण मामले और साइबर अपराध के मामलों में भारी वृद्धि देखी गई है। हैदराबाद पुलिस ने वर्ष 2024 में 35,944 मामले दर्ज किए, जबकि पिछले वर्ष 25,488 मामले दर्ज किए गए थे। इस वर्ष शारीरिक अपराध के 8,447 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष 5098 मामले दर्ज किए गए थे और संपत्ति अपराध के 5,328 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष 3551 मामले दर्ज किए गए थे। रविवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने और सभी अपराधों की जांच करने में गंभीर है। उन्होंने कहा, एफआईआर का निःशुल्क पंजीकरण होने के कारण मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। शहर की आबादी भी बढ़ रही है। पुलिस किसी भी अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता का दृष्टिकोण अपना रही है और शहर पुलिस की सभी शाखाएं मामलों की गंभीरता से जांच कर रही हैं। आनंद ने कहा, सेल फोन छीनने के मामले दर्ज किए गए हैं और समर्पित टीमें अपराधियों को पकड़ रही हैं और उन्हें गिरफ्तार कर रही हैं। शहर में संगठित अपराध कम हो गए हैं और सभी बदमाशों की गतिविधियों पर निगरानी और नियंत्रण रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद पुलिस अगले साल की शुरूआत में ड्रोन रखरखाव और संचालन विंग शुरू करेगी। शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि जुलूसों और महत्वपूर्ण बंदोबस्तों की निगरानी के लिए वे निजी कंपनियों से ड्रोन किराए पर ले रहे हैं। उन्होंने कहा, आने वाले साल में हम ड्रोन खरीदेंगे और समर्पित टीमें इसका संचालन और रखरखाव करेंगी। ड्रोन के प्रबंधन के लिए एक अलग विंग बनाया जाएगा। हैदराबाद पुलिस ने सड़कों पर यातायात के बेहतर प्रबंधन के लिए यातायात अनुकूलन हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित प्रणालियों को लागू करने की योजना बनाई है।

निलंबित एसीपी ने अल्लू अर्जुन के खिलाफ बोला हमला

अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए डीजीपी को रिपोर्ट

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसीपी विष्णु मूर्ति ने आज सोमाजीगुडा स्थित प्रेस क्लब में प्रेस मीट बुलाई थी और उन्होंने अल्लू अर्जुन के खिलाफ जमकर बोला। वह पहले निजामाबाद में डीएसपी टास्क फोर्स के पद पर कार्यरत थे और बाद में आरोपों के चलते उन्हें डीजीपी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया और बाद में अक्टूबर 2024 में निलंबित कर दिया गया। हालांकि इस एसीपी कार्यालय को पुलिस विभाग द्वारा पहले ही ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया था। डीसीपी सेंट्रल जोन, हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट अक्षांश यादव ने बताया कि हमारे संज्ञान में आया है कि विष्णु मूर्ति ने उच्च अधिकारियों से पूर्व अनुमति लिए बिना या किसी वरिष्ठ अधिकारी को सूचित किए बिना यह प्रेस वार्ता आयोजित की। यह कार्रवाई अनुशासनात्मक मानदंडों का स्पष्ट उल्लंघन है। हम विष्णु मूर्ति के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को रिपोर्ट भेज रहे हैं। डीजीपी कार्यालय इस मामले की जांच करेगा और आवश्यक कार्रवाई करेगा। हम दोहराते हैं कि ऐसी कार्रवाइयां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और आचरण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश सरकार के खिलाफ विरोध रैली निकाली

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना ने बांग्लादेश में चल रहे हिंदूओं के नरसंहार की निंदा करने के लिए आज एक विरोध रैली का आयोजन किया। रैली श्याम बाबा मंदिर से शुरू हुई और वीर सावरकर चौक पर समाप्त हुई। इस अवसर पर, बजरंग सेना हैदराबाद के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने बांग्लादेश में हिंदुओं के क्रूर नरसंहार की कड़ी निंदा की और हिंदू समुदाय को ऐसे अत्याचारों से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और भारत सरकार से इस ज्वलंत मुद्दे को हल करने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने का आहवान किया। विरोध प्रदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन मंत्री सुरेंदर सुरनाजी उपस्थित थे। महत योगी प्रशांत दास सहित संजय कुमार, श्रीनिवास गुप्ता, राघव कुमार, भवानी, किरण, प्रिया चारी, दीक्षिता, नरेश, विनय तिवारी (सलाहकार), मनोज मोगलगिड्डी, तरनजीत सिंह और अन्य ने रैली में भाग लिया और इस मुद्दे के प्रति अपनी एकजुटता दिखाई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

अल्लू अर्जुन ...

हालांकि, हमें अल्लू अर्जुन के परिवार से कोई शिकायत नहीं मिली है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। यह घटना रविवार को अल्लू अर्जुन द्वारा एक बयान जारी करने के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों से अपील की थी कि वे संध्या थिएटर भगदड़ मामले में उनके खिलाफ नए आरोपों के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी तरह की अपमानजनक भाषा या व्यवहार का सहारा न लें।

अल्लू अर्जुन का पोस्ट :

उन्होंने पोस्ट में लिखा था, मैं अपने सभी प्रशंसकों से अपील करता हूं कि वे हमेशा की तरह जिम्मेदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करें और ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी तरह की अपमानजनक भाषा या व्यवहार का सहारा न लें। फर्जी आईडी और फर्जी प्रोफाइल के साथ मेरे प्रशंसकों के रूप में गलत बयानी करते हुए अगर कोई अपमानजनक पोस्ट करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मैं प्रशंसकों से अनुरोध करता हूं कि वे ऐसे पोस्ट से न जुड़ें।

दरअसल, 13 दिसंबर को अल्लू अर्जुन को संध्या थिएटर में उनकी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा-2: द रूल के प्रीमियर के दौरान हुई दुखद भगदड़ के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया, जिसमें रेवती नाम की एक महिला की मौत हो गई और उसका बेटे आईसीयू में भर्ती है। हालांकि, चंचलगुडा जेल में एक रात बिताने के बाद उन्हें जमानत मिल गई।

एक देश, एक...

इस कमेटी की रिपोर्ट को हाल ही में कैबिनेट द्वारा स्वीकार कर इस संबंध में दो बिल लोकसभा में पेश किए गए।

पहला है संविधान (129वां संशोधन) बिल। दूसरा है केंद्र शासित कानून (संशोधन) बिल 2024, जो पुडूचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव करवाने से संबंधित है। इन बिलों पर विस्तृत चर्चा करने और सर्वसम्मति बनाने के लिए उन्हें अब संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया है। अगर तमाम औपचारिकताएं पूरी भी हो जाती हैं, तब भी यह व्यवस्था 2034 से पहले अमल में नहीं आ पाएगी।

निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2034 में अगर 'एक देश एक चुनाव' की नीति लागू होती है तो सिर्फ ईवीएम की खरीदी के लिए ही 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह राशि कितनी ज्यादा है, इसका अंदाजा केवल इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अनुमानतः एक लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

रामनाथ कोविंद कमेटी ने बताया कि एकसाथ चुनाव कराने के लिए सेंट्रल सिक्योरिटी फोर्सेज में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। यानी करीब 7 लाख कर्मियों की जरूरत होगी। 2024 में सिक्योरिटी फोर्स के करीब 3.40 लाख कर्मचारियों और अधिकारियों की चुनावों में ड्यूटी लगी थी।

देश के विभिन्न भागों में चुनावों के चल रहे चक्रों के कारण राजनीतिक दल, उनके नेता और सरकारों का ध्यान चुनावों पर ही रहता है। एक साथ चुनाव करवाने से सरकारों का फोकस विकासात्मक गतिविधियों और जनकल्याणकारी नीतियों के क्रियान्वयन पर केंद्रित होगा।

चुनाव की वजहों से पुलिस सहित अनेक विभागों के पर्याप्त संख्या में कर्मियों की तैनाती करनी पड़ती है। एकसाथ चुनाव कराए जाने से बार बार तैनाती की जरूरत कम हो जाएगी, जिससे सरकारी अधिकारी अपने मूल दायित्वों पर फोकस कर पाएंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में पहुंचे पीएम मोदी

कुवैत को कहा 'मिनी हिंदुस्तान'

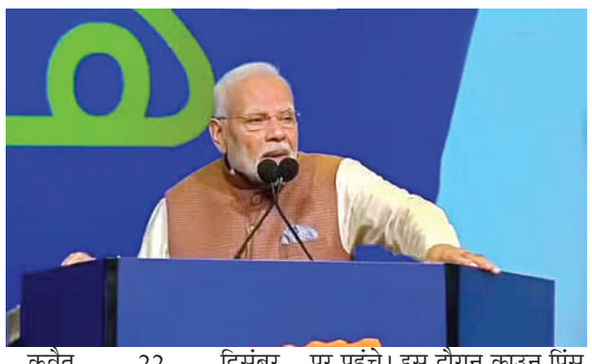

कुवैत, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों कुवैत के दौरे पर हैं। उन्होंने जाबेर अल-अहमद अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 26वें अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। वह यहां कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के आमंत्रण पर पहुंचे। इस दौरान क्राउन प्रिंस और कुवैत के प्रधानमंत्री भी मौजूद रहे।

कुवैत ने सर्वाधिक बार जीता टूर्नामेंट

अरेबियन गल्फ कप की मेजबानी कुवैत कर रहा है, जिसमें जीसीसी राष्ट्र, इराक और यमन सहित आठ देश भाग ले रहे हैं। यह टूर्नामेंट इस क्षेत्र के सबसे प्रमुख खेल आयोजनों में से एक है। भाग लेने वाले देशों में कुवैत ने सबसे ज्यादा बार टूर्नामेंट जीता है।

पीएम ने कुवैत को कहा मिनी हिंदुस्तान

इस दौरान पीएम ने कुवैत में मौजूद भारतीयों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा- हर साल सैकड़ों भारतीय कुवैत आते हैं। आपने कुवैती समाज में भारतीय स्पर्श जोड़ा है। आपने कुवैत के कैनवास को भारतीय कौशल के रंगों से भर दिया है।

आपने कुवैत में भारत की प्रतिभा, तकनीक और परंपरा का सार मिला दिया है। प्रधानमंत्री ने खाड़ी देश में देश के विभिन्न कोनों से आए भारतीयों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे मिनी हिंदुस्तान कहा।

ओलिंपिक मेडलिस्ट हॉकी कैप्टन हरमनप्रीत को खेल रत्न मिलेगा

30 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड दिया जाएगा, इनमें 13 पैरालिंपियन

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। उनकी कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उनके अलावा एक पैरा एथलीट को भी खेल रत्न दिया जाएगा। पैरालिंपिक 2024 में शूटिंग में 4 मेडल जिताने वाले सुभाष राणा को द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। एक अन्य कोच को भी द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नवाजा जाएगा।

नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड कमेटी की बैठक में यह फैसला किया गया है। नेशनल अवॉर्ड कमेटी की बैठक पिछले हफ्ते हुई थी। दैनिक भास्कर को सूत्रों ने बताया कि 2024 में 30 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया जाएगा, जिसमें 17 खिलाड़ी सामान्य और 13 पैरालिंपिक खिलाड़ी हैं।

पैरालिंपिक गेम्स 2024 में मेडल जीतने वाली सभी पैरा एथलीट, जिन्हें पहले अर्जुन पुरस्कार नहीं मिला है, उन सभी को यह सम्मान मिलेगा। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत ने 29 मेडल जीते थे। इनमें 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे।

हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीता

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज और एशियन गेम्स 2022 में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं, हरमनप्रीत तीन बार FIH अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीते हैं।

सुभाष राणा की टीम को पेरिस पैरालिंपिक में शूटिंग में चार मेडल मिले थे

पेरिस पैरालंपिक में निशानेबाजी कोच सुभाष राणा की

टीम को चार मेडल मिले थे। इसमें एक गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। अवनी लेखरा ने 10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड, मनीष नरवाल ने एयर पिस्टल में सिल्वर, रूबिना फ्रांसिस और मोना अग्रवाल ने एयर राइफल में एक-एक ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

कमेटी में कौन- कौन शामिल थे

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज वी रामसुब्रण्यम की अध्यक्षता वाली नेशनल स्पोर्ट्स कमेटी में टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी अनिल कुंबले, हॉकी टीम की पूर्व महिला कप्तान रानी रामपाल, बॉक्सिंग के ओलिंपिक मेडलिस्ट विजेंद्र सिंह, स्पोर्ट्स कमेंटेटर जॉय भट्टाचार्य, पूर्व स्पोर्ट्स सेक्रेटरी राहुल भटनागर, पैरा एथलीट गिरिराज सिंह, एथलीट राधा कृष्णन शामिल थे। इनके अलावा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर जनरल, एक खेल पत्रकार, टैलंट ओलिंपिक पोडियम के सीईओ और युवा खेल मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी भी शामिल थे।

राष्ट्रीय खेल अवॉर्ड

भारत में खेल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए जाते हैं। जिसमें खिलाड़ियों, कोचों या संगठनों को उनकी उपलब्धियों और भारतीय खेलों के विकास में योगदान के लिए छह अलग-अलग पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

भारत के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार में छह प्रमुख पुरस्कार खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी (जिसे माका ट्रॉफी भी कहा जाता है) और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार हैं।

2004 से छह राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के साथ तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार भी दिया जा रहा है।

पिछले साल 26 खिलाड़ियों को मिला था अर्जुन पुरस्कार

पिछले साल क्रिकेटर मोहम्मद शमी सहित 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार मिला था। जबकि 5 कोचों को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिला था। बैडमिंटन की स्टार जोड़ी सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार दिया गया था।

बॉक्सिंग-डे टेस्ट से पहले रोहित के पैर में बॉल लगी

आधे घंटे तक बर्फ से सिकाई करते रहे

मेलबर्न, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉक्सिंग-डे टेस्ट से पहले मेलबर्न में प्रैक्टिस सेशन के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बाएं पैर में चोट लग गई। उसके बाद वे बर्फ से सिकाई (आइस पैक) करते नजर आए। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी नहीं की। हालांकि, चोट गंभीर नहीं है।

इस पर तेज गेंदबाज आकाश दीप ने कहा कि प्रैक्टिस सेशन में किसी न किसी खिलाड़ी को चोट लगती रहती है। रोहित की चोट गंभीर नहीं है। मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर 26 दिसंबर से बॉक्सिंग-डे टेस्ट खेला जाएगा। 5 मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबर है।

रोहित ने बुमराह की बॉल पर प्रैक्टिस की, कोहली थ्रोडाउन से अभ्यास किया

रविवार के ट्रेनिंग सेशन में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नेट्स में कप्तान रोहित शर्मा को गेंदबाजी करते नजर आए। उनके साथ आकाश दीप और हर्षित राणा ने रोहित को गेंदबाजी कराई। एक बॉल खेलकर रोहित शर्मा ने आकाश दीप से भोजपुर में कहा- 'हमें ही मारिएगा।'

विराट कोहली एक अन्य नेट में थ्रोडाउनर से प्रैक्टिस करते नजर आए। युवा यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने अपने शॉट्स आजमाए।

एक दिन पहले चोटिल हुए थे केएल राहुल

एक दिन पहले नेट्स प्रैक्टिस के दौरान ओपनर केएल राहुल की कलाई पर बॉल लगी थी। फिर टीम इंडिया के फिजियो ने उनका इलाज किया। एक वीडियो में राहुल को उपचार के दौरान दाहिना हाथ पकड़े देखा गया। राहुल मौजूदा दौरे पर फॉर्म में हैं, उन्होंने छह पारियों में 47 की प्रभावशाली औसत से 235 रन बनाए हैं।

दाएं हाथ के इस शानदार बल्लेबाज ने अब तक 2 अर्धशतक लगाए हैं। चौथे टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करने के लिए तैयार हैं।

भारत ने बांग्लादेश को सिखाया सबक, जीत लिया एशिया कप

दांबुला, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हाल ही में मेंस अंडर-19 एशिया कप खेला गया था, जिसके फाइनल में बांग्लादेश की टीम ने टीम इंडिया को हरा दिया था. अब भारत की महिला टीम ने बांग्लादेश को हराकर सबक सिखाया है. दरअसल, रविवार 22 दिसंबर को विमेंस अंडर-19 एशिया कप के फाइनल मुकाबला खेला गया. मलेशिया के कुआला लमपुर में हुए इस मैच में दोनों टीमों की भिड़ंत हुई, लेकिन इस बार टीम इंडिया ने 41 रनों से बाजी मार ली. भारत की महिला टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 117 रन बनाए थे, जिसके जवाब में बांग्लादेश 76 रन पर ही ढेर हो गई. बता दें पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था.

फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने के लिए बुलाया. लेकिन भारतीय टीम के बल्लेबाज

कुछ खास कमाल नहीं कर सकीं. हालांकि, जी त्रिशा की 47 गेंद में 52 रन की पारी की बदौलत 117 रन बनाने में कामयाब रही. अब इसे बचाने की जिम्मेदारी भारतीय गेंदबाजों पर थी, जिसे उन्होंने अच्छी तरीके से निभाया. छोटे स्कोर को बचाते हुए वीजो जोशिता ने दूसरे ही ओवर में पहली सफलता दिला दी.

पांचवें ओवर में 24 के स्कोर पर परुनिका सिसोदिया ने दूसरा झटका दिया. इससे टीम का मनोबल ऊंचा हो गया. फिर बांग्लादेशी ने 20 रन की साझेदारी करके उबरने की कोशिश की, तभी सोनम यादव ने एक विकेट चटकाकर मुकाबले में भारत की पकड़ मजबूत कर दी. इसके बाद बांग्लादेश की टीम संभल नहीं पाई और अगले 32 रन बनाने में बचे 7 विकेट भी गंवा दिए. इस तरह टीम इंडिया ने 9 गेंद रहते ही मुकाबले को 41 रन से जीत लिया.

जीत के बड़े चेहरे

भारतीय ओपनर जी त्रिशा को फाइनल में उनकी अर्धशतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. पहली पारी के दौरान जब टीम इंडिया लड़खड़ा गई थी, तब उन्होंने संभाला था. वो एक छोर से टिकी रहीं और धीरे-धीरे स्कोर को आगे बढ़ाती रहीं. इतना ही नहीं त्रिशा को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया. वो इस टूर्नामेंट की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं.

त्रिशा ने 5 पारियों में 120 के स्ट्राइक रेट और 53 की औसत से 159 रन बनाए. फाइनल मुकाबले में आयुषी शुक्ला ने 3.3 ओवर में 17 रन देकर 3 शिकार किए और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं. उन्होंने 5 मैचों में 10 विकेट चटकाए. फाइनल में सोनम यादव ने 2 विकेट, परुनिका सिसोदिया ने 2 और जोशिता ने 1 विकेट चटकाकर उनका साथ दिया.

ईपीएफओ फ्रॉड पर उथप्पा बोले-कंपनी में मेरी कोई भूमिका नहीं

मैंने कई साल पहले निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था, अरेस्ट वारंट जारी हुआ था

बेंगलुरु, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने ईपीएफओ फ्रॉड मामले में अपना पक्ष रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी है।

37 साल के पूर्व क्रिकेटर ने लिखा- 'कंपनी में मेरी कोई भूमिका नहीं है। मैंने कई साल पहले निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। भविष्य निधि अधिकारियों ने बकाया भुगतान की मांग करते हुए नोटिस जारी किए हैं। इसका जवाब हमारी कानूनी टीम ने दिया है।' एक दिन पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रॉबिन उथप्पा के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है।

मेरे खिलाफ पीफ मामले में मैं स्ट्रॉबेरी लेंसेरिया प्राइवेट लिमिटेड, सेंटॉरस लाइफ स्टाइल

ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड और बेरीज फैशन हाउस के साथ अपनी भागीदारी पर स्पष्टीकरण देना चाहता हूं। 2018-19 में मुझे इन कंपनीज का डायरेक्टर बनाया गया था, क्योंकि मैंने उन्हें फाइनेंशियली सपोर्ट किया था। कंपनी के कामकाज में मेरी सक्रिय भूमिका नहीं थी। एक प्रोफेशनल क्रिकेटर, TV प्रिजेंटर और कमेंटेटर होने के नाते मेरे पास इन कंपनियों का संचालन करने के लिए मेरे पास समय नहीं था।

मुझे कानूनी कदम उठाने पड़ेः उथप्पा

उथप्पा ने लिखा- उन कंपनियों में मेरी कोई भूमिका नहीं है। संबंधित कंपनीज ने खुद मेरे शामिल नहीं होने की पुष्टि करने वाले डाक्यूमेंट उपलब्ध कराए हैं। ये कंपनियां मेरे द्वारा उधार दिए गए पैसे लौटाने में असफल रहीं। ऐसे में मुझे कानूनी कदम उठाने पड़े। जो कोर्ट में विचाराधीन हैं। मैंने कई साल पहले डायरेक्टर की पोस्ट से इस्तीफा दे दिया है।

पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के खिलाफ पुलकेशीनगर थाने से अरेस्ट वारंट जारी हुआ। आरोप है कि उथप्पा की कंपनी के कर्मचारियों के वेतन से पीएफ काटा गया, लेकिन अकाउंट में जमा नहीं किया गया।

दरअसल, बेंगलुरु के रीजनल EPFO कमिश्नर शदाक्षरी गोपाल रेड्डी ने 4 दिसंबर को रॉबिन उथप्पा को करीब 23 लाख रुपए जमा करने का वारंट जारी किया था। पुलकेशीनगर थाना पुलिस जब वारंट रिसीव कराने गई तो रॉबिन अपने घर पर नहीं मिले थे। बताया जा रहा है कि वे अपनी फैमली के साथ दुबई में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक- 27 दिसंबर तक पैसा जमा नहीं कराया गया तो रॉबिन अरेस्ट हो सकते है।

2007 टी-20 वर्ल्ड कप विनर टीम के ओपनर थे रॉबिन

रॉबिन उथप्पा 2007 का टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पाकिस्तान को 5 रन से हराकर टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। रॉबिन ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 8 रन बनाए थे।

इस वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में भारत-पाकिस्तान के बीच बॉल आउट हुआ था। इसमें धोनी ने एक बॉल फेंकने के लिए रॉबिन को मौका दिया था। रॉबिन की बॉल स्टंप में लगी थी।

13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने फिर रचा इतिहास

24 साल पुराने रिकॉर्ड को किया चकनाचूर

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ते जा रहे हैं। उन्होंने अब एक बार फिर से इतिहास रचते हुए सबसे कम उम्र में लिस्ट ए गेम खेलने का रिकॉर्ड बना दिया है। सूर्यवंशी ने मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में डेब्यू करते हुए यह रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव इससे पहले रणजी ट्रॉफी खेलने वाले और भारत अंडर-19 का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन चुके हैं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव नवंबर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में बिकने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे, जब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके बाद से ही उनका नाम लगातार सुर्खियों में है। 13 साल और 269 दिन की

उम्र में सूर्यवंशी ने 1999/00 सीजन में अली अकबर द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को आसानी से तोड़ दिया। अकबर ने 14 साल और 51 दिन की उम्र में विदर्भ के लिए मैच खेलकर रिकॉर्ड बनाया था।

हालांकि सूर्यवंशी के लिए यह डेब्यू बहुत अच्छा नहीं रहा और वे दो गेंदों पर 4 रन बनाकर आउट हो गए। पहली गेंद पर चौका लगाने के बाद सूर्यवंशी अगली ही गेंद पर आर्यन आनंद पांडे की गेंद पर आउट हो गए। मैच में बिहार की टीम सिर्फ 196 रन ही बना सकी, जिससे मध्य प्रदेश को जीत हासिल करने में ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। मध्य प्रदेश की ओर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज रजत पाटीदार ने फिफ्टी जड़ी, जबकि ऑक्शन में 23.75 करोड़ रुपये की भारी भरकम कीमत पाने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स के वेंकटेश अय्यर आखिर तक नाबाद रहे।

सूर्यवंशी ने नवंबर में अपना पहला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया, जब उन्हें सबसे पहले खिताब जीतने वाले राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा। वैभव अब राजस्थान में दिग्गज भारतीय बल्लेबाज और कोच राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में खेलेंगे। कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के बाद सूर्यवंशी ने एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया, जहां उन्होंने पांच मैचों में 76 की औसत और 145 की शानदार स्ट्राइक रेट से 176 रन बटोरे थे।

अश्विन के संन्यास पर मोदी की चिट्ठी: कहा- ऑफ ब्रेक की उम्मीद थी

आपने कैरम बॉल फेंककर चकमा दिया; जर्सी नंबर-99 की कमी खलेगी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन को लेटर लिखा है। PM ने इस पत्र के जरिए अश्विन को भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

मोदी ने पत्र में लिखा- ऐसे समय में जब हर कोई और ज्यादा ऑफ-ब्रेक की उम्मीद कर रहा था, आपने एक ऐसी कैरम बॉल फेंकी, जिसने सभी को चकमा दे दिया। लोगों को जर्सी नंबर-99 की कमी खलेगी।

अश्विन ने 18 दिसंबर को गाबा टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था।

5 पॉइंट्स में पीएम के लेटर की मुख्य बातें.

1. संन्यास : ऑफ ब्रेक की उम्मीद थी, कैरम बॉल से चौकाया

पीएम मोदी ने अश्विन के अचानक रिटायरमेंट पर कहा- आपके संन्यास ने भारत के साथ-साथ वर्ल्ड क्रिकेट में प्रशंसकों को चकित कर दिया। हम सभी आपसे और भी ज्यादा ऑफ ब्रेक का इंतजार कर रहे थे और आपने कैरम बॉल फेंककर चकमा दिया। आपके लिए यह निर्णय लेना आसान नहीं रहा होगा। खासकर जब आप भारत के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे थे।

2. भारत-पाकिस्तान मैच : आपके शॉट ने खूब तालियां बटोरी

मोदी ने लिखा- 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी गेंद पर आपके शॉट ने खूब तालियां बटोरी थीं।

जिस तरह से आपने गेंद को छोड़ा। उसे वाइड बॉल बनने दिया, उससे आपकी सूझबूझ का पता चलता है।

3. मां की बीमारी : मां की बीमारी के बाद भी खेले

प्रधानमंत्री ने लिखा- हम सभी को वह पल याद है, जब आपकी मां अस्पताल में भर्ती थीं और आपने मैदान में वापसी की।

साथ ही चेन्नई में जब बाढ़ की स्थिति थी और आप अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पा रहे थे। जिस तरह से आप साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते रहे, वे खेल के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

4. करियर : लोग जर्सी नंबर-99 की कमी महसूस करेंगे

पीएम मोदी ने अश्विन के करियर की अचीवमेंट के लिए सराहा। उन्होंने लिखा- आपके विकेट, रन और सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज की ट्रॉफी ने टीम की सफलता में अहम योगदान दिया। अपने डेब्यू टेस्ट में ही 5 विकेट लिए। वनडे वर्ल्ड कप-2011, चैंपियंस ट्रॉफी-2013 और ICC क्रिकेटर ऑफ द ईयर जैसी अचीवमेंट ने आपको भारतीय टीम का अहम सदस्य बनाया। लोग जर्सी नंबर-99 की कमी को हमेशा महसूस करेंगे। क्रिकेट प्रेमी हमेशा उस पल को याद करेंगे, जब आपने क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा था।

5. सिडनी टेस्ट की पारी : देश को यादगार लम्हे दिए

मोदी ने लिखा- 2021 में सिडनी टेस्ट में आपकी मैच बचाने वाली पारी ने देश को यादगार लम्हे दिए। लोग आपको कई मैचों के लिए याद करते हैं। 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 मैच में आपने जिस तरह गेंद को छोड़कर अपना प्रेजेंस ऑफ माइंड दिखाया। वह लाजवाब था और आपके विनिंग शॉट ने उस मैच को हमारी यादों में बसा दिया है।

भारत करेगा जूनियर निशानेबाजी विश्व कप की मेजबानी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत को अगले साल के जूनियर विश्वकप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगिताएं शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्वकप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।

इंग्लैंड के महान फुटबॉलर जॉर्ज ईस्टहैम का निधन

लंदन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के महान फुटबॉलर जॉर्ज ईस्टहैम का 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। इसकी जानकारी उनके पूर्व क्लब स्टोक सिटी ने दी। 1966 में इंग्लैंड की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे ईस्टहैम अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जॉर्ज सीनियर के बेटे थे। ईस्टहैम एक मिडफील्डर और इनसाइड फॉरवर्ड थे, जिन्होंने दो दशकों के अपने करियर के दौरान न्यूकैसल यूनाइटेड, आर्सेनल और स्टोक सिटी के लिए खेला। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 19 कैप जीते।

कांग्रेस सरकार सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध : उत्तम कुमार रेड्डी

मंत्री ने डॉ. बीआर अंबेडकर शैक्षणिक संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराने के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने वंचित समूहों के उत्थान और शिक्षा प्रणाली में लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा संचालित पहलों की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी रविवार को बाघलिंगमपल्ली में डॉ. बीआर अंबेडकर शैक्षणिक संस्थानों के पूर्व छात्रों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जो शिक्षा के क्षेत्र में 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा था।

यह कार्यक्रम संस्थान के संस्थापक गद्दाम वेंकटस्वामी की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, विधायक नागराजू और विवेक वेंकटस्वामी, सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा, पूर्व मंत्री डॉ. पी. शंकर राव, कॉलेज सचिव और पूर्व मंत्री जी. विनोद और संवाददाता डॉ. सरोजा विवेक समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। देश-विदेश से आए पूर्व छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और संस्थान की विरासत और उपलब्धियों का जश्न मनाया। मंत्री उत्तम ने तेलंगाना में शिक्षा के कायाकल्प के लिए कांग्रेस सरकार की पहलों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूलों की शुरुआत के बारे में बताया, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 12वीं कक्षा तक अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रदान करना है। 20-25 एकड़ में फैले परिसरों में स्थापित ये स्कूल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग और अन्य वंचित समुदायों के छात्रों को शिक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, "हमने 60 निर्वाचन क्षेत्रों में ये स्कूल शुरू किए हैं और सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में एक स्कूल खोलने की योजना है। सरकार इस पहल पर करीब 5,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।" प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने इस क्षेत्र की उपेक्षा करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, "उन्होंने 10 साल में एक भी शिक्षक की भर्ती नहीं की। सत्ता में आने के छह महीने के भीतर, हमने 11,000 शिक्षकों की भर्ती की और पदोन्नति और स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की। हमने रिक्तियों को भरने के लिए सभी विश्वविद्यालयों में पूर्णकालिक कुलपति भी नियुक्त किए हैं।" उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई फीस प्रतिपूर्ति योजना को कमजोर करने के लिए पिछली सरकार की कड़ी आलोचना की। "बीआरएस सरकार ने 5,197 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया नहीं चुकाया, जिससे कई निजी कॉलेजों को बंद करना पड़ा। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार चरणबद्ध तरीके से इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रही है। डॉ. बीआर अंबेडकर शैक्षणिक संस्थानों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, "शिक्षा समाज के लिए सबसे बड़ा योगदान है जो कोई भी कर सकता है। दुर्भाग्य से, आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थान लाभ-संचालित हैं, डॉ. बीआर अंबेडकर शैक्षणिक संस्थानों के विपरीत, जहां छात्रों से कोई दान नहीं लिया जाता है, और वंचित समुदायों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। उन्होंने लाभ के उद्देश्य के बिना दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सेवा के लिए समर्पित संस्थान चलाने के लिए गद्दाम परिवार की सराहना की।

किसानों की मदद के लिए स्थापित होंगी सौर इकाइयां

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने कथित तौर पर आदिवासी किसानों को कृषि पंप सेट चलाने में मदद करने के लिए पोडू भूमि में सौर इकाइयां स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह सुविधा उन किसानों को प्रदान की जाएगी जिन्हें वन अधिकार अधिनियम के तहत अपनी भूमि पर खेती करने के लिए पट्टे दिए गए थे।

सूत्रों का कहना है कि उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आदिवासी कल्याण विभाग को पोडू किसानों के लिए सौर ऊर्जा इकाइयां स्थापित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार केंद्र की प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजना के तहत रियायती दरों पर सौर ऊर्जा इकाइयां स्थापित करने की योजना बना रही है। राज्य सरकार पहले ही पीएम कुसुम योजना के तहत अगले मार्च तक कृषि भूमि पर 4,000 मेगावाट की स्थापित क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का प्रयास कर रही है।

शासी निकायों को किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए : पोन्नम

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरिसिल्ला जिले के वेमुलावाड़ा कृषि बाजार समिति के नए शासी निकाय का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री पोन्नम प्रभाकर उपस्थित थे। सरकारी सचेतक वेमुलावाड़ा विधायक श्रीनिवास आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजू, वाइस चेयरमैन कनिकारापू राकेश को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कृषि बाजार समिति के नये प्रबंधन के लिए अध्यक्ष राजू एवं उपाध्यक्ष राकेश को बधाई देते हुए कहा कि वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में, आदि श्रीनिवास के नेतृत्व में, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं कि किसानों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। विधानमंडल में जो कुछ हुआ वो सब आपने देखा है। वे सरकार को परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने के बजाय सरकार की बदनामी की जा रही है। हाल तक हमें धरणी के नाम पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। अब हम भूमाता को धरणी स्थान पर ला रहे हैं। हमने कहा कि हम धरणी को बंगाल की खाड़ी में गिरा देंगे। धरणी बंगाल की खाड़ी में गिर गई। धरती माता की शुरुआत हो गई। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसानों से जुड़ी किसी भी समस्या के बिना हैदराबाद और जिला कलेक्टरों के स्तर पर ही समस्याओं का समाधान करने के लिए लैंड मदर बिल को कल विधान सभा में मंजूरी दे दी गई। जनवरी में संक्रांति के बाद हम किसानों को आश्वासन देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो किसान जमीन-जायदाद के अलावा जमीन-जायदाद छोड़कर खेती नहीं करते, उनके लिए जमीन-जायदाद सुनिश्चित की जायेगी। जैसा कि वेमुलावाड़ा में सहकारी बैंक के उद्घाटन समारोह के दौरान उल्लेख किया गया था, वित्तीय स्थिति दूरदर्शिता से भरी है और विचार किसानों को एक भी रुपये के बकाया से मुक्त कराना है। सरकार आने के बाद आर्थिक स्थिति को देखने के बाद जब तेलंगाना राज्य का गठन हुआ तो हमने इसे अधिशेष बजट के साथ सौंपा। अब यह कर्ज के ढेर में तब्दील हो चुका है। आजादी के बाद से अगर 60 हजार करोड़ का कर्ज था तो वह साढ़े छह लाख करोड़ का कर्ज हो गया है। क्या आपने ग्राम पंचायतों के बिल चुकाए, क्या आपने ठेकों के बिल चुकाए? इन तमाम आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद हमने दो लाख से कम की ऋण माफी का कार्य पूरा किया है। नए बाजार शासी निकायों को किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। गांवों में 90% घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली मिल रही है। महिलाएं अब तक 4000 करोड़ रुपये की मुफ्त यात्रा कर चुकी हैं।

20 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के बोईनपल्ली में शनिवार देर रात लोगों के एक समूह ने 20 वर्षीय एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। बोईनपल्ली के हर्षवर्धन कॉलोनी निवासी मोहम्मद समीर को लोगों के एक समूह ने एक महिला से जुड़े मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बुलाया था। इसके बाद कम से कम चार लोगों ने उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। वह व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुची और प्रारंभिक पूछताछ के बाद शव को मोर्चरी में रखवाया तथा मामला दर्ज कर लिया।

एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में एक की मौत, दो घायल

नारायणपेट, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मद्दुर मंडल में एक गैस गोदाम में एलपीजी सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान गुंडुमल मंडल निवासी नरेश के रूप में हुई है। यह घटना रविवार तड़के मद्दुर मंडल मुख्यालय स्थित एचपी गैस गोदाम में उस समय घटी जब कर्मचारी गैस सिलेंडरों की व्यवस्था कर रहे थे।

सिलेंडर फटने से नरेश की मौत हो गई, जबकि गुंडूमल मंडल निवासी कृष्णा और कोइलकोंडा मंडल के अवंगापट्टनम निवासी नवीन गंभीर रूप से घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों को महबूबनगर के सरकारी जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

प्रसवोत्तर महिलाओं को वितरित किए गए 200 कंबल

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईएमसी कॉलेज एनएसएस और एनसीसी इकाइयों ने हैदराबाद जिला आर्य वैश्य महासभा के सहयोग से कोटि मैटरनिटी अस्पताल में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पुलिस हाउसिंग बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कोलेटी दामोदर गुप्ता भी शामिल हुए, जिसके दौरान 200 प्रसवोत्तर महिलाओं को कंबल वितरित किए गए।

हैदराबाद जिला आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष सरपु लक्ष्मण गुप्ता ने बताया कि पिछले दस वर्षों से इस तरह के सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दानदाताओं ने 100 कंबल दान किए तथा प्रिंसिपल कुरा रघुवीर ने अतिरिक्त 100 कंबल प्रदान किए।

आईआईएमसी कॉलेज के प्राचार्य कुरा रघुवीर ने बताया कि हर सर्दियों में कॉलेज के एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवक विभिन्न स्थानों पर इसी तरह के वितरण कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

रंगे हाथ पकड़ा गया भ्रष्ट कर्मचारी

करीमनगर, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद कस्बे में रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद एक राजस्व अधिकारी रो पड़ा। भयभीत अधिकारी का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया है।

वीडियो में दिखाया गया है कि हुजूराबाद में राजस्व संभागीय अधिकारी के कैंप क्लर्क संदीप नामक अधिकारी को सादे कपड़ों में अधिकारी पकड़कर 'फिनोलफथेलिन परीक्षण' करने के लिए अपने हाथ दो गिलास पानी में डुबोने की सलाह दे रहे हैं। ऐसा

उन्होंने रासायनिक पदार्थ से युक्त नोट की गड्डी स्वीकार करने के बाद किया। आरडीओ के कैंप क्लर्क संदीप पर 'नाला रूपांतरण' के आधिकारिक काम के लिए एक किसान से 75,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने का आरोप है। गिरफ्तार अधिकारी को अदालत में पेश किया जा रहा है।

जगतियाल में यूपी के सुपारी किलर की हत्या

पेट्रोल डालकर जला दिया गया था शव

जगतियाल, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर प्रदेश के एक कथित कॉन्ट्रैक्ट किलर की हत्या एक व्यक्ति ने कर दी, जिसने उसके साथ एक अन्य व्यक्ति की हत्या करने का समझौता किया था। पता चला है कि यूपी के इस व्यक्ति को मुंबई से यहां एक अन्य व्यक्ति की हत्या करने के लिए पैसे का वादा करके बुलाया गया था और फिर उसकी हत्या कर दी गई। बाद में शव को जला दिया गया।

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब आरोपी ने एक अन्य व्यक्ति के साथ शनिवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के मुताबिक, कमलापुर के नेरेल्ला गोपाल और धर्मपुरी मंडल के नेरेल्ला के मेरुगु लक्ष्मण मुंबई में रह रहे थे। लक्ष्मण ने ठोकला गंगाधर नामक एक व्यक्ति को मारने का फैसला किया, जो उसकी भाभी को परेशान कर रहा था। जब वे दो महीने पहले मालवणी बीच पर मिले, तो लक्ष्मण ने गोपाल को अपना फैसला बताया, जिसने कॉन्ट्रैक्ट किलर राहुल सूर्य प्रकाश सिंह से बात की।

सिंह ने गंगाधर की हत्या करने की बात मान ली और 4 लाख रुपये में सौदा तय कर लिया। सिंह ने हत्या की योजना बना ली, लेकिन लक्ष्मण ने सौदा रद्द करने का फैसला किया और सिंह को इसकी जानकारी दे दी।

हालांकि, सौदा रद्द होने से परेशान सिंह ने कथित तौर पर पैसे की मांग की और धमकी दी कि अगर पहले हुए समझौते के अनुसार राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वह गोपाल के पिता रमेश को मार देंगे। शूटर को मारने का फैसला करते हुए गोपाल ने 12 दिसंबर को पैसे देने का वादा करके उसे मुंबई से नेरेल्ला ले आया। अगले दिन गोपाल और गंडिकोटा शेखर सिंह को गांव के बाहरी इलाके में स्थित संबासिवुनु मंदिर ले गए।

शराब पीने के बाद गोपाल ने सिंह के सिर पर पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वे शव को घटनास्थल से 5 किमी दूर बट्टापल्ली पोथारम ले गए और पेट्रोल डालकर जला दिया। गांव में हत्या की खबर फैलते ही गोपाल और शेखर ने शनिवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और पूरी घटना बताई।

स्कूल की इमारत से गिरकर 14 वर्षीय छात्र की मौत

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी (टीएमआरईआईएस) के एक छात्र की शनिवार को इमारत से गिरकर मौत हो गई। जहीराबाद के बुचिनेली में टीएमआर स्कूल-गर्ल्स की कक्षा 9 की छात्रा सादिया (14) रात का खाना खाने के बाद अपने कमरे में जाते समय बिल्डिंग की रेलिंग से गिर गई। स्कूल प्रशासन ने छात्रा को तुरंत इलाज के लिए जहीराबाद के सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे यहां गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने अंतिम सांस ली। इस घटना पर टिप्पणी के लिए टीएमआरईआईएस के अध्यक्ष एवं चेयरमैन मोहम्मद फहीमुद्दीन कुरैशी से संपर्क करने का प्रयास विफल रहा।

केसीआर पर अपमानजनक टिप्पणी की निंदा

बीआरएस के पूर्व विधायकों ने की सीएम की आलोचना

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक गदरी किशोर कुमार और नलगोंडा जिले के अन्य बीआरएस नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी की कड़ी आलोचना की। रविवार को तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस नेताओं पर चंद्रशेखर राव और नलगोंडा जिले के विकास में उनके योगदान के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया।

पूर्व सांसद बदुगुला लिंगैया यादव ने नलगोंडा में फ्लोराइड की समस्या को खत्म करने में पूर्व सीएम के प्रयासों पर प्रकाश डाला और कांग्रेस नेताओं के अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ इसकी तुलना की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि

नलगोंडा जिला अब राज्य में सबसे अधिक फसल उपज का दावा करता है। बीआरएस नेता कोमाटिरेड्डी ने रैतु बंधु योजना शुरू करने और कालेश्वरम परियोजना के माध्यम से विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों को पानी उपलब्ध कराने के लिए चंद्रशेखर राव की प्रशंसा की, जबकि कांग्रेस सरकार की विफलताओं और अधूरे वादों की आलोचना की।

पूर्व विधायक बुदिदा भिक्षामैया गौड़ ने कोमाटिरेड्डी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और उनके कार्यकाल के दौरान उनके योगदान पर सवाल उठाते हुए उन्हें बहस की चुनौती दी। कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी ने कोमाटिरेड्डी को राजनीतिक दलाल करार दिया और कांग्रेस पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाते हुए उन पर मुनुगोड़े उपचुनाव के दौरान भाजपा का समर्थन करने का आरोप लगाया और दावा किया कि मुनुगोड़े में विकास केवल बीआरएस शासन के तहत हुआ। चिंताला वेंकटेश्वर रेड्डी ने कोमाटिरेड्डी की उनके असंगत बयानों के लिए आलोचना की और उन पर सीएम के पद का अनादर करने का आरोप लगाया। उन्होंने रेवंत रेड्डी से अपने तौर-तरीके बदलने का आग्रह किया और कांग्रेस नेताओं पर व्यक्तिगत प्रतिशोध लेने का आरोप लगाया।

पत्नी के गुप्त ऋण के सदमे से पति ने की आत्महत्या

नागरकर्नूल, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 56 वर्षीय एक कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली, जब उसे पता चला कि उसकी पत्नी ने उसकी जानकारी के बिना लोन लिया है। यह घटना जिले के मधुरानगर कॉलोनी में हुई। गुन्ना मुथ्यालु जिले के डीएमएचओ कार्यालय में अटेंडेंट के पद पर कार्यरत थे। उनकी पत्नी राजिता नर्स के पद पर कार्यरत थीं, लेकिन उन्होंने नौकरी छोड़ दी और एक व्यक्ति से 1.5 लाख रुपये का कर्ज लिया था।

शनिवार को वह व्यक्ति मुथ्यालु के घर पहुंचा और पैसे वापस मांगे। कर्ज के बारे में न बताए जाने से अपमानित महसूस करते हुए मुथ्यालु ने घर में पंखे से लटकने की कोशिश की। उसके प्रयास को देखते हुए पड़ोसियों ने तुरंत दरवाजा तोड़ दिया और उसे जिले के सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुथ्यालु की मां अंजनम्मा की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जेईई एडवांस्ड 2025 का शेड्यूल जारी

23 अप्रैल से 2 मई तक होंगे पंजीकरण

5 मई शाम 5 बजे तक परीक्षा शुल्क का भुगतान

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस 2025 के लिए पंजीकरण 23 अप्रैल से 2 मई तक होंगे, जबकि परीक्षा शुल्क का भुगतान 5 मई शाम 5 बजे तक किया जा सकेगा। आईआईटी में प्रवेश के लिए जेईई एडवांस्ड 2025 का आयोजन करने वाले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने वेबसाइट पर विस्तृत कार्यक्रम और सूचना विवरणिका जारी की है। महिलाओं और एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण शुल्क 1,600 रुपये है, जबकि अन्य सभी उम्मीदवारों के लिए 3,200 रुपये है।

जैसा कि पहले ही घोषणा की जा चुकी है, प्रवेश परीक्षा 18 मई को आयोजित की जाएगी, जिसमें पेपर-I सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और पेपर-II दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगा। एडमिट कार्ड 11 मई को सुबह 10 बजे से 18 मई को दोपहर 2.30 बजे तक डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेंगे। परीक्षा के बाद, अभ्यर्थियों के उत्तर 22 मई को वेबसाइट पर डाले जाएंगे तथा 26 मई को अनंतिम प्रारंभिक उत्तर कुंजी जारी की जाएगी, तथा अभ्यर्थी 26 और 27 मई को उत्तर कुंजी पर फीडबैक प्रस्तुत कर सकते हैं। अंतिम उत्तर कुंजी के साथ परिणाम 2 जून को जारी किए जाएंगे।

तेलंगाना के छात्र 13 शहरों- आदिलाबाद, हैदराबाद, करीमनगर, खम्मम, कोडाद, कोत्तागुडेम, महबूबनगर, नलगोंडा, निजामाबाद, सथुपल्ली, सिद्दीपेट, सूर्यापेट और वारंगल में परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। जेईई एडवांस्ड में बैठने के लिए, उम्मीदवारों को जेईई मेन पेपर-I बीई/बीटेक में सभी श्रेणियों सहित शीर्ष 2,50,000 सफल उम्मीदवारों में से एक होना चाहिए। एक उम्मीदवार लगातार दो वर्षों में अधिकतम दो बार जेईई एडवांस्ड की परीक्षा दे सकता है।

डकैती मामले में 12 सदस्यीय गिरोह अरेस्ट

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (केंद्रीय) की टीम ने दस दिन पहले दोमलगुडा में हुई डकैती के मामले में कथित तौर पर शामिल 12 सदस्यीय गिरोह को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से 1.2 करोड़ रुपये की संपत्ति और हथियार बरामद किए हैं। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि डकैती की योजना इंद्रजीत घोराई (43) ने आसानी से पैसा कमाने के लिए बनाई थी, जो पीड़ित रंजीत घोराई का छोटा भाई है। सी.वी. आनंद ने बताया कि इंद्रजीत ने डकैती को अंजाम देने के लिए एक वकील और अपराधियों के एक समूह की मदद ली। 12 दिसंबर को योजना के अनुसार, गिरोह पीड़ित के घर गया और घरवालों को धमकाकर सोने और चांदी के गहने लूट लिए। विशेष सुरागों के आधार पर इंस्पेक्टर खलील पाशा के नेतृत्व में टास्क फोर्स की टीम ने 12 लोगों को पकड़ लिया। गिरोह के तीन अन्य सदस्य फरार हैं।

राज्यपाल ने छात्रों और श्रद्धालुओं के साथ मनाई चर्च की शताब्दी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा मेदक कैथेड्रल चर्च के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए मेदक आए। सुबह 11 बजे पहुंचकर राज्यपाल ने चर्च की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने चर्च की शताब्दी पर अपनी खुशी व्यक्त की और ईसा मसीह के प्रेम की तरह प्रेम फैलाने के महत्व पर जोर दिया।

चर्च का दौरा करने के बाद राज्यपाल ने कोलपाराम गर्ल्स सोशल वेलफेयर गुरुकुलम की छात्राओं से मुलाकात की। उन्होंने उनकी रहने की स्थिति और वहां उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

वे उनके साथ दोपहर का भोजन भी किया। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बच्चों की दिनचर्या में व्यवधान न डालें और उनके कल्याण के लिए काम करें। राज्यपाल के दौरे को देखते हुए अधिकारियों ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की थी और यातायात पर प्रतिबंध लगा दिया था। नरसापुर विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी जैसे स्थानीय जनप्रतिनिधि राज्यपाल के साथ उनके दौरे पर थे।

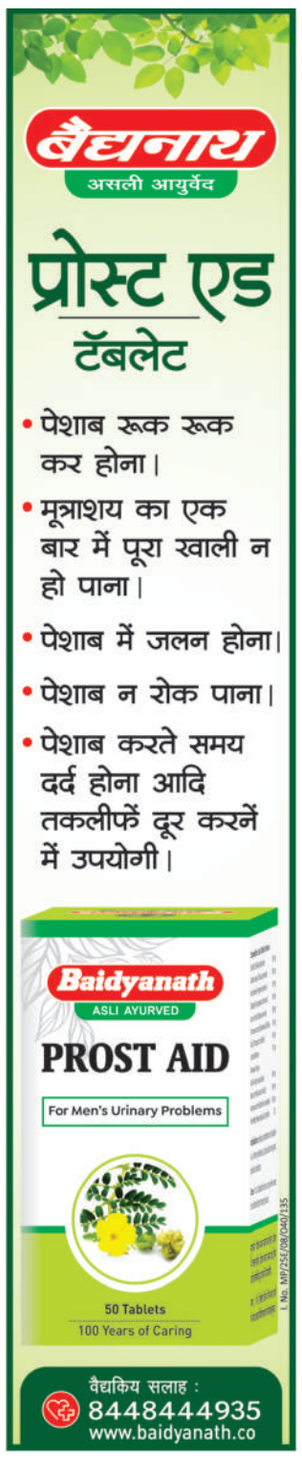

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.